दैनिक सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 52/ अंक 244/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, गुरुवार 20 अप्रैल 2023 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

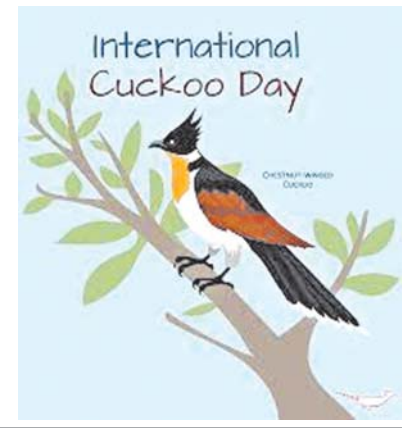

सांध्यप्रकाश विशेष

मंत्री ने मंदिर समिति से मुस्लिम सदस्य को हटाने के लिए भेजा नोटिस, कांग्रेस ने बताया संविधान के खिलाफ

भोपाल। मध्यप्रदेश में शिवराज सरकार की मंत्री उषा ठाकुर की एक नोटशीट ने हड़कंप मचा दिया है। धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग की मंत्री उषा ठाकुर ने विभाग को एक नोटशीट भेजी है. उन्होंने सतना जिले के मैहर स्थित शारदा मंदिर समिति से मुस्लिम सदस्य को हटाने के लिए कहा है।

दरअसल, मंत्री उषा ठाकुर की नोटशीट को धार्मिक न्यास और धर्मस्व विभाग ने आगे बढ़ाते हुए सतना कलेक्टर अनुराग वर्मा को पत्र जारी कर दिया है. पहले के लिखे पत्र का हवाला देते हुए पत्र में कहा है कि प्रकरण में तत्काल परीक्षण कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने के लिए लिखा गया था. मगर, वह आज तक नहीं भेजा गया है।

शारदा देवी प्रांगण में दो मुस्लिम कर्मचारी- पत्र के हवाले से कहा गया कि विभाग की मंत्री ने इस संबंध में 3 दिवस के अंदर कार्रवाई तलब की है. बता दें कि शारदा प्रबंध समिति प्रशासन के अधीन एक स्वायत्त संस्था है. यह समिति शारदा देवी प्रांगण की व्यवस्था संभालती है. इसमें इस समय मुस्लिम समुदाय के दो कर्मचारी

शामिल हैं।

मंत्री महोदय की तरफ से दी गई है नोटिस- इस संबंध में सतना कलेक्टर अनुराग वर्मा का कहना है कि ये भोपाल से जारी किया गया पत्र जरूर है. मगर, इस पर अब तक मेरी तरफ से कोई संज्ञान नहीं लिया गया है. वहीं, एक चैनल से बात करते हुए धर्मस्व विभाग के एसीएस डॉ. राजेश राजौरा ने बताया कि जो पत्र सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है, वह मंत्री महोदय की तरफ से दिया गया नोटिस है। उसे विभाग की तरफ से सतना कलेक्टर को बढ़ा दिया गया है. विभाग ने अपनी तरफ से इस तरह का कोई भी आदेश जारी नहीं किया है।

संविधान के खिलाफ जारी किया गया नोटिस: कांग्रेस- वहीं, कांग्रेस ने इस कदम को संविधान के खिलाफ बताया है. कमलनाथ सरकार में धर्मस्व मंत्री रह चुके पीसी शर्मा ने बात करते हुए अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि एक तरफ सरकार डॉ. अंबेडकर के कदमों पर चलने की बात करती है, तो वहीं दूसरी तरफ उनकी ही सरकार की मंत्री इस तरह की नोटिस जारी करती है। यह डॉक्टर अंबेडकर के समानता के भाव के बिल्कुल विपरीत है. कांग्रेस हर जरूरी प्लेटफार्म पर अपनी बात रखेगी और इस तरह के व्यवहार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

ग्लोबल बुद्धिज्म समिट

बुद्ध की शिक्षाओं के आधार पर ही भारत नई पहल कर रहा है: मोदी

नई दिल्ली। दिल्ली में हो रहे वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहुंच गए हैं। दो दिवसीय शिखर सम्मेलन संस्कृति मंत्रालय और अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ मिलकर कर रहे हैं। उद्घाटन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि गौतम बुद्ध की शिक्षाओं ने सदियों से अनगिनत लोगों को प्रभावित किया है। इनसे प्रेरित होकर भारत विश्व कल्याण के लिए नई पहल कर रहा है।

20-21 अप्रैल को राजधानी के अशोक होटल में होने वाले सम्मेलन शुरू हो चुका है। इसमें लगभग 30 देशों के प्रतिनिधि और विदेशों के लगभग 180 प्रतिनिधि और भारतीय बौद्ध संगठनों के 150 प्रतिनिधि

शामिल हो रहे हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि इस धरती की परंपरा है- अतिथि देवो भव यानी अतिथि हमारे लिए देवता के समान होते हैं लेकिन भगवान बुद्ध के विचारों को जीने वाले इतने व्यक्तित्व जब हमारे सामने हों तो साक्षात बुद्ध की उपस्थिति का एहसास होता है। बुद्ध व्यक्ति से आगे बढ़कर एक बोध हैं। स्वरूप से आगे बढ़कर एक सोच हैं। चित्रण से आगे बढ़कर एक चेतना हैं और बुद्ध की ये चेतना चिरंतर है, निरंतर है। यह सोच शाश्वत है, ये बोध कभी भी भुलाया नहीं जा सकता है।

उन्होंने कहा कि अमृतकाल में भारत के पास अपने भविष्य के लिए बड़े लक्ष्य भी हैं और विश्व कल्याण के नए संकल्प भी हैं। भारत ने दुनिया में नई पहल की हैं और इसमें हमारी बहुत बड़ी प्रेरणा भगवान बुद्ध हैं। हमें दुनिया को सुखी बनाना है तो स्व से निकलकर संसार, संकुचित सोच छोड़ना और समग्रता का बुद्ध मंत्र ही एकमात्र रास्ता है। आज ये समय की मांग है कि हर व्यक्ति की, हर देश की प्राथमिकता देशहित के साथ ही दुनिया का हित भी हो।

हरदा कलेक्टर और पीएचई ईई विवाद में उतरा एमपी इंजीनियर एसोसिएशन, सीएम को की शिकायत

भोपाल। हरदा कलेक्टर ऋषि गर्ग पर प्रताड़ना के आरोप का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस मामले में अब एमपी इंजीनियर एसोसिएशन भी कूद पड़ा है। एसोसिएशन ने सीएम शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखा है। इस पत्र में एमपी इंजीनियर एसोसिएशन ने हरदा कलेक्टर पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। एसोसिएशन का कहना है कि कलेक्टर हमेशा इंजीनियरों से अपमानजनक लहजे में बात करते हैं। इतना ही नहीं आईएएस एक होकर इंजीनियर्स के साथ दुर्व्यवहार भी करते हैं।

क्या था मामला?- हरदा कलेक्टर ऋषि गर्ग पर पीएचई के कार्यपालन यंत्री (ईई) बीबीएस चौधरी ने प्रताड़ना का आरोप लगाया है। चौधरी के मुताबिक, उन्हें मानसिक रूप से इतना टॉर्चर किया गया कि लकवा का अटैक आ गया। चौधरी अस्पताल में भर्ती हैं। कलेक्टर की प्रताड़ना से तंग आकर चौधरी ने पीएचई के प्रमुख सचिव संजय शुक्ला को पत्र लिखकर राहत मांगी है। चौधरी ने अपने पत्र में

लिखा है कि कलेक्टर मुझ पर अज्ञात कारणों से दबाव बना रहे हैं। मुझे भोपाल से बुलाकर अधीनस्थों के सामने अमर्यादित भाषा का प्रयोग करके अपमानित करते हैं। कलेक्टर ने अकेले में बुलाकर ये भी कहा कि करोड़ों के टेंडर डील कर रहे हो और मुझसे आकर मिलते भी नहीं हो।

अकेले में मिलने का बनाते हैं दबाव- ईई बोले- टारगेट पूरा, फिर भी प्रताड़ित किया जा रहा है चौधरी ने कहा- मेरी पदस्थापना भोपाल में हैं। मेरे अधीन भोपाल और नर्मदापुरम के 8 जिले आते हैं, इनमें हरदा भी शामिल है। हरदा में पीएचई मैकेनिकल का 100 प्रतिशत टारगेट पूरा हो चुका है। इसके बावजूद मुझे बिना किसी कारण से लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है। कलेक्टर के पीए भी वॉट्सऐप कॉल पर साहब से अकेले में मिलने की बात करते हैं।

इतना परेशान किया लकवा का अटैक आ गया- चौधरी का ये भी कहना है कि इसके पूर्व मैंने कभी कलेक्टर गर्ग के साथ कहीं कोई काम नहीं किया और ना ही मेरा इससे पहले किसी भी तरह का कोई व्यक्तिगत विवाद हुआ है, जिसके चलते में ये मुझे प्रताड़ित करें। कलेक्टर मुझसे क्या चाहते हैं, ये मुझे नहीं पता, लेकिन हर बार मुझे अपमानित करके मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का काम कर रहे हैं। इस संबंध में मैंने प्रमुख सचिव और चीफ इंजीनियर से व्यक्तिगत मुलाकात करके अपनी पीड़ा बताई थी, लेकिन कलेक्टर गर्ग की प्रताड़ना कम होने की बजाय और बढ़ गई। मानसिक दबाव बढ़ने मेरा ब्लड प्रेशर बढ़ गया है और मुझे माइनर लकवा का अटैक भी आया। मैं अभी अस्पताल में भर्ती हूं।

पार्किंग में पानी पिलाने की ड्यूटी लगाई- चौधरी ने पत्र में लिखा कि जब मैंने कलेक्टर की प्रताड़ना की शिकायत प्रमुख सचिव और प्रमुख अभियंता (चीफ इंजीनियर) से की तो इससे नाराज होकर कलेक्टर ने मुझे नीचा दिखाने के लिए 19 अप्रैल को प्रस्तावित मुख्यमंत्री के लाड़ली बहना आयोजन में पार्किंग में पानी पिलाने की ड्यूटी लगा दी, जबकि जिले में दो-दो असिस्टेंट इंजीनियर पदस्थ हैं। उनकी पदस्थापना भोपाल में हैं, इसके बावजूद कलेक्टर ने उनकी ड्यूटी पानी पिलाने के लिए लगाई।

आधी रात को हरदा बुलाया- चौधरी के मुताबिक, कलेक्टर ने 26 मार्च को मैसेज भिजवाकर मुझे आधी रात को भोपाल से हरदा बुलाया था।रात 2 बजे हरदा पहुंचकर कलेक्टर को इन्फॉर्म किया। 27 की सुबह पहुंचकर बताया कि हरदा जिले में पीएचई मैकेनिकल का टारगेट पूरा हो चुका है, कहीं कोई कमी नहीं है। इसके बावजूद अधीनस्थों के सामने अपमानित किया और फिर शाम को बुलाकर बेवजह की नाराजगी जताई। इसका मेरे ओर विभाग के काम से कोई लेना-देना नहीं था। बार-बार कलेक्टर गर्ग का इसी बात पर जोर था कि करोड़ों के टेंडर लगा रहे हो तो मिलते क्यों नही हो।

प्रमुख सचिव बोले- मैं दोनों पक्षों से बात करूंगा- प्रमुख सचिव संजय शुक्ला ने कहा कि मामला मेरी जानकारी में आया है। हकीकत क्या है, इसके लिए मैं पहले दोनों पक्षों से बात करूंगा, उसके बाद ही कुछ कह पाऊंगा। ये बात सही है कि किसी को भी प्रताड़ित करने का अधिकार किसी को नहीं है। अधीनस्थों को भी अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए।

क्या बोले कलेक्टर?- हरदा कलेक्टर ऋषि कलेक्टर ने कहा कि चौधरी एक साल से हरदा नहीं आए। मुझ पर जो आरोप लगाए गए हैं, वो सही नहीं हैं। इससे ज्यादा मैं कुछ नहीं कहना चाहता।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आज केवलारी में आयोजित लाड़ली बहना सम्मेलन में पहुंचे। एमएसएनई मंत्री ओम सकलेचा भी रहे मौजूद।

मानहानि केस: राहुल की याचिका खारिज

सूरत। सूरत कोर्ट ने मानहानि केस में दोषी ठहराए जाने के खिलाफ राहुल गांधी की याचिका गुरुवार को खारिज कर दी। एडिशनल सेशन कोर्ट जज आरपी मोगेरा आज कोर्ट में आए और इस याचिका पर केवल एक शब्द कहा- डिसमिस्ड, यानी खारिज।

जज मोगरा ने इस मामले पर 13 अप्रैल को दोनों पक्षों की दलीलें सुनी थीं और फैसला सुरक्षित रख लिया था। अब राहुल हाईकोर्ट में अपील करेंगे। यह केस 2019 में बेंगलुरु में चुनावी रैली के दौरान दिए गए राहुल के बयान से जुड़ा है। राहुल ने रैली में कहा था कि हर चोर का सरनेम मोदी क्यों होता है।

मध्यप्रदेश को अंदर से खोखला कर दिया है बीजेपी ने: कमलनाथ

सागर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा है कि पिछले 18 वर्षों में बीजेपी के शासनकाल में प्रदेश की तस्वीर सबके सामने हैं, बीजेपी ने मध्यप्रदेश को अंदर से खोखला कर दिया है। खोखली अर्थव्यवस्था, खोखली शिक्षा व्यवस्था, खोखली स्वास्थ्य व्यवस्था, खोखली रोजगार व्यवस्था है। भारतीय जनता पार्टी ने मध्यप्रदेश के भविष्य को खोखला कर के रख दिया है आज प्रदेश में हर वर्ग परेशान है।

सागर जिले के बीना में आयोजित प्रेस कान्फ्रेंस में कमलनाथ ने कहा कि हाल ही में ओलावृष्टि हुई थी शिवराज जी ने मुआवजे की बात की थी अब तक किसानों को एक पैसा नहीं मिला। 88 करोड़ का अस्पताल बनाया गया कोरोना के दौरान, मैं पूछना चाहता हूं कि 88 करोड़ के अस्पताल में कितने लोगों का इलाज हुआ? आखिर यह अस्पताल गया कहां? मीडिया के बंधु वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुणोदय चौबे से एक बार पूछे कि अरुणोदय चौबे को क्यों घर बैठना पड़ रहा है किस प्रकार से उन पर दबाव बनाया गया किस प्रकार से केस लादे गए। यह सिर्फ अरुणोदय चौबे की बात नहीं है छोटे से बड़े कांग्रेस कार्यकर्ताओं के ऊपर किस प्रकार से राजनीतिक दबाव बनाया जा रहा है और उन्हें परेशान किया जा रहा है?

कोरोना के एक्टिव केस 65 हजार पार, राजनाथ सिंह संक्रमित

नई दिल्ली। देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कोरोना संक्रमित हो गए हैं। उन्हें गुरुवार को नई दिल्ली में इंडियन एयर फोर्स के कमांडरों के सम्मेलन में भाग लेना था, लेकिन कोरोना पॉजिटिव होने के कारण उन्होंने भाग नहीं लिया। उन्हें माइल्ड सिम्पटम हैं और वे क्वारंटीन हैं। डॉक्टरों की एक टीम ने उनकी जांच की और उन्हें आराम करने की सलाह दी है।

वहीं, देश में बीते हफ्ते यानी 14 अप्रैल से घट रहे कोरोना केस बुधवार को लगातार दूसरे दिन फिर से केस बढ़ गए। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में 12 हजार 591 नए मामले दर्ज किए गए, जबकि 40 लोगों की मौत हो गई। यह इस साल का सबसे ज्यादा कोरोना केस मिलने और मौतों का आंकड़ा है। वहीं एक्टिव केस के आंकड़े बढ़कर 65 हजार 286 हो गए हैं। मंगलवार को एक्टिव केस 63 हजार 562 थे।

सबसे ज्यादा 11 हजार 109 केस 13 अप्रैल को दर्ज किए गए थे। इसके बाद लगातार चार दिन संक्रमण के मामलों में कमी आई थी। 14 अप्रैल को 10 हजार 753, 15 अप्रैल को 10 हजार 93, 16 अप्रैल को 9 हजार 111 और 17 अप्रैल को 7 हजार 633 केस मिले थे। वहीं 18 अप्रैल को 10,542 कोरोना केस मिले थे। 19 अप्रैल को कोरोना केस में 2 हजार का इजाफा हुआ है।

मप्र के 125 आईएएस अफसर अगले माह जाएंगे मिड कैरियर ट्रेनिंग पर

भोपाल। मध्यप्रदेश के 2009 से 2015 बैच के सवा सौ से अधिक आईएएस अधिकारी अगले माह 22 मई से 16 जून के बीच फेज तीन की मिड कैरियर ट्रेनिंग पर जाएंगे। यह प्रशिक्षण लाल बहादुर शास्त्री प्रशासन अकादमी मसूरी में होगा। इसमें एक सप्ताह विदेश दौरा भी कराया जाएगा।

जो मिड कैरियर ट्रेनिंग हो रही है उसमें 2009 से 2012 बैच के अधिकारियों के लिए यह प्रशिक्षण करना जरुरी है। 2013 बैच के अफसरों के लिए यह तीसरा मौका है इसके पहले दो अवसरों पर ये अफसर ट्रेनिंग नहीं कर पाए थे। 2014 बैच के आईएएस अफसरों के लिए यह दूसरा मौका है और 2015 बैच के आईएएस अफसरों के लिए यह पहला मौका है। मिड कैरियर ट्रेनिंग पर जाने वाले मध्यप्रदेश के आईएएस अफसरों में 2009 बैच के तरुण पिथौड़े, अजय गुप्ता, प्रियंका दास, प्रीति मैथिल, तेजस्वी नायक, अमित तोमर, अनुभा श्रीवास्तव, सत्येन्द्र सिंह, मनीष सिंह शामिल है।2010 बैच के अफसरों में तरुण राठी, अभिजीत अग्रवाल, कर्मवीर शर्मा, कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, अनुराग उइके, बसंत कुर्रे, मुजीबुर्रहमान खान, छोटे सिंह, दिनेश श्रीवास्तव, दीपक सक्सेना, आपीएस जादौन शामिल है। इसके अलावा अलग-अलग बैचों के 126 अफसर मिड कैरियर ट्रेनिंग पा जाएंगे। इस प्रशिक्षण के दौरान इन अफसरों को सुशासन लाने के तरीके, प्रबंधन, योजनाओं को मैदानी स्तर पर क्रियान्वयन, राजस्व से जुड़े नियम, कानून प्रक्रियाओं , कानून व्यवस्था से जुड़ी जानकारियां दी जाएंगी। विषय विशेषज्ञ उन्हें इन विषयों को लेकर जानकारी देंगे। इसका उपयोग प्रशिक्षण से लौटने के बाद अफसर अपने कामों में कर सकेंगे।

मुख्तार, हाजी इकबाल और विजय मिश्रा... योगी सरकार ने जारी की टॉप 25 माफिया की सूची

नई दिल्ली। कुख्यातों के आतंक की अलग दुनिया है तो उनसे मुकाबले को खाकी का बड़ा साहस भी। बीते वर्षों में अपराधियों के विरुद्ध शासन के बदले रुख ने पुलिस कार्रवाई के दायरे को बढ़ाया है। माफिया की फेहरिस्त भी बदली है, जिसमें अब 25 नए नाम भी शामिल हैं। इसमें 25 नाम शामिल किए गए हैं, जिसमें विजय मिश्रा, हाजी इकबाल उर्फ बाला, सुनील राठी जैसे कुख्यातों के नामों को शामिल किया गया है।

इसके अलावा योगी सरकार की ओर से जारी की गई सूची में बदन सिंह उर्फ बद्दो व अंबेडकरनगर के अजय सिपाही का नाम भी शामिल है। इस लिस्ट में मुख्तार अंसारी, बृजेश सिंह, त्रिभुवन सिंह उर्फ पवन सिंह, संजीव महेश्वरी उर्फ जीवा, ओमप्रकाश श्रीवास्तव उर्फ बबलू, सुशील, सलीम, रुस्तम, सोहराब व अन्य माफिया के नाम भी शामिल हैं।

योगी सरकार की लिस्ट में कौन-कौन- योगी सरकार की सूची में मेरठ जोन के उधम सिंह, योगेश भदोड़ा, बदन सिंह उर्फ बद्दो, हाजी याकूब कुरैली, शारिक, सुनील राठी, धर्मेंद्र, यशपाल तोमर, अमर पाल उर्फ कालू, अनुज बारखा, विक्रांत, हाजी इकबाल, विनोद शर्मा, सुनील उर्फ मूंछ, संजीव माहेश्वरी, विनय त्यागी, आगरा जोन के अनिल चौधरी, त्रिषि कुमार शर्मा, बरेली जोन के एजाज व कानपुर के अनुपम दुबे का नाम शामिल था। वहीं लखनऊ से खान मुबारक, अजय सिपाही, संजय सिंह सिंघाला, अतुल वर्मा, कासिम, प्रयागराज से डब्बू सिहं, सुधाकर सिंह, गुड्डू सिंह,अनूप सिंह वाराणसी जोन से मुख्तार अंसारी, त्रिभुवन सिंह, विजय मिश्रा, ध्रुव सिंह, अखंड प्रताप सिंह, रमेश सिंह उर्फ काका का नाम शामिल है। गोरखपुर से इस सूची में संजी व द्विवेदी, राकेश यादव, सुधीर कुमार सिंह, विनोद कुमार, राजन तिवारी, रिजवान जहीर, देवेंद्र सिंह, गौतमबुद्ध नगर से सुंदर भाटी, सिंहराज भाटी, अमित कसाना, अनिल भाटी, रणदीप भाटी, मनोज उर्फ आसे, अनिल दुजाना का नाम शामिल है।

सपा ने भी जारी की थी एक सूची- अतीक की हत्या के बाद समाजवादी पार्टी ने योगी सरकार पर जोरदार हमला बोला था। सपा ने भाजपा पर आरोप लगाऐ हुए एक सूची जारी की थी और कहा था कि इसमें ज्यादातर अपराधी भाजपा का समर्थन करते हैं। इस सूची में कुलदीप सिंह सेंगर, धनन्जय सिंह, बृजेश सिंह, राजा भईया, डॉ.उदयभान सिंह, अशोक चंदेल, विनीत सिंह, बृजभूषण सिंह जैसों के नाम शामिल थे। इसके साथ ही सपा ने इन सभी पर दर्ज आपराधिक मुकदमों की भी लिस्ट जारी की थी।

जयवर्धन की मुश्किलें बढ़ीं , हाईकोर्ट ने अपहरण-मारपीट के मामले में बनाया पक्षकार

भोपाल। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के बेटे और राघोगढ़ से कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह की मुश्किलें बढ़ गई हैं। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ ने मारपीट-धमकाने के एक मामले में कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह को पक्षकार बनाया है। मिली जानकारी के मुताबिक, अब इस मामले में सुनवाई 21 अप्रैल को होगी। जयवर्धन अब कानूनी झमेले में फंस गए हैं। मामला साल 2015-16 का है। इसमें विजयपुर के लेबर कांट्रेक्टर का अपहरण किया गया था और उसके साथ मारपीट की गई थी। इसी मामले में अब ग्वालियर खंडपीठ ने कांग्रेस

विधायक जयवर्धन सिंह को पक्षकार बनाया है। आवेदनकर्ता ने मजदूर के अपहरण, मारपीट का आरोप लगाया है। अब इस मामले में सुनवाई 21 अप्रैल को होगी। बता दें कि, पुलिस ने इस मामले में जयवर्धन सिंह को आरोपी नहीं बनाया था जिसके बाद पीड़ित ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। अधिवक्ता का यह भी कहना है कि विधायक जयवर्धन सिंह के कहने पर इन लोगों ने विशंभर लाल अरोड़ा का अपहरण किया ,जानकारी के लिए आपको बता दें कि, साल 2018 में दूसरी बार एमएलए बने जयवर्धन सिंह को कमलनाथ सरकार में नगरीय प्रशासन मंत्री बनाया गया था।

आराध्या की हेल्थ को लेकर वायरल हुई फेक न्यूज, पेरेंट्स ने खटखटाया हाईकोर्ट का दरवाजा, बोले- बेटी के खिलाफ कुछ भी बर्दाश्त नहीं करेंगे

मुम्बई। इन दिनों सोशल मीडिया पर अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय बच्चन की बेटी आराध्या बच्चन को लेकर एक फेक न्यूज जमकर वायरल हो रही है। ये फेक न्यूज आराध्या की लाइफ और हेल्थ को लेकर वायरल हुई है। हालांकि फर्जी खबर वायरल होने के बाद बच्चन परिवार ने आरोपी के खिलाफ एक्शन लिया है। उन्होंने इस मामले को लेकर हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। आराध्या बच्चन की तरफ से दो यूट्यूब चैनल और एक वेबसाइट के खिलाफ याचिका दायर की गई है।

बच्चन परिवार पहुंचा हाई कोर्ट- दरअसल आराध्या के स्वास्थ्य को लेकर कुछ फर्जी जानकारी यूट्यूब टैब्लॉयड चैनल और वेब साइट पर लगातार दिखाई जा रही हैं। बच्चन परिवार का कहना है कि ये बेहद आपत्तिजनक हैं। बेटी के खिलाफ ऐसी खबरें देखकर परिवार खासा गुस्सा हुआ और उन्होंने अब सख्त कदम उठाने का फैसला लिया है। बच्चन फैमिली ने याचिका में कहा कि उनकी बेटी माइनर हैं। उनके खिलाफ ऐसी नेगेटिव खबरें परेशान करती है। आराध्या की याचिका पर 20 अप्रैल को सुनवाई होगी। जस्टिस सी हरिशंकर की एकल जज पीठ इस मामले की सुनवाई करेगी। वहीं बच्चन फैमिली का कहना है कि वह अपनी बेटी आराध्या के खिलाफ एक शब्द भी बर्दाश्त नहीं करेंगे।

संत नगर में 27 करोड़ से बनने वाले फ्लाइओवर निर्माण कार्य का हुआ शुभारंभ

70 वर्षों की मांग हुई पूरी, इस साल नवंबर से पहले मिल जाएगी सुविधा

संत हिरदाराम नगर। 70 वर्षों पुरानी मांग अब पूरी होने जा रही है। संत हिरदाराम नगर फाटक रो? 3 ईएमई सेंटर पर फ्लाइओवर निर्माण कार्य का शुभारम्भ ब्रिगेडियर एस.एस छिल्लर, स्टेशन कमांडर स्टेशन हेड क्वाटर, एसआई लाइन लालघाटी भोपाल एवं क्षेत्रीय विधायक रामेश्वर शर्मा की मुख्य उपस्थिति में किया गया। 27 करो? की लागत से इस फ्लाइओवर का निर्माण किया जाएगा। इससे 5 लाख आबादी को फायदा होगा और 3 ईएमई सेंटर आर्मी के लिए भी यह फ्लाइओवर बनना बहुत जरूरी हो गया था। विधायक रामेश्वर शर्मा ने बताया कि 12 मीटर चै? इस फ्लाइओवर में कुल 25 पीलरों का निर्माण कराया जाएगा। यह निर्माण नवम्बर 2023 से पहले पूरा कर लिया जाएगा। जिसके बाद जनता को काफी सुविधा हो जाएगी। शुभारंभ कार्यक्रम में कर्नल नारायण पारवानी, नवयुवक सभा के अध्यक्ष शिक्षाविद् विष्णु गेहानी, पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष साबुमल रिझवानी मुख्य रूप से उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि फ्लाइओवर के लिए पिछले माह मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान ने भूमिपूजन किया था। लोक निर्माण विभाग ने इस मार्ग पर निर्माण कार्य को देखते हुए एक माह के लिए मार्ग बंद कर दिया है। वाहन चालकों को कुछ समय तक परेशानी होगी।

मां कंकाली धाम में पहुंचकर पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी न किए दर्शन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

विगत दिनों 15 अप्रैल की रात्रि को माँ कंकाली मंदिर में चोरी का प्रयास कर रहे चार लोगों ने पुजारियों पर प्राणघातक हमला कर उन्हें घायल कर दिया था, वरिष्ठ कांग्रेस नेता पचौरी ने मंदिर में घटी इस घटना पर रोष व्यक्त किया, और कहा कि मध्य प्रदेश मे कही भी देव स्थान सुरक्षित नहीं है। मंदिर पुजारियों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा हेतु उन्होंने तत्काल रायसेन जिला कलेक्टर एवं एसपी से बात कर पुलिस चौकी बनाने की बात कही।

इस मौके पर मप्र कांग्रेस लौह एवं काष्ठ कला प्रकोष्ठ के अध्यक्ष व पूर्व जिला पंचायत सदस्य विष्णु विश्वकर्मा, उदयपुरा विधायक देवेंद्र पटेल, पूर्व पार्षद मनीष यादव क्षेत्रीय ग्रामीण जन और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

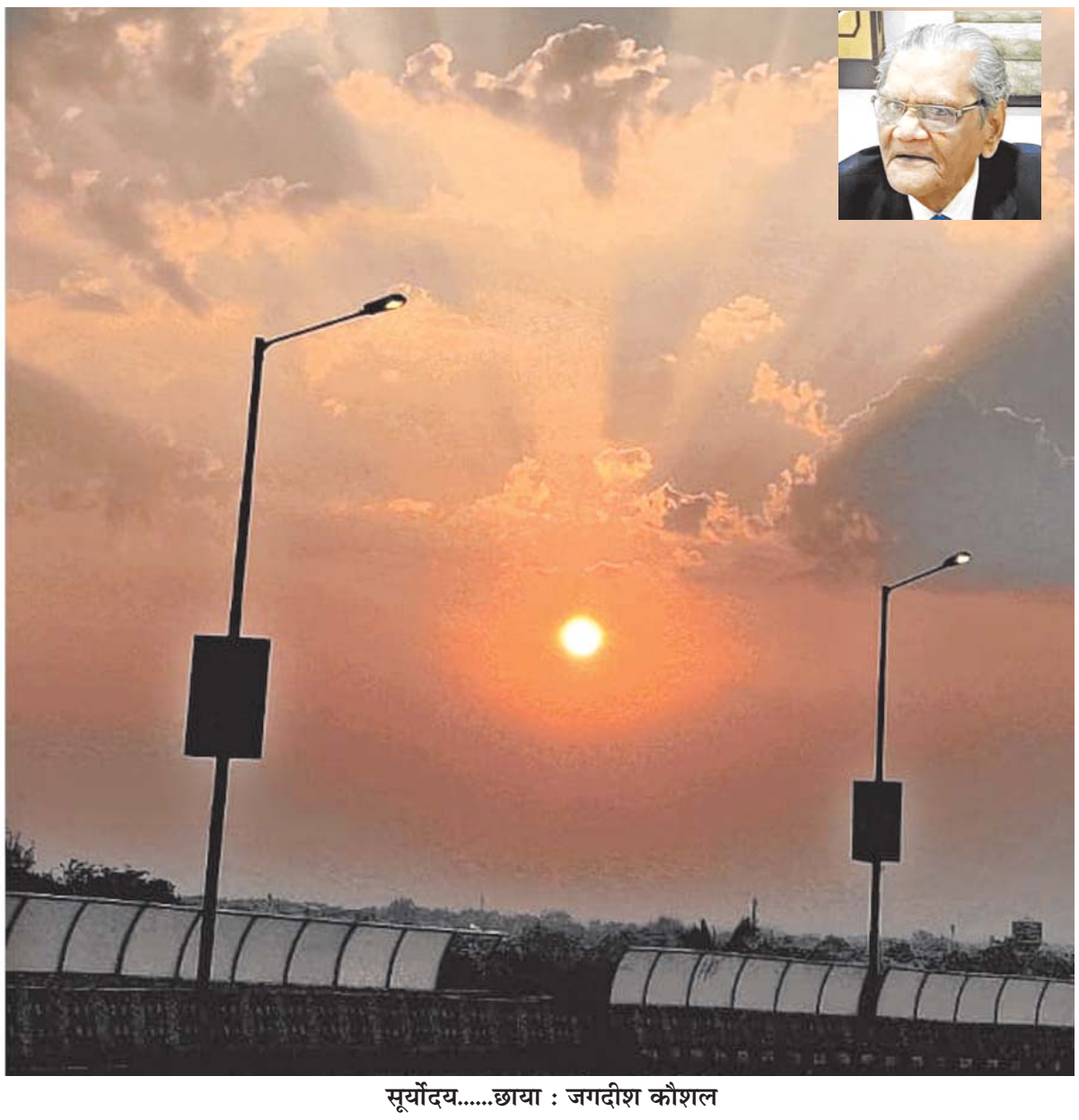

सूर्योदय.....छाया : जगदीश कौशल

साधु वासवानी स्कूल में पक्षियों को दाना-पानी देने हेतु जागरुकता सत्र का आयोजन

पशु-पक्षियों को दाना-पानी देने से घर में सुख समृद्धि आती है: सिद्ध भाऊ

संत हिरदाराम नगर। सुधार सभा द्वारा संचालित साधु वासवानी स्कूल के नंदवानी आडिटोरियम में विद्यार्थियों को पशु-पक्षियों को दाना पानी देने हेतु जागरुकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सिद्व भाऊ ने विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को अन्न के पात्र व अनाज वितरित किए। नन्हे-मुन्हें बच्चें मूक पशु-पक्षी बनें जिनकी सिद्व भाऊ ने सराहना की। कार्यक्रम में शिक्षाविद् विष्णु गेहानी सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं भी मौजूद थी।

संत सिद्ध भाऊ ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अपने उद्बोधन में बताया कि जिस घर में पक्षीयों को दाना-पानी नियमित रूप से दिया जाता है उस घर में कभी कोई बीमारी नही आती और ना ही किसी वस्तु की कमी रहती है पक्षियों को दाना-पानी देने से भगवान खुश होते है और भगवान को लगता है कि मेरी निर्बल सन्तान की मेरी सबल सन्तान ने रक्षा की है साथ ही पक्षियों को दाना-पानी देने से हमारे मन में पक्षियों के प्रति दया, करुणा पैदा होती हैं और हमारे अंदर सात्विक प्रवृत्ति आती है। आगे उन्होंने कहा कि माता-पिता के आशीर्वाद में ब?ी शक्ति होती है जिनके माता-पिता होते हैं वह सौभाग्यशाली होते हैं अपने जीवन में सुखी रहना है आगे ब?ना है तो अपने माता-पिता का कहना मानना चाहिए, माता-पिता अपने बच्चों के लिए कुर्बानियां देते है इसलिए हमारा भी दायित्व बनता है कि हम भी उनकी सेवा करें।

भोपाल । आज महापौर कार्यालय आई एस बी टी स्थित स्वास्थ्य विभागीय समीक्षा बैठक मैं एडीसी एमपी सिंह एवं सभी ए एच ओ उपस्थित रहे। साथ ही 5 नंबर स्टॉप स्थित नगर निगम द्वारा संचालित पुस्तकालय (लाइब्रेरी) का निरीक्षण किया।

भोपाल मेट्रो ग्रुप की मनोरंजक प्रस्तुति

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

रंगरगीला होली उत्सव! प्रकृति की अनुपम छटा से तेज गरमी का अचानक मनमोहक बादलों से वातावरण में परिवर्तन और डांस, मस्ती फूलों की बरसात के बीच छप-छपाछप पूल की निर्मल शीतलता में जलक्रीड़ा का परम आनन्द! वाह मेट्रो ग्रुप परिवार वाह.. ऐसा अवसर था बुधवार को मेट्रो परिवार के उदार व समर्पित सदस्य दम्पत्ति श्रीयुत विभोर-गरिमा की ओर से प्रायोजित नवनिर्मित स्थल सुन्दर शुभशालीन रिसॉर्ट्स एवं मैरिज गार्डन में.. जहाँ मेट्रो परिवार के लगभग 80 सदस्य परिवार उपस्थित थे जिनकी उपस्थिति में आज सम्पन्न होली मिलन- फागोत्सव समारोह का शुभारंभ श्रीमती अर्चना जैन के मंच संचालन में श्रीमती श्रुति और समीक्षा जैन के मंगलाचरण से हुआ, तत्पश्चात तत्कालीन अध्यक्ष अजयराज जैन ने अपनी अध्यक्षीय कार्यकाल की टीम के पदाधिकारियों को सहयोग भावना से किये गए कार्य के लिये स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

भोपाल मेट्रो ग्रुप की मनोरंजक व शानदार गतिविधियों का परिणाम देखने को मिला जब अनवरत नवसदस्यता की श्रृंखला में आज भी 11 दम्पत्तियां मनोज-ज्योति सिंघई, अविरल-प्राची जैन, विशु-सुप्रिया समैया, विकास-निधि जैन, एकांत-श्वेता जैन, स्मित-मोनिका जैन, डॉ. आशीष-डॉ. राजी जैन, मुकेश-प्राची जैन, हिमांशु-सोनम नाहर रोहित -निधी जैन एवं गौरव -अचल जैन ने मेट्रो की सदस्यता ग्रहण की एवं अध्यक्ष संजीव जैन ने सभी को स्मृति चिन्ह भेंट की

इस अवसर पर स्थल पर बनाये सेल्फी पॉइंट पर सभी सदस्य जबरदस्त bus 4 रहे और यादगार के लिये फोटो शूट करते रहे साथ ही पधारे अन्य महानुभावों ने इस ग्रुप की सिस्टेमेटिक व ऊर्जावान कार्यप्रणाली को जमकर सराहा और भूरि-भूरि प्रशंसा की।

इसी श्रृंखला में अध्यक्ष संजीव-संजना ने विभोर तारण व उनके माता-पिता सहित सम्पूर्ण परिवार को यह गरिमामयी स्थल शुभ शालीन उपलब्ध कराने व स्नेह के लिये धन्यवाद सहित अन्य सभी का आभार व्यक्त कर भोजन हेतु आमंत्रित कर मंचीय कार्यक्रम का समापन किया।

भोपाल में किया कार का इलेक्ट्रिक व्हीकल ईवी 6 लांच

भोपाल। प्रसिद्ध निर्माता कंपनी किया द्वारा आज राजधानी भोपाल में आज अपना इलेक्ट्रिक व्हीकल इन 6 लॉन्च किया जेके रोड स्थित किया के शोरूम पर एक भव्य शुभारंभ कार्यक्रम में मध्य प्रदेश शासन के मंत्री विश्वास सारंग द्वारा इलेक्ट्रिक व्हीकल लॉन्च किया गया किया कंपनी भोपाल डीलर तुलसी नेनवानी ने बताया कि पर्यावरण को देखते हुए किया कंपनी द्वारा यह इलेक्ट्रिक व्हीकल लॉन्च किया गया है इस इलेक्ट्रिक व्हीकल एक बार चार्जिंग पर 750 किलोमीटर का

भागवत कथा में श्रद्धालुओं को बांटे पंछियों के पानी हेतु सकोरे

भोपाल। बीडीए कॉलोनी गोतम नगर शिव मंदिर के तत्वधान में संगीतमय भागवत कथा के चतुर्थ दिवस पर कथा का वाचन पंडित भगवती प्रसाद दुबे ने श्री कृष्ण जन्मोत्सव प्रसंग सुनाया जिससे श्रद्धालु गण भाव विभोर हो नृत्य करने लगे इस अवसर पर पंडित श्याम दास बैरागी,यजमान धीरज यादव, एमआईसी सदस्य और स्थानीय पार्षद मनोज राठौर, पृथ्वीराज चौहान के साथ वरिष्ठ उपाध्यक्ष भगवानदास ढालिया ने कथा श्रवण कर रहे श्रद्धालुओं को भीषण गर्मी में पंछियों हितार्थ शीतल जल हेतु सकोरे और दाना भेंट कर उपयुक्त स्थान पर रखने का आवाहन किया इस अवसर पर खुशी लाल गुप्ता,भानु सिसोदिया, शैलेंद्र रायकवार, ऋषभ गुप्ता, सहित भारी संख्या में मातृशक्ति और क्षेत्रवासी आदि उपस्थित थे।

आशा-उषा कार्यकर्ता महिला संगठन ने किया राजधानी में धरना प्रदर्शन

भोपाल। आशा उषा कार्यकर्ता महिला संगठन मध्य प्रदेश द्वारा आज अपनी मांगों को लेकर राजधानी के नीलम पार्क में धरना प्रदर्शन किया गया आशा कार्यकर्ता महिला संगठन मध्य प्रदेश की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती नर्मदा ठाकरे ने बताया कि आशा कार्यकर्ता है केवल 2000 मासिक इंसेंटिव पर काम कर रही हैं जबकि आंध्र प्रदेश में राज सरकार 8000 मिलाकर आशा कार्यकर्ताओं को अतिरिक्त वेतन दे रही है श्रीमती निर्मला ठाकरे ने मांग की कि आशा कार्यकर्ता को न्याय पूर्वक दर्शन के मासिक वेतन 10000 राज्य कर्मचारी का दर्जा दिया जाए श्रीमती विमला ठाकरे ने बताया कि विगत 14 मार्च से आशा कार्यकर्ताओं द्वारा अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी है लेकिन शासन द्वारा इस दिशा में कोई ठोस निर्णय नहीं लिया जा रहा है जो कि बेहद अन्याय पूर्ण है निर्मला ठाकरे ने कहा कि जब तक मांग पूरी नहीं हो जाती है तब तक अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रहेगी जिसकी समस्त जवाबदारी शासन प्रशासन की होगी।

कांग्रेस नेता अनिल शास्त्री के साथ कायस्थ समाज बंधुओं ने की बैठक

भोपाल। देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री के सुपुत्र एवं केंद्रीय मंत्री रहे अनिल शास्त्री के भोपाल आगमन के अवसर पर कायस्थ समाज बंधुओं द्वारा एक बैठक का आयोजन भोपाल स्थित होटल लेक व्यू अशोका पर किया गया। कांग्रेस के एक्स आर्मी मैन प्रकोष्ठ के अध्यक्ष प्रदेश अध्यक्ष एवं वर्दी संस्था के प्रमुख मेजर जनरल रिटायर्ड श्याम श्रीवास्तव ने बताया कि अनिल शास्त्री के भोपाल आगमन पर कायस्थ बंधुओं द्वारा इस बैठक का आयोजन किया गया इसमें समाज के प्रबुद्ध वर्ग एवं एक्स आर्मी मैन के पदाधिकारी भी सम्मिलित हुए इस अवसर पर देश के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई एक्स आर्मी मैन की समस्याओं का भी मंथन किया गया।

राजनीति जिनका पेशा, लक्ष्य होगा उनका पैसा

सरयूसुत मिश्र

एमपी कांग्रेस के बुद्धिजीवी नेता सीनियर एडवोकेट विवेक तन्खा द्वारा कांग्रेस के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार कमलनाथ के पास धन-संपत्ति होने को उनकी सीएम उम्मीदवार के लिए सबसे बड़ी योग्यता बताई है. विवेक तन्खा ने कहा कि कमलनाथ के पास धन-संपत्ति है, हवाई जहाज है और वे सभी संसाधन हैं जो राजनीति के लिए जरूरी होते हैं. इसलिए उनका मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार होना कांग्रेस की जरूरत है.

इस वक्तव्य पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सवाल उठाया कि क्या आज अकूत धन-दौलत ही नेता होने का पैमाना हो गया है? सीएम शिवराज ने कहा कि लोकतंत्र में लीडर के यह मापदंड नहीं हो सकते. सीएम शिवराज के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कमलनाथ कहते हैं कि सीएम खुद बताएं मेरे पास कौन सी कंपनी या व्यापार है? वहीं कमलनाथ ने कहा कि वह किसी उद्योग, किसी कंपनी या व्यापार के मालिक नहीं है.

राज्य के भाग्य विधाता राजनेताओं के धन-दौलत पर उत्पन्न राजनीतिक विवाद के बाद इस सवाल का उत्तर जानने के लिए कि कांग्रेस के सीएम उम्मीदवार कमलनाथ का प्रोफेशन क्या है, उनके द्वारा 2019 में उपचुनाव के समय दिए गए शपथ पत्र का अध्ययन करने की जिज्ञासा हुई. इलेक्शन कमीशन के पोर्टल पर जब शपथ पत्र देखने को मिला तब यह जानकर आंखें खुली की खुली रह गईं कि कमलनाथ ने अपना सेल्फ प्रोफेशन पॉलिटिक्स बताया है. मन में यह सवाल पैदा हुआ कि राजनीति सेवा है या प्रोफेशन है?

सामान्य रूप से राजनीति को सेवा के रूप में ही माना जाता रहा है. यह अलग बात है कि अब राजनीति से सेवा का सूत्र विलोपित सा होता दिखाई पड़ रहा है. आज भी पब्लिक पॉलिटिक्स को सर्विस के रूप में ही देख रही है. सवाल यह है कि जो राजनेता राजनीति में सफलता के उदाहरण बने हुए हैं वे राजनीति को सेवा मानते हैं या नहीं मानते हैं. एमपी कांग्रेस के सीएम उम्मीदवार कमलनाथ के शपथ पत्र पर अगर भरोसा किया जाए तो पॉलिटिक्स उनका प्रोफेशन है. प्रोफेशन मतलब जीवन यापन और रोजी-रोटी के लिए कमाई का जरिया.

जब राजनेता स्वयं पॉलिटिक्स को प्रोफेशन मानने लगेगा तो राजनीति पेशा बन जाएगी. ऐसे में तो बाकी पेशे की तरह ही इस पेशे का लक्ष्य भी निश्चित रूप से पैसा ही होगा. राजनीति में करप्शन के मामले जिस तरह से उजागर हो रहे हैं उससे भी ऐसा ही लगता है कि राजनीति का लक्ष्य सेवा नहीं बल्कि कमाई हो गया है. इसलिए राजनेता अगर इसे अपना प्रोफेशन बता रहे हैं तो अवचेतन मन से ही सही सच्चाई अपने आप सामने आ रही है.

मध्यप्रदेश में कमलनाथ को जब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में कमान सौंपी गई थी तब से ही यह अवधारणा बनी हुई है कि उनकी धन-दौलत और पार्टी के लिए मनी मैनेजमेंट ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है. विवेक तन्खा असाधारण किस्म के बुद्धिजीवी और वरिष्ठ जननेता हैं. उनकी टिप्पणी बहुत मायने रखती है.

जब कमलनाथ स्वयं यह कह रहे हैं कि उनके पास ना कोई उद्योग है ना कोई व्यापार है तो फिर शपथ पत्र में उन्होंने जो भी संपत्ति बताई है उसे प्राप्त करने का जरिया क्या हो सकता है? सांसद और विधायक के रुप में मिलने वेतन से तो इतनी संपत्ति नहीं एकत्रित हो सकती. किसी भी व्यक्ति की संपत्ति का जरिया उसका प्रोफेशन ही माना जाता है तो निश्चित रूप से जिसका जो प्रोफेशन होगा वही उसकी कमाई का जरिया होगा.

इस विवाद से एक और प्रश्न उत्पन्न हो रहा है कि काला धन तो अपराध माना जाता है लेकिन सफेद धन राजनीति में लाभ का पद दिलाता है. सीएम उम्मीदवार की योग्यता का पैमाना धन-संपत्ति, हवाई जहाज और हेलीकॉप्टर होने लगेंगे तो फिर लोकतंत्र को धनतंत्र बनने से कैसे रोका जा सकता है? यदि कमलनाथ के पास कोई उद्योग-व्यापार नहीं है तो फिर निजी हवाई जहाज, हेलीकॉप्टर पर उनकी यात्राओं का खर्च कहां से आता है? जब वे राज्य के मुख्यमंत्री हुआ करते थे तब भी सरकारी हवाई जहाज खराब होने की स्थिति में उनके द्वारा निजी हवाई जहाज का ही उपयोग किया जाता था. इस बारे में कई बार उनके द्वारा बयान भी दिए गए थे कि वह सरकारी विमान में नहीं बल्कि निजी विमान में यात्राएं करते हैं.

राजनेताओं के सामने उनका प्रोफेशन बताने में बड़ी कठिनाई आ रही है. राजनेताओं के चुनाव में दिए गए शपथ पत्रों का अध्ययन किया गया, तब पाया गया कि अधिकांश नेताओं ने अपने आय के स्रोतों को ही प्रोफेशन के रूप में अंकित किया है. सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने अपने शपथ पत्र में मेंबर ऑफ पार्लियामेंट को प्रोफेशन के रूप में अंकित किया है. मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रोफेशन के कॉलम में एग्रीकल्चर और हॉर्टिकल्चर के साथ ही आय के अन्य स्रोतों का उल्लेख किया है. किसी भी व्यक्ति के आय के स्रोतों को सामान्य रूप से प्रोफेशन के रूप में ही माना जाता है. लेकिन राजनीति से आय इसमें कैसे शामिल हो सकती है?

एक आम कहावत है. उत्तम खेती मध्यम बान अधम चाकरी, भीख निदान

इसका मतलब है कि सर्वश्रेष्ठ व्यवसाय खेती किसानी है. मध्यम कोटि का व्यवसाय वाणिज्य व्यापार है. नौकरी अधम है किंतु भीख मांगना सबसे निचले कोटि का है. समाज में सामान्यत: नौकरी और व्यापार दो ही प्रोफेशन में सब कुछ समाहित होता है. निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को भी कार्यपालिका के पदों पर लोकसेवक के रूप में माना जाता है. सभी शासकीय सेवक लोकसेवक ही होते हैं. संसद और विधानसभा के सदस्य भी वेतन और पेंशन प्राप्त करते हैं लेकिन उन्हें यह सुविधाएं विधायिका से प्राप्त होती हैं. इसलिए उन्हें पब्लिक रिप्रिसेंटेटिव माना जाता है. पब्लिक सर्वेंट के रूप में केवल उन्हीं जनप्रतिनिधियों को माना जाता है जो कार्यपालिका में संवैधानिक पदों पर काम करते हैं.

यह बहुत बुनियादी सवाल है कि राजनीति के क्षेत्र में काम करने वाले लोगों का प्रोफेशन क्या माना जाएगा? निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को निश्चित ही वेतन और भत्ते विधायिका से प्राप्त होते हैं इसलिए उनके द्वारा निर्वहन दायित्व के लिए उन्हें जनधन से भुगतान प्राप्त होता है. क्या इसे भी नौकरी के प्रोफेशन के रूप में ही देखा जाएगा? क्या राजनीति को सेवा की बजाय एक कैरियर के रूप में देखा जाएगा?

देश में लोकतंत्र स्थापित करने के लिए महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह और डॉक्टर अंबेडकर जैसे महान नेताओं ने बलिदान क्या यह सोच कर दिया था कि जो व्यवस्था उनके द्वारा कायम की जा रही है उसके रहनुमा उसे प्रोफेशन के रूप में लेकर उसे आय का जरिया मानने लगेंगे? अगर यह दृष्टिकोण लोकतंत्र स्थापित करने के लिए बलिदान होने वाले महान नेताओं का होता तो शायद वर्तमान की परिस्थितियां निर्मित नहीं हो पाती.

राजनीति को सेवा का जरिया माना जाना चाहिए. इसके लिए नए सिरे से विधान और प्रक्रियाओं का निर्धारण किया जाना चाहिए. जनसेवा के कार्यों में बिना भागीदारी के राजनीति में किसी को भी अवसर नहीं मिलना चाहिए. राजनीति में आने के लिए पूर्व निर्धारित योग्यता होनी चाहिए. शैक्षणिक योग्यता भी अनिवार्यता के साथ निर्धारित की जानी चाहिए. राजनीति में आ रही गिरावट और इस क्षेत्र को कमाई का जरिया बनाने की मनोवृति को रोकना जरूरी है.

राजनीति में बुद्धिजीवी आने से पीछे शायद इसलिए हट रहे हैं क्योंकि इस क्षेत्र में वर्तमान हालात अच्छे नहीं हैं. जहां धन-दौलत, नेता और पद पाने का आधार हो, वहां कोई लोकतांत्रिक आचार विचार और सोच का व्यक्ति राजनीति में जाने के लिए कैसे सोच सकता है? राजनीतिक क्षेत्र में शायद परिवारवाद इसीलिए पनप रहा है कि नए लोग अपना करियर दूसरे क्षेत्रों में बनाना ज्यादा पसंद करते हैं. राजनीति को बुद्धिजीवी वर्ग में डर्टी फील्ड के रूप में देखने की प्रवत्ति क्यों बढ़ी है?

राजनीति में धन दौलत के उपयोग और इसे प्रोफेशन के रूप में लेने की बढ़ती प्रवृत्ति लोकतंत्र को नुकसान पहुंचा रही है. जनता के लिए, जनता द्वारा और जनता की लोकतांत्रिक व्यवस्था अब धन के लिए, धन के द्वारा और धन की व्यवस्था के रूप में क्यों स्थापित होती जा रही है? राजनेताओं द्वारा चुनावी शपथ पत्रों में प्रोफेशन के रूप में पॉलिटिक्स का लिखा जाना उस सोच को प्रदर्शित कर रहा है जिसमें प्रोफेशन और कमाई का संबंध है.

राजनीति में भ्रष्टाचार आज सबसे बड़ा मुद्दा बना हुआ है. जब प्रोफेशन ही राजनीति को मान लिया गया है तो फिर भ्रष्टाचार की प्रवृत्ति को कैसे रोका जा सकता है? राजनीति सेवा के रूप में फिर से कैसे स्थापित हो इस दिशा में पब्लिक के साथ ही राजनेताओं को भी मनोवृति में बदलाव करना होगा. राजनीति में सेवा को ही विचार और आचार बनाने की जरूरत है.

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने श्यामला हिल्स स्थित उद्यान में पीपल , नीम और कचनार के पौधे लगाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ भारतीय सेन समाज तथा साई सरिता स्मृति संस्थान के प्रतिनिधियों ने पौधरोपण किया।

दुष्कर्म करके हत्या करने वाले आरोपी को आजीवन कारावास

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

नाबालिक बच्चियों के साथ ऐसे दुष्कर्म करना बेहद निंदनीय है। भारतीय कानून भी ऐसे अपराधों के लिए कठोर सजा प्रदान करता है। विशेष न्यायालय के फैसले से अभिषेक जाट को भादवि के धारा 302, 201, 376 और पॉक्सो एक्ट की धारा 5/6 में दोषी सिद्ध किया गया है। उन्हें धारा 302 भादवि में आजीवन कारावास, धारा 5/6 पॉक्सो एक्ट में 20 वर्ष का सश्रम कारावास और धनराशि के रूप में 10,000 रुपये का जुर्माना दिया गया है। इसके साथ ही उन्हें धारा 201 भादवि में 5 वर्ष का सश्रम कारावास और 2000 रुपये का जुर्माना भी सुनाया गया है।यह सुनिश्चित करने के लिए कि इस तरह के अपराध फिर से न हों, हमें एक सकारात्मक समाज के लिए सबसे अधिक एकजुट होकर काम करना चाहिए। हमें नाबालिक बच्चियों के साथ सामाजिक सुरक्षा नेटवर्क को मजबूत करने की आवश्यकता है, ताकि उन्हें सुरक्षित रखा जा सके।

थाना गौतम नगर में 11 सितंबर 2019 को सूचना मिली कि रेशम केन्द्र गोल के पास पानी के गड्ढे मे एक व्यक्ति का शव पडा है पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर जॉच की गई जॉच में पाया कि महिला का शव है जिसकी पहचान अभियोक्त्री 16 वर्ष निवासी निशातपुरा के रूप में की गई। मृतिका के दायी ऑखे के उपर एवं बायी के नीचे गहरी चोट के निशान थे तथा गले में भी घाव था किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा धारधार हथियार से मार कर साक्ष्य को छुपाने के उद्देश्य से शव को पानी में फेंका गया था।

6 माह निरंतर योग प्रशिक्षण के पूरे होने पर योग गुरु का सम्मान किया गया

परिवार, समाज, देश और प्रकृति के लिए काम करने कर रहे प्रेरित: महेश अग्रवाल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

वर्ष 2010 से लगातार स्वर्ण जयंती पार्क में नियमित नि:शुल्क योग प्रशिक्षण के साथ भोपाल शहर की कॉलोनीयों में भी नियमित नि:शुल्क योग प्रशिक्षण देने का प्रयास जारी है उसके अंतर्गत वर्तमान में इंडस गार्डन फेज एक कॉलोनी में 15 अक्टूबर से रोज शाम को योग प्रशिक्षण दिया जा रहा है, कोई अवकाश नहीं रहता है, 6 माह निरंतर योग प्रशिक्षण देने पर इंडस गार्डन के सम्मानीय योग साधकों द्वारा योग गुरु महेश अग्रवाल का सम्मान किया गया सभी साधकों ने अपने नियमित अभ्यास से शारीरिक मानसिक भावनात्मक रुप से क्या परिवर्तन हुए उसके बारे में बताया एवं संकल्प लिया इसी प्रकार योग अभ्यास में निरंतरता बनायें रखेंगे।

इस अवसर पर प्रमुख रुप से इस अवसर पर प्रमुख रूप से कालोनी अध्यक्ष रमन श्रीवास्तव, वरिष्ठ योग गुरु पुष्पा भदौरिया , रमेश कुमार साहू, कृष्णा तिवारी, संध्या माथुर, सविता गुप्ता, विमला साहू, मनीषा श्रीवास्तव, अर्चना श्रीवास्तव, किरण जौहरी,अरुण बापट , गौरी बापट ,सुनीता जैन , के पी तिवारी , उर्मिला सिंह, दीप्ती दूरवार, प्रीति सेठ, मंजू श्रीवास्तव, निशा सिंघई, ज्योति खरे, प्रदीप खरे, ज्योति परिहार, सुनीता तेजवानी, आरती नायक , नमिता कुमार, उषा सक्सेना, चन्द्रकांता शर्मा, स्नेहलता देशमुख, डी के देशमुख, सभी नियमित योग साधक एवं कॉलोनी के सम्मानीय रहवासी एवं बच्चें उपस्थित रहे।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव में अखिल भारतीय कांग्रेस द्वारा बेंगलुरु में आयोजित बैठक में सभी एआईसीसी प्रभारियों को विधानसभा की जिम्मेदारी दी गई। बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष कांग्रेस मलिकार्जुन, संगठन प्रभारी वेणु गोपाल, कर्नाटक प्रदेश प्रभारी रणदीप सुरजेवाला और पूर्व मंत्री विधायक जीतू पटवारी के नेतृत्व मे हुई।

खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई जारी, ठेले और दुकानों की जांच की

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

ग्रीष्म काल में मुख्य मार्गों पर जलजीरा, नींबूपानी, फ्लेवर्ड सोड़ा की दुकानों की बढ़ती संख्या के दृष्टिगत कलेक्टर भोपाल श्री आशीष सिंह के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग द्वारा 31 स्टॉलस् का निरीक्षण किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के द्वारा जलजीरा, आमरस, फ्लेवर्ड सोडा, गन्ना जूस आदि के कुल 10 नमूने एकत्र किये गये ।

एम.पी नगर स्थित जय मां कालका जूस सेंटर से आमरस तथा गन्ने का जूस, भोपाली जूस सेंटर से आमरस, साहूजी जूस से मेंगोशेक, न्यू मार्केट स्थित न्यू सुपर स्ट्रांग सोडा से ऑरेंज सोडा, राज झमाझम सोडा से काला खट्टा मयूर पार्क के सामने, 1250 स्थित जेथू नीबू सोड़ा से जलजीरा, सल्लू सोड़ा से ऑरेंज सोड़ा तथा आई. एस. बी. टी. स्थित मेहरा कोल्डड्रिंक से जलजीरा के नमूने लिये गये हैं । साथ ही शिकायत प्राप्त होने पर गौहर महल, इकबाल मैदान स्थित खाद्य प्रतिष्ठान से पनीर ग्रेवी तथा चायपत्ती के नमूने एकत्र किये गये । नमूनों को परीक्षण हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल प्रेषित किया जायेगा ।

बर्फ की बढ़ती मांग को दृष्टिगत रखते हुये अभिहित अधिकारी श्री देवेन्द्र कुमार वर्मा के द्वारा खाने योग्य बर्फ के निर्माताओं को खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 में वर्णित स्वच्छता के समस्त प्रावधानों का पालन करते हुये बर्फ का निर्माण करने के निर्देश दिये हैं । अखाद्य बर्फ में नीला रंग मिलाने संबंधी एफ.एस.एस.आई के आदेश का पालन किया जाना है जिससे उपयोगकर्ताओं को खाद्य तथा अखाद्य बर्फ में अंतर करना आसान हो सके। इस हेतु आमजन से बर्फ का रंग देखकर खरीदने की अपील की गई है। बर्फ के निर्माण एवं विक्रय में खाद्य सुरक्षा के प्रावधानों का उल्लंघन करने वाले खाद्य कारोबार कर्ताओं के विरूद्ध खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 की सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत प्रकरण सक्षम न्यायालयों में दर्ज किया जायेगा।

खाद्य लाइसेंस,रजिस्ट्रेशन लेना कानूनन अनिवाय: खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 नियम एवं विनियम 2011 के अंतर्गत समस्त प्रकार के छोटे-बड़े खाद्य कारोबार कर्ताओं को खाद्य लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन लेना कानूनन अनिवार्य है। बिना लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन के खाद्य कारोबार करने पर 6 माह की सजा एवं अधिकतम 2 लाख रूपये तक जुर्माने का प्रावधान है।

खाद्य कारोबारकर्ता किराना, होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा, एजेन्सी, फल-सब्जी विक्रेता, पानी पुरी, चाट, पोहा, समोसा ठेला वाले, पान, गुमटी, पान मसाला विक्रेता, ट्रांसपोर्ट, जूस सेन्टर, आइस्क्रीम, नमकीन, कन्फेक्शनरी एवं बेकरी, मध्यान्ह भोजन बनाने वाले समूह, शासकीय राशन दुकानें, शादी पार्टी में भोजन बनाने वाले केटर्स एवं हलवाई, टिफिन सेन्टर, अंडा, मटन, वेयर हाऊस, स्लॉटर हाऊस पशु वध शाला आदि सभी को लायसेंस रजिस्ट्रेशन लेना अनिवार्य है।

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एम्स में चिकित्सा शिक्षा प्रौद्योगिकी पर कार्यशाला आयोजित

एम्स द्वारा 17 से 19 अप्रैल तक चिकित्सा शिक्षा प्रौद्योगिकी पर दूसरी कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला एम्स भोपाल के संकाय सदस्यों को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से संचालित संकाय विकास कार्यक्रम का हिस्सा है।

सतत रूप से आयोजित दो कार्यशालाओं में एम्स भोपाल के 75 संकाय सदस्यों ने भाग लिया, सभी प्रतिभागियों को चिकित्सा शिक्षा में उपयोगी नवीनतम तकनीकों और उपकरणों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यशाला का आयोजन एम्स भोपाल के चिकित्सा शिक्षा तकनीक केंद्र द्वारा किया गया। कार्यशाला के दौरान चिकित्सा शिक्षा तकनीक में दक्षता, अधिगम के विभिन्न तरीकों और मूल्यांकन तथा प्रतिक्रिया की उपयोगिता पर प्रशिक्षण प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस कार्यशाला के माध्यम से संकाय सदस्यों के शिक्षण कौशल में वृद्धि होगी एवं यह एम्स भोपाल के शिक्षा मानकों के उन्नयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

संस्थान के चिकित्सा शिक्षा तकनीक केंद्र द्वारा संकाय विकास के लिए वर्षभर आयोजित किये जाने वाले 12-15 कार्यक्रमों का एक कैलेंडर बनाया गया है । यह पहल संकाय सदस्यों की शिक्षण पद्धतियों का संवर्धन कर और उन्हें आधुनिक चिकित्सा शिक्षा की चुनौतियों का सामना करने हेतु तैयार करने के लिए नवीनतम ज्ञान और कौशल प्रदान करने में सहायक होगी। चिकित्सा शिक्षा प्रौद्योगिकी पर कार्यशाला संस्थान के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करने में एम्स भोपाल के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। 19 अप्रैल को आयोजित समापन समारोह के साथ इस कार्यशाला का समापन हुआ, जिसमें एम्स भोपाल के निदेशक प्रोफेसर (डॉ) अजय सिंह और संकाय सदस्यों के मध्य एक परिचर्चा सत्र का आयोजन भी शामिल था। डॉ. सिंह ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में संकाय सदस्यों की भागीदारी की सराहना की और उन्हें भविष्य के संकाय विकास कार्यक्रमों के लिए अपने सुझाव देने के लिए प्रोत्साहित किया ।

नर्सिंग कॉलेज ने स्थापना दिवस मनाया

नर्सिंग कॉलेज एम्स भोपाल ने 19 अप्रैल 2023 को स्थापना दिवस मनाया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक और सीईओ प्रोफेसर (डॉ) अजय सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर दीप प्रज्ज्वलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें नर्सिंग संकाय सदस्यों द्वारा नर्सिंग में अपना कैरियर शुरू कर रहे बी.एससी (ऑनर्स) नर्सिंग प्रथम वर्ष की छात्राओं को औपचारिक दीप सौंपा गया। अपने उद्घाटन भाषण में प्रोफेसर (डॉ) अजय सिंह ने इस अवसर के महत्व और गंभीरता पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को हमेशा इस पेशे की गरिमा और महानता को बनाए रखने की सलाह दी। इस अवसर पर प्रो अजय सिंह ने नर्सिंग कॉलेज में प्रेरणा आर्ट गैलरी का उद्घाटन किया, जिसमें नर्सिंग छात्राओं और संकाय सदस्यों द्वारा महिला सशक्तिकरण विषय पर चित्रों को प्रदर्शित किया गया है। कार्यक्रम के दौरान प्रोफेसर राजेश मलिक (डीन अकादमिक, प्रोफेसर शशांक पुरवार चिकित्सा अधीक्षक और कर्नल अजीत कुमार उप निदेशक प्रशासन, डॉ अमित अग्रवाल डीन, नर्सिंग और पैरामेडिक्स, डॉ सैकत दास, सह डीन (नर्सिंग और पैरामेडिक्स) उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य नर्सिंग स्टाफ को सहानुभूतिपूर्ण रोगी देखभाल सेवा के महत्व पर संवेदनशील बनाने और एम्स भोपाल में रोगी देखभाल की गुणवत्ता में सुधार करना है।

स म्पा द की य

दुनिया में शीर्ष पर

चलो खुश हो जाते हैं। खुश इसलिए कि हम दुनिया में नंबर वन पर आ गए। जनसंख्या के मामले में ही सही, दुनिया की सबसे बड़ी ताक़त तो बन ही गए हैं। संयुक्त राष्ट्र ने बुधवार को घोषणा कर दी है कि भारत की जनसंख्या अब चीन से भी ज़्यादा हो गई है। भारत की जनसंख्या अब 142 करोड़ हो चुकी है जो कि चीन से करीब 29 लाख ज़्यादा है।

असल में चीन ने पिछले कुछ सालों से अपनी जनसंख्या पर क़ाबू करने का काम शुरू किया था, जिसका नतीजा यह था कि पिछले साल वहाँ की जनसंख्या बढ़ने की बजाय घट गई थी। शायद अपने इस कृत्य पर अब चीन पछता रहा हो। आधिकारिक तौर पर वह यह कह कर मुँह छिपा रहा है कि क्वांटिटी नहीं बल्कि क्वालिटी पॉपुलेशन चाहिए। तो चीन अब हमसे पिछड़ ही गया। और अब हमारे पास कहने को हो गया है कि हम चीन पर भारी हैं।

जनसंख्या केवल भीड़ ही नहीं होती। यदि उसका सही उपयोग हो तो वह उपयोगी साबित हो सकती है। दावा किया जा रहा है कि भारत को जनसंख्या बढ़ने का फ़ायदा आने वाले वर्षों में होने वाला है। हमारी जनसंख्या की सबसे सकारात्मक बात यह मानी जा रही है कि कुल जनसंख्या की आधी यानी पचास प्रतिशत की उम्र तो तीस वर्ष से नीचे है। इसका सीधा सा मतलब यह है कि हमारे जितना युवा देश कोई नहीं है। किसी देश की पचास प्रतिशत से ज़्यादा जनसंख्या युवा होने का मतलब यह है कि उसके पास सबसे बड़ा वर्क फ़ोर्स है।

वर्क फ़ोर्स बड़ा होने से देश का विकास चौगुना गति से होता है। विकास की रफ़्तार जब बढ़ती है तो अर्थ व्यवस्था में सुधार के उपाय जल्द से जल्द कारगर होने लगते हैं। जब अर्थ व्यवस्था तेज़ी से सुधार की दिशा में अग्रसर होती है तो उस देश को कोई महाशक्ति बनने से रोक नहीं सकता।

जब युवाओं की संख्या बहुत बढ़ जाती है तो कौशल विकास भी नए आयाम छूने लगता है। मान सकते हैं कि यह कौशल ही हमें दुनिया का सिरमौर बनाने वाला है। दुनिया में हमारे कौशल की माँग बढ़ेगी और दुनिया कौशल की ख़ातिर हमारी ओर खिंची चली आएगी। हमारा बाज़ार इतना बड़ा है कि दुनिया हमारी ओर ललचाई निगाह से देख रही है। आगे इसमें और भी इज़ाफ़ा होने वाला है। हमारे यहां एक तरफ कौशल विकास पर जोर दिया जा रहा है, लेकिन दूसरी तरफ कतिपय तत्व युवाओं की शक्ति का दुरुपयोग भी कर रहे हैं। तमाम ऐसे संगठन बनाए जा रहे हैं, जहां युवाओं को जाति, संप्रदाय और धर्म को लेकर संवेदनशील बनाया जा रहा है। यह वर्क फोर्स नहीं, वार फोर्स बन रही है। ऐसी वार फोर्स, जो हमारे ही देश को नुकसान पहुंचाएगी।

युवा शक्ति का राजनीतिक और सामाजिक दुरुपयोग हमारी आवश्यक बुराई है। यह आज से नहीं, लंबे समय से हो रहा है। कोई कहता है कि शिक्षा के कारण इस तरह की बुराइयां आती हैं। परंतु हमारा अनुभव कहता है कि पढ़े-लिखे लोग इस तरह की बुराइयों में आजकल अधिक उलझ रहे हैं। सोशल मीडिया पर इसके प्रमाण देखे जा सकते हैं। वैसे एक बात और, युवा शक्ति के लिए हमारे पास काम तो बहुत है, पर शायद उन्हें हम दे ही नहीं पा रहे हैं। रोजगार का शायद सही बटवारा नहीं हो पा रहा है। किसी को एक करोड़ का पैकेज है तो किसी के पास महीने के दस हजार रुपए की नौकरी या इतना काम नहीं है।

और हां, खबरों में युवा शक्ति के दुरुपयोग के और भी उदाहरण देखने को मिल जाते हैं। कहीं युवा शक्ति आनलाइन फ्राड करने में लगा हुआ तो कहीं अपराध की दुनिया में सक्रिय हो रहा है। यह सब कहीं न कहीं रोजगार न मिलने के कारण ही माना जा रहा है। कहते हैं न, खाली दिमाग शैतान का घर। सो कोई काम नहीं होगा तो दिमाग खाली रहेगा। और दिमाग खाली रहेगा तो हम सकारात्मक नहीं, नकारात्मक ही सोचेंगे। मानव स्वभाव है, बुराइयों की तरफ हम जल्द आकर्षित होते हैं।

तो सबसे पहले हमें युवा शक्ति को सकारात्मक दिशा की ओर ले जाना होगा। और यह तभी संभव है, जब हमारे मार्गदर्शक हमें सही दिशा की ओर जाने दें। वैसे एक सच यह भी है कि नई पीढ़ी आज की पुरानी पीढ़ी से बेहतर सोचती दिख रही है। बस, उसे सोशल मीडिया से ही ज्यादा खतरा है। हमारे मार्गदर्शक हमें धर्म, संप्रदाय और जाति के भंवर में फंसाकर अपनी राजनीति करते हैं। अपनी रोटियां सेकते हैं। हमारी ऊर्जा का उपयोग करते हैं। फिर हमें, मानसिक गुलाम बनाकर हमारा शोषण करते हैं। बस, नई पीढ़ी को यह सोच विकसित करनी होगी। हम सकारात्मक दिशा की ओर चलें, सकारात्मक सोचें और नए भारत को गढ़ें। बढ़ती जनसंख्या को चिंता कारण नहीं, देश की समृद्धि का कारक बनाएं। जय हिंद।

राजवाड़ा-2-रेसीडेंसी: संघ के फीडबैक के बाद मंत्रियों की परेड

अरविंद तिवारी

पिछले दिनों पढ़ाई-लिखाई और खेती-किसानी से ताल्लुक रखने वाले तीन मंत्री अचानक मुख्यमंत्री निवास तलब किए गए। वहां पर भाजपा के सहसंगठन मंत्री शिवप्रकाश, मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान, प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा और संगठन महामंत्री हितानंद भी मौजूद थे। तीनों मंत्रियों से लंबे-चौड़े सवाल-जवाब हुए और लब्बोलुआब यह निकला कि इन विभागों में बोल वचन तो बहुत हो रहे हैं, लेकिन बात कागजों से आगे नहीं बढ़ पा रही है। दो-तीन घंटे चली कवायद के बाद मंत्रियों से कहा गया कि मैदान से मिले फीडबैक के बाद आपके विभाग की नीतियों में जो बदलाव जरूरी है, उसे तत्काल में अमल में ले आएं। सार यह निकला कि अब शिक्षा और कृषि में जैसा संघ चाहेगा, वैसा ही सरकार को करना होगा।

मालवा निमाड़ में मजबूत है विजयवर्गीय का नेटवर्क

मालवा-निमाड़ यानि इंदौर उज्जैन संभाग में कैलाश विजयवर्गीय का मजबूत नेटवर्क भाजपा के लिए परेशानी का कारण बनता नजर आ रहा है। अलग-अलग स्तर पर जो मैदानी कवायद चल रही है, उसमें यह बात सामने आई है कि विजयवर्गीय के भरोसे यहां के हर विधानसभा क्षेत्र में उनके समर्थक टिकट की दौड़ में हैं। इनमें से कई वर्तमान विधायकों पर भारी पड़ रहे हैं, तो कुछ दावेदारी नकारने की स्थिति में बगावती तेवर भी अपना सकते हैं।

इन समर्थकों की खासियत यह है कि वे अपने नेता में अंधा भरोसा करते हैं और यह मानकर चल रहे हैं कि हमारा टिकट तो पक्का ही है। अब इन्हें यह कौन समझाए कि यह भाजपा है, यहां मजबूत नेता को पार्टी के ही लोग कमजोर कर देते हैं।

विवेक तन्खा का बदला अंदाज

विवेक तन्खा की गिनती कांग्रेस के शांत, शालीन और समझदार नेताओं में होती है। नपे-तुले शब्दों में अपनी बात कहते हैं और उनकी बात को दिल्ली दरबार भी गंभीरता से लेता है। पिछले दिनों वे ग्वालियर में थे।

वहां जिस अंदाज में उन्होंने कमलनाथ की खूबियों को रेखांकित किया, उसने सबको चौंकाया। बकौल, तन्खा कमलनाथ के पास धन संपत्ति है, हवाई जहाज है, हेलीकाप्टर है और वे सभी संसाधन हैं, जो राजनीति के लिए जरूरी होते हैं, इसलिए वे मध्यप्रदेश में हमारे नेता हैं। तन्खा ने जो कहा वह 100 प्रतिशत सही है, लेकिन इसे जिस अंदाज में आगे बढ़ाया गया, उसका अर्थ तो कुछ और ही निकल रहा है।

गड़बड़ा रही है कमलनाथ की केंद्रीकृत व्यवस्था

कमलनाथ की केंद्रीयकृत व्यवस्था गड़बड़ाती दिख रही है। इस अहम दौर में जब कांग्रेस मध्यप्रदेश की सत्ता पाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है, इसी व्यवस्था के चलते पार्टी के बड़े नेता अलग-अलग रास्तों पर जाते दिख रहे हैं। इनमें से कुछ कहने लगे हैं कि सुना तो सबको जाता है, लेकिन होता वही है, जो कमलनाथ चाहते हैं।

ये नेता सार्वजनिक रूप से उल्टा-सीधा कहकर अपनी भड़ास भी निकालने लगे हैं, जिसका नुकसान पार्टी को हो रहा है। वैसे कुछ भी कहने वाले इन नेताओं की पीठ पर भी उन्हीं लोगों का हाथ है, जिनपर कमलनाथ बहुत भरोसा करते हैं। अपने ही नेता की घेराबंदी की इस अदा पर अब क्या कहा जाए।

परेशान वीडी शर्मा को सुनील आम्बेकर की मदद

वीडी यानि विष्णुदत्त शर्मा जब भी परेशानी में रहते हैं, संघ के दिग्गज सुनील आम्बेकर उनके संकटमोचक बन जाते हैं। आम्बेकर और शर्मा का ताल्लुक उस दौर से है, जब आम्बेकर विद्यार्थी परिषद के सर्वेसर्वा हुआ करते थे और शर्मा भी उनकी टीम का हिस्सा थे। स्वाभाविक है जब कोई पुराना साथी परेशान दिखे तो वरिष्ठ से मदद मिल ही जाती है।

याद रखा जाएगा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा का यह फैसला

कहा यह जा रहा है कि जब राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के भोपाल दौरे के बाद शर्मा निशाने पर आ गए थे, तब आम्बेकर की मदद से ही वे बरकरार रह पाए थे। देखना यह है कि यह तालमेल शर्मा को कब तक प्रदेशाध्यक्ष पद पर काबिज रख पाता है।

आदिवासी क्षत्रपों पर भारी पड़ेगा नया नेतृत्व

लंबी कवायद के बाद भाजपा ने आखिर आदिवासी क्षेत्रों में दिग्गज नेताओं का मजबूत विकल्प तैयार कर लिया है। इनमें से कई इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव में मैदान में नजर आएंगे। 2018 में मध्यप्रदेश की सत्ता गवाने का एक बड़ा कारण आदिवासी क्षेत्रों में कांग्रेस से पिछड़ना रहा था। अगर सबकुछ ठीकठाक रहा तो 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा आदिवासी सीटों पर नए नेतृत्व की अगुवाई में मैदान संभालती नजर आएगी। जो हालात दिख रहे हैं, उसमें अब प्रेमसिंह पटेल, अंतरसिंह आर्य सहित आधा दर्जन स्थापित आदिवासी भाजपा नेता टिकट से ही वंचित किए जा सकते हैं।

चलते-चलते

झाबुआ कलेक्टर के रूप में बहुत छोटी पारी खेलने वाली रजनीसिंह को हटाए जाने का एकमात्र कारण यह है कि कि वे बहुत निष्पक्षता के साथ काम कर रही थी और यह वहां के भाजपा नेताओं को रास नहीं आ रहा था। वैसे नई कलेक्टर तनवी हुड्डा भी इसी लाइन पर चलती नजर आ रही हैं।

पुछल्ला

युवा आयोग के अध्यक्ष पद पर डॉ. निशांत खरे और सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष पद पर प्रताप करोसिया की नियुक्ति भविष्य की भाजपा का संकेत है।

बात मीडिया की

भोपाल के वरिष्ठ पत्रकार और पुलिस महकमे में जबरदस्त पकड़ रखने वाले मृगेन्द्र सिंह और उनके साथी संजय दुबे अब राज एक्सप्रेस समूह के सर्वेसर्वा हो गए हैं। इन लोगों ने अरुण सहलोत से राज एक्सप्रेस को टेकओवर कर लिया है। दैनिक जागरण में लंबी पारी खेलने वाले मृगेन्द्र सिंह की गिनती उन पत्रकारों में होती है, जिनका प्रशासन और पुलिस में तगड़ा नेटवर्क है।

नईदुनिया के समूह संपादक सदुरुशरण इन दिनों इंदौर संस्करण के कुछ संपादकीय साथियों से बहुत नाराज हैं। उनकी इस तल्खी का कारण पिछले दिनों नईदुनिया में प्रकाशित हुए वे दो समाचार हैं, जिन्हें उन्होंने नईदुनिया के स्तर का नहीं माना। इनमें से एक समाचार एक कथित उद्योगपति को लेकर था, तो दूसरा एक कांग्रेस नेत्री के धार्मिक आयोजन का। इसके लिए उन्होंने संपादकीय टीम के दो वरिष्ठ लोगों के साथ ही डेस्क के भी दो लोगों को जिम्मेदार माना है। नाराजी दर्शाते हुए समूह संपादक ने जो मेल अपनी टीम को भेजा है, उसके बाद कहने को कुछ बचता नहीं है।

दैनिक भास्कर और नईदुनिया में लंबे समय तक सेवाएं दे चुके अमित जलधारी का डिजिटल प्लेटफार्म इंदौर एक्सप्रेस इन दिनों काफी चर्चा में है। अमित की मेहनत के चलते इस प्लेटफार्म पर अभी तक 10 लाख से ज्यादा व्यू और ढाई हजार घंटे का स्क्रीन टाईम दर्ज हो चुका है। अमित की रेलवे बीट पर बहुत अच्छी पकड़ है और इसका पूरा फायदा उन्हें मिल रहा है।

भोपाल के वरिष्ठ पत्रकार अमित सोनी ने भास्कर समूह को अलविदा कह दिया है। काम के बहुत अधिक प्रेशर के चलते अमित ने यह फैसला लिया।

आबादी में नंबर एक के बाद बढ़ी चुनौती...

कौशल किशोर चतुर्वेदी

आबादी में हमेशा नंबर एक पायदान पर विराजे चीन को अब हमने पीछे छोड़ दिया है। सैन्य क्षमता और अर्थव्यवस्था में नंबर एक बनने की चुनौती अब सामने आकर खड़ी हो गई है। चीन और भारत करीब एक ही समय आजाद हुए थे। उसके बाद साम्यवादी देश चीन ने आबादी में दूसरे पायदान पर बैठे भारत को कोसों मील पीछे छोड़ दिया था। यह बहस बनती है तो फिर कांग्रेस और भाजपा शासन और नेतृत्व पर आकर टिकने लगती है।? हालांकि बहस का मुद्दा यह है भी और माना जाए तो नहीं भी। बहरहाल अब सबसे बड़ी चुनौती यही है कि तेजी से दौड़ती भारतीय अर्थव्यवस्था कब भारत को दूसरी बड़ी खुशखबरी देगी कि चीन को अब अर्थव्यवस्था में भी पीछे छोड़ दिया है। और उससे भी अहम यह कि सैन्य क्षमता के मामले में भारत चीन के सामने ताल ठोक कब पटखनी देने का खौफ पैदा कर पाएगा।

तो सबसे पहले बात नंबर वन बनने की।दुनिया में सबसे ज्यादा आबादी वाला देश अब चीन नहीं है। इस साल की शुरूआत में ही ग्लोबल एक्सपर्ट्स ने अनुमान लगाया था कि 2023 में सबसे ज्यादा जनसंख्या भारत में होगी और अब इस पर संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष यानी यूनाइटेड नेशंस पॉपुलेशन फंड ने भी मुहर लगा दी है कि भारत दुनिया सर्वाधिक आबादी वाला देश है। यूएनएफपीए की 'द स्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशन रिपोर्ट 2023' को '8 बिलियन लाइव्स, इनफिनिट पॉसिबिलिटीज-द केस फॉर राइट्स एंड चॉइस' के टाइटल से जारी किया गया है। इसके अनुसार अब भारत की जनसंख्या चीन से अधिक हो गई है। भारत की जनसंख्या 1,428.6 मिलियन हो चुकी है। आंकड़ों के मुताबिक चीन की जनसंख्या फिलहाल 1,425.7 मिलियन है। अगर तुलना करें तो दोनों देशों की जनसंख्या में 2.9 मिलियन का अंतर हो गया है।

अब बात करें अर्थव्यवस्था की। भारत के 2029 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का अनुमान है। यह अनुमान सुखद है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की सभी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से आगे बढ़ती रहेगी। 1990 में चीनी अर्थव्यवस्था भारत की तुलना में थोड़ी ही बड़ी थी। आज चीन की जीडीपी भारत से 5.46 गुना बड़ी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है।भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 2047 तक 20 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा बशर्ते कि अगले 25 वर्षों में वार्षिक औसत वृद्धि 7-7.5 प्रतिशत हो। चुनौती कठिन है। पर भारत के लिए सब कुछ मुमकिन है।

बात अब सैन्य चुनौती की। तो चीन, अमेरिका के बाद डिफेंस पर दूसरा सबसे बड़ा खर्च करने वाला देश है, जिसका 2023 का रक्षा बजट कुल 816 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। भारत की तुलना में चीन का रक्षा बजट तीन गुना अधिक रहा है। वहीं भारत का रक्षा बजट 2023-24 के लिए 5.94 लाख करोड़ रुपये (लगभग 72.6 बिलियन अमरीकी डालर) था। चीन की पीपल्स लिबरेशन आर्मी में कुल 20 लाख सैनिक शामिल है। ये दुनिया की सबसे बड़ी आर्मी है। ये देश आर्मी में लगातार आधुनिक तकनीक विकसित करता जा रहा है। हालांकि भारतीय सेना भी तकनीकी के मामले में अब तेजी से समृद्ध हो रही है और लगता है कि जल्दी ही भारत सैन्य मामलों में भी चीन की बराबरी करने को आतुर है। हालांकि चुनौती बड़ी है।

भारत आबादी में नंबर वन बनने के साथ ही हर क्षेत्र में नंबर वन बनने की क्षमता रखता है। चाहे अर्थव्यवस्था की बात हो या सैन्य क्षमता की। वह दिन दूर नहीं जब भारत विश्व का नेतृत्व हर क्षेत्र में करेगा। इक्कीसवीं सदी भारत की है और हर भारतवासी को हर क्षेत्र में गर्व करने का अवसर देगी, यही विश्वास है। आबादी में नंबर एक के बाद अब चुनौती बढ़ गई है।

ओटीटी की उच्श्रृंखलता बढ़ा रही समाज का पारा

अशोक जोशी

सिनेमा और टीवी की दुनिया में आहिस्ता आहिस्ता दखल देकर अपने पैर जमा लेने वाले ओटीटी ने जितनी जल्दी अपना नाम किया, वह उतनी ही जल्दी बदनामी के बोझ से दबने भी लगा। अक्सर ओटीटी के बारे में अनुमान लगाया जाता रहा है कि यह एक अलग ही दुनिया है जिस पर न तो सिनेमा का साया है और न टेलीविजन वाला विजन है। इन दिनों ओटीटी की हालत उस छुट्टे सांड की तरह हो गई, जिस पर किसी तरह का अंकुश न होने से वह किसी भी खेत में घुसकर उसका कंटेंट रौंद रहा है।

जब ओटीटी शुरू हुआ था, तब इसकी अभिव्यक्ति का अंदाज अलग माना जाता था। लेकिन, एक ही अंदाज और एक ही श्रेणी के निर्माता-निर्देशकों द्वारा अतिक्रमित यह माध्यम अब उन लोगों को खटकने लगा है जिन्होंने पहले इसका खुली बांहों से स्वागत किया था। चीन से घुसपैठ कर आया कोविड जहां सारी दुनिया के लिए आफत बना हुआ था, वही कोविड ओटीटी के लिए राहत साबित हुआ। कोविड के चरम काल में जब फिल्मों और टीवी सीरियल्स की शूटिंग बंद थी, ओटीटी ने मनोरंजन परोसकर अपनी इम्यूनिटी इतनी मजबूत कर ली, कि अब उसे अपने विरोध का भी असर नहीं होता। वह धड़ल्ले से ऐसी संस्कृति को पोषित कर रहा है, जिसे संस्कृति कहना या मानना मुनासिब नहीं माना जा सकता।

हमारे यहां ओवर द टॉप स्ट्रीमिंग सर्विस यानी ओटीटी का लगातार विस्तार हो रहा है। पिछले पांच सालों में इसका कारोबार 30त्न की साझा दर से बढ़ा। साल 2016 में हुई जियो क्रांति ने हर घर तक इंटरनेट पहुंचाने का काम किया। इसके बाद ओटीटी के बाजार में भी तेजी देखी गई। साल 2021 में 7600 करोड़ रुपए से बढ़कर ये 30 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का हो गया। लेकिन, इस सकारात्मक विकास के साथ कुछ नकारात्मक चीजें भी तेजी से बढ़ी हैं। ओटीटी कंटेंट में अश्लीलता, फूहड़पन और गाली गलौच है। नए आईटी कानून के आने के बाद कंटेंट रेगुलेशन के चाहे जितने दावे किए जा रहे हों, लेकिन हकीकत यही है कि इरोटिक कंटेंट के नाम पर सीधे पोर्न परोसा जा रहा है।

शुरू में जब दर्शक ओटीटी कंटेंट को लेकर कोई शिकायत करता, तो उसे पिछड़ा और अनसिविलाइज्ड कहकर नकार दिया जाता था। लेकिन, अब ओटीटी पर परोसी जाने वाली सामग्री का फिल्म उद्योग में भी विरोध किया जाने लगा। पिछले दिनों जब बॉलीवुड में सुपर स्टार का दर्जा हासिल सलमान खान ने ओटीटी की विषय वस्तु पर अपनी आपत्ति दर्ज की तो उसे भारी समर्थन मिला। क्योंकि, सलमान खान वह शख्स हैं जिनकी बातों को सिने जगत में गंभीरता से सुना जाता है। सलमान खान बॉलीवुड इंडस्ट्री के उन कलाकारों में हैं, जो अपनी खास अदायगी के लिए भी लोकप्रिय हैं। उनकी लोकप्रियता इतनी ज्यादा है, जिसके चलते अक्सर उनका नाम चर्चा का विषय बनता है। हाल ही में सलमान खान ने एक अवॉर्ड्स शो के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें उन्होंने ओटीटी कंटेंट को लेकर खुलकर बातें की। उनका यह मानना है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म के लिए सेंसरशिप की काफी जरूरत है।

इस प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सलमान खान से ओटीटी कंटेंट को लेकर सवाल पूछा गया था! इस पर उन्होंने बेबाक अंदाज में जवाब भी दिया। सलमान ने कहा कि मुझे लगता है कि ओटीटी पर सेंसरशिप बेहद जरूरी है। यहां दिखाए जाने वाले गाली गलौज, अश्लीलता और इंटीमेट सीन्स पर पाबंदी लगनी चाहिए। 15 से लेकर 16 साल तक के बच्चे भी कहीं न किसी समय इसे देखते ही हैं। अगर आपकी बेटी हो और वो ये सब देखे तो आपको कैसा लगेगा? मेरे हिसाब से इसके लिए सेंसरशिप का इंतजाम किया जाना चाहिए। साफ सुथरा कंटेंट रहेगा तो और भी कई गुना ज्यादा चलेगा और लोग इसे देखना पसंद करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि आपने सब कर लिया। लव मेकिंग कर ली, किसिंग कर ली और सीन्स में एक्सपोज कर लिया और जब आप अपनी बिल्डिंग में एंटरटेन कर रहे हो, तो आपका वॉचमैन अपने मोबाइल पर आपका कंटेंट देख रहा है। मुझे नहीं लगता कि ये सुरक्षा कारणों से उचित है। बेशक यह राय सलमान खान की अपनी राय हो सकती है। लेकिन, इससे पहले दूसरे सितारे और कलाकार इस मामले पर अपनी ऐसी ही राय दे चुके हैं।

यह बात सही है कि सलमान खान खुद अपनी फिल्मों में अश्लीलता बिल्कुल पसंद नहीं करते। उनकी फिल्में साफ सुथरी होती हैं। माना कि कुछ फिल्मों में हिंसात्मक दृश्य होते हैं, लेकिन ज्यादातर फिल्मों को परिवार के साथ बैठकर देखा जा सकता है। कम ही लोगों को यह बात पता है, कि सलमान ने अपने अनुबंध में एक शर्त जोड़ रखी है कि वो फिल्मों में इंटिमेट सीन और किसिंग सीन नहीं करेंगे। 'नो किसिंग सीन क्लॉज' पर सहमति के बाद ही वो फिल्म साइन करते हैं। उनका मानना है कि उनकी मां सलमा उनकी फिल्में देखती हैं। यदि वे ऐसे सीन देखेंगी तो बहुत अजीब स्थिति हो जाएगी। उन्होंने अभी तक सिर्फ एक फिल्म में किसिंग सीन किया है, वो उनकी डेब्यू फिल्म 'मैंने प्यार किया' है। इसमें भाग्यश्री के साथ किसिंग सीन फिल्माया जाना था, लेकिन दोनों इसके लिए तैयार नहीं थे। अंत में फिल्म निर्देशक सूरज बड़जात्या ने एक कांच का ग्लास दोनों के बीच लगाया उसके बाद किसिंग सीन शूट हो सका। इसके बाद से सलमान ने ऐसे दृश्यों से किनारा कर लिया।

सलमान खान के इस बयान से कुछ लोग अलग ही राय रखते हैं। उनका कहना है कि यह सब पब्लिसिटी स्टंट है। उनका मानना है कि इस महीने उनकी फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' प्रदर्शित हो रही है। इसीलिए बड़े पर्दे के भाईजान इस तरह का बयान देकर लोकप्रियता हासिल करना चाहते हैं, ताकि पारिवारिक और साफ सुथरी फिल्मों के पक्षधर उनकी फिल्म को हिट कर सके। यह भी कहा जा रहा कि भले ही फिल्मों में सलमान खान ने आपत्तिजनक सीन न रखे हों, लेकिन पर्दे को उन्होंने खून से कई बार नहलाया। जहां तक आपत्तिजनक संवाद और अंतरंग दृश्यों की बात है, तो सलमान खान इस मामले में दूध के धुले नहीं है। उनके टीवी रियलिटी शो 'बिग बॉस' में जिस तरह की बेहूदगी और फूहड़ता के दर्शन होते हैं, उस पर भी ओटीटी कंटेंटस की परछाई साफ दिखाई देती है।

देखा जाए तो सलमान की बात में दम है। क्योंकि, कोरोना काल में लगे लॉकडाउन के दौरान ओटीटी पर अश्लीलता, नग्नता और गाली-गलौच से भरे कंटेंट की अधिकता तेजी से बढ़ी थी। इस दौरान लोग घरों में खाली बैठे थे। टीवी सीरियल और फिल्मों में काम करने वाले कलाकारों के पास काम नहीं था। इस मौके का फायदा उठाकर राज कुंद्रा जैसे कुछ लोगों ने चारदीवारी के अंदर इरोटिक के नाम पर पोर्न कंटेंट बनाना शुरू कर दिया। इसी समय ऑल्ट बालाजी, एमएक्स प्लेयर और उल्लू ऐप जैसे प्लेटफॉर्म्स पर अश्लील कंटेंट की बाढ़ आ गई। स्थिति यहां तक पहुच गई कि हिंसा, सेक्स और गाली गलौच कंटेंट बिकने के पैरामीटर बन गए। हालांकि, लोगों ने इसका विरोध भी किया। साल 2020 में पोर्न कंटेंट फैलाने के कुल 12616 केस दर्ज किए गए थे। लेकिन, महज 3650 मामलों की ही जांच हुई और इसमें चार्जशीट फाइल हो सकी थी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

खुदाई के दौरान मिले ब्रिटिश कालीन सिक्के

दमोह। दमोह नगर कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत असाटी वार्ड में निर्माण के लिए खुदाई के दौरान जमीन से ब्रिटिश कालीन सिक्के मिले।जानकारी देते हुए मजदूर ने बताया कि एक मकान निर्माण का कार्य चल रहा है। वहां पिलर की खुदाई दौरान गड्ढा खोदते समय सिक्के निकले जब उसने और नीचे तक खुदाई की तो करीब 240 सिक्के वहां से निकले जिन्हें लेकर वह अपने घर चला गया, सिक्के काफी प्राचीन थे इसलिए वह सभी सिक्कों को लेकर कोतवाली पहुंचा और टीआई के सुपुर्द कर दिया। कोतवाली टीआई विजय सिंह राजपूत ने बताया कि यह सभी ब्रिटिश कालीन सिक्के हैं जो काफी प्राचीन है 240 सिक्के मजदूर को मिले हैं जिसकी जांच के लिए भी वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया जा रहा है।

चना उपार्जन केन्द्रों का किया निरीक्षण, नॉन एफएक्यू चना अधिकारियों ने किया वापस

खरगोन। बुधवार को कृषि उपसंचालक श्री एमएल चौहान और प्रभारी खाद्य आपूर्ति अधिकारी ने संयुक्त रूप से जिले के चना खरीदी केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने चना खरीदी केन्द्र बलवाड़ी, ओरेकल वेयरआउस चना खरीदी केन्द्र नागझिरी तथा चना खरीदी केन्द्र स्नेह एग्रीटेक कुकडोल में समर्थन मूल्य पर की जा रही चने की खरीदी और उपार्जन संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वहीं मेहरजा के भगवान पिता नारायण द्वारा नॉन एफएक्यू चना विक्रय के लिए लायी गई ट्राली को अधिकारियों ने वापस भेजी। जबकि कुकडोल चना उपार्जन केन्द्र पर कुल 18 वाहन चना विक्रय के लिए आए थे। अधिकारियों ने चना उपार्जन केन्द्र पर अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ उपार्जन प्रक्रिया व्यवस्थित ढंग से कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नाफेड भोपाल के क्षेत्रीय अधिकारी श्री शिव कुमार यादव उपस्थित रहे।

सराफा दुकान में चोरी महिलाओं ने किया हाथ साफ

नैनपुर शैलेंद्र नाहटा सराफा दुकान में 2 किलो चांदी की चोरी का दुकान में भीड़ का फायदा उठाते हुए 4 महिलाओं ने चांदी के जेवर चोरी कर भाग निकले दुकान वाले की नजर पड़ते हैं भाग निकले तत्काल सीसीटीवी कैमरे से फुटेज निकाला गया पुलिस को सूचना दी गई थाना प्रभारी के निर्देश पर खोजबीन की जा रही है

प्रभारी मंत्री ने नगरीय निकायों की विभागीय समीक्षा

सिवनी– प्रदेश शासन के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम एवं विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग एवं जिले के प्रभारी मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा ने बुधवार 19 अप्रैल को नगरीय निकाय अंतर्गत वि?भिन्न विकास कार्यों एवं विभागीय योजनाओं की प्रगति समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश सभी सीएमओ एवं अन्य संबंधित अधिकारियों को दिए। प्रभारी मंत्री श्री सखलेचा ने विगत बैठक में दिए गए निर्देशों के उपरांत भी निकायवार बैलेंस सीट, विभागीय अनुदान तथा अन्य बिंदुओं की जानकारी प्रस्तुत न करने पर सहायक यंत्री संतोष तिवारी पर खासी नाराजगी व्यक्त करते हुए कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को नगरीय निकाय अंतर्गत संचालित विकास कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने तथा समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए तथा विभागीय योजनाओं में शतप्रतिशत प्रगति के निर्देश दिए।

सिंघोरी अभ्यारण्य की वीट रमगढ़ा नाके पर वनकर्मियों को मिली बड़ी सफलता

बाड़ी। विंध्याचल पर्वत जो कभी बियाबान जंगल और हिंसक जंगली जानवरों की गूँज गूँजती रहती हैं जिसके कारण दिन में जंगल में निवास करने बाले आदिवासियों को अकेले दुकेले निकलने में डर लगता था लेकिन सत्तर के दशक में इसे सरकार ने वन्यजीवों के संरक्षण करने के उद्देश्य से इसे सिंघोरी अभ्यारण्य नाम दिया और इसको आम लोगों के लिए प्रतिबंधित कर दिया। लेकिन जंगल को इन चालीस साल में वनविभाग की उदासीनता कहे या धन कमाने की चाहत रखने से आज जंगल रेगिस्तान की शक्ल में नजर आने लगे,

वन विभाग के मालखाने में जब्त मोटरसाईकिलें और सागौन की चरपटे भी चोरी हो जाती हैं विभाग रहता कौमा में। वनविभाग का जमीनी अमला अपनी नौकरी बचाने के लिए दिनरात जंगलों की खाक छानता रहता हैं और कभी कभार सफलता मिल भी जाती हैं, लेकिन मालखाने से मोटरसाइकिल और चरपटे चोरी होने पर विभाग के द्वारा कोई कार्यवाही न होना ही जमीनी वनकर्मियों को हतोत्साहित करने जैसे हैं .पूर्व रेंजर संतराम चौधरी के कार्यकाल में मालखाने से जब्त मोटरसाइकिल चोरी हो गई और विभाग सोता रहा यह राज तक खुला जब बहीं मोटरसाइकिल फिर से लकड़ी चोरी में जब्त हुई। वनबासियों के नाम पर वनविभाग की हजारों एकड़ भूमि का जंगल साफ हो गया और जगह जगह फसलें लहलहा उठी।

वन विभाग की बड़ी कार्यवाही

बुधवार की रात रमगढ़ा वन रक्षक हरिशंकर दुवे को मुखविर ने सूचना दी आज रात इधर से मोटरसाइकिलों पर सागोन की चरपटे निकलेगी। तब दुवे ने अपने अधिकारी को बताया और स्टाफ को भेजने की माँग की स्टाफ में लगभग छह वनकर्मी घात लगाकर मोटरसाईकिलों का इंतजार करने लगे और लगभग रात चार बजे मोटरसाईकिलों की आवाज़ सुनकर सभी अलर्ट हो गये जैसे ही मोटरसाइकिलें करीब आई जैसे भी लकड़ी चोरों ने वनकर्मियों तो देखा तो मोटरसाइकिलें छोड़कर भागने लगे वनकर्मियों के पीछा करने पर उन पर पत्थरों से हमला कर दिया दिया जिसमें एक वनरक्षक हरिशंकर दुवे के हाथों में चोट आई लेकिन वनकर्मियों ने पाँच मोटरसाईकिलों के साथ 17 नग सागौन की भारी चरपटें बरामद करने में सफलता प्राप्त की जो सराहनीय हैं इन चरपटों की अनुमानित कीमत लगभग दो लाख से अधिक हैं बहीं यह मोटरसाईकिलें चोरी की हैं जो लकड़ी चोर शहर से चुराकर उनका इस्तेमाल लकड़ी चोरी में करते हैं..

वन कर्मियों के स्टाफ में वनरक्षक हरिशंकर दुवे रामकृष्ण भारतीय वनरक्षक,राजेंद्र कुमार सुरक्षा श्रमिक, रामसिंह गूजर स्थाईकर्मी , रामविलास लोधी वनपाल ,हमीदुल्ला वनरक्षक , रामकिशन स्थाईकर्मी व हरनाम वनरक्षक के साथ अन्य वनकर्मियों के सहयोग से यह सफलता ऐसे समय में सराहनीय मानी जा सकती जब सिंघोरी अभ्यारण्य में पाँच महीने से रेंजर बिहीन हैं।

नैनपुर रेलवे स्टेशन में ट्रेन की पूछताछ के लिए दर-दर भटक रहे यात्री

रेलवे इंक्वायरी कक्ष सहयोग पूछताछ केंद्र बनाने की उठी मांग

नैनपुर- दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर मंडल के द्वारा अब ट्रेनों का परिचालन धीरे-धीरे शुरू कर दिया गया है लेकिन अब ट्रेनों की संख्या नैनपुर रेलवे स्टेशन से बढ़ रही है जिसके चलते नैनपुर रेलवे स्टेशन पर इन दिनों देखा जा रहा है कि यात्रियों को काफी आसुविधाएं हो रहे हैं जिसमें यात्रियों को ट्रेनों की जानकारी के लिए *डिस्प्ले बोर्ड या पूछताछ केंद्र* के लिए रेलवे स्टेशन पर यहां वहां भटकते हुए नजर आते हैं,साथ ही पीने के लिए पानी की बोतले रेलवे कैंटीन में ?20 दर बेची जा रही है जोकि रेलवे द्वारा संचालित ?15 में *रेल नीर* (पानी की बोतल) की व्यवस्था नैनपुर रेलवे स्टेशन पर संचालित नहीं की जा रही है। रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए *जनता भोजन* (पूरी सब्जी का पैकेट) की व्यवस्था नहीं है जिसके लिए गर्म खाने के लिए यात्रियों को असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है।जबलपुर नैनपुर पैसेंजर ट्रेन को रात्रि में प्लेटफार्म क्रमांक 2 की बजाए क्रमांक 1 में स्थानांतरित की मांग

नैनपुर रेलवे स्टेशन पर रात्रि में इन दिनों देखा जा रहा है कि रात्रि में जबलपुर से नैनपुर पैसेंजर ट्रेन को रात्रि में प्लेटफार्म क्रमांक 2 में खड़ा किया जा हैं जिसके चलते बुजुर्ग एवं गर्भवती महिलाओं तथा छोटे बच्चों को रैंप से होकर प्लेटफार्म क्रमांक 1 पर आने में काफी समय एवं असुविधा का सामना करना पड़ रहा है और यात्रियों की मांग है कि जबलपुर नैनपुर पैसेंजर ट्रेन को रात्रि में रेट फॉर्म क्रमांक 2 की बजाय प्लेटफार्म क्रमांक 1 में खड़ा किया जाए।रेलवे टिकट काउंटर को अन्य स्थान में स्थानांतरित करने की मांग

नैनपुर रेलवे स्टेशन पर स्टेशन संचालित होने के बाद एक बड़ी समस्या पैदा हो गई है यहां नैनपुर रेलवे स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार पर रेलवे के द्वारा टिकट काउंटर बनाया गया है जहां टिकट लेने के लिए यात्रियों की लंबी लंबी कतार लग रही है जिसके बीच यात्रियों को स्टेशन के अंदर प्रवेश करने में काफी बड़ी तकलीफों का सामना करना पड़ रहा है कभी-कभी देखने को मिलता है कि टिकट लेने यात्रियों एवं स्टेशन में प्रवेश करने वाले यात्रियों के बीच विवाद की स्थिति भी बन रही है।

आज सुबह से मौसम के बदले मिजाज हुई हल्की बूंदाबांदी

किसान हुए परेशान, उपार्जन केन्द्रो पर रखे गेहूं को ढंका

बरेली। अचानक मौसम बदलने से समर्थन मूल्य के खरीदी केंद्रों पर खुले में रखे गेहूं पर खतरा मंडरा रहा है गुरुवार को सुबह 7 बजे बदलते मिजाज के चलते बिन मौसम बारिश शुरू हो गई 10 मिनट हुई गड़गड़ाहट के साथ बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी खरीदीं केन्द्रो पर तुलाई के लिए रखा गेहूं को बारिश से बचाने के लिए किसान उपज को ढांकते दिखाई दिए 10 मिनट बाद मौसम भी साफ हो गया लेकिन अचानक शुरू हुई बारिश ने अरफतरफी मचा दी लेकिन पूरे दिन बादल बने रहे गौरतलब है कि किसान का गेहूं उपार्जन केन्द्रो पर तुलाई के लिए रखा है कई किसानों का गेहूं तुल चुका है तो कई कई किसान लगभग 15 दिनों से अपनी उपज की तुलई के नंबर आने का इंतजार कर रहे हैं ऐसे किसानों के लिए बदलता मौसम और बारिश और चिंता बढ़ा देती है जब तक गेहूं की तुलाई ना हो जब तक किसान को अपने गेहूं की स्वयं सुरक्षा करना होता है खरीदी केंद्रों पर भी ऐसे कोई सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं होते जिससे बारिश से गेहूं को बचाया जा सके किसान स्वयं अपनी-अपनी ताल पत्री से गेहूं को ढंकता है और बारिश से बचाने के प्रयास करता है7

देलाबाड़ी घाट पर मैजिक अनियंत्रित हो नीचे जा गिरा

3 महिलाओं की मौके पर मृत्यु, 7 गंभीर घायल बच्चों सहित बृद्धजनो को किया रिफर

औबेदुल्लागंज। बुधवार दोपहर देलवाड़ी घाट पर अत्यंत दुःखद हादसा हो गया। मैजिक लागभग 15 सवारियों के साथ घाट से नीचे खाई में जा गिरा, गनीमत रही कि खाई में ज्यादा गहरी नही थी परंन्तु 03 महिलाओं की मृत्यु मौके पर ही हो गई।देलवाड़ी घाटी जो, सलकनपुर रास्ते के मोड़ पड़ती है वहां, मैजिक अनियंत्रित हो दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटनाग्रस्त लाल मैजिक में 15 लोग एक ही परिवार के बताये जा रहे हैं। उक्त दुर्घटना का बड़ा कारण ओवरलोडिंग है। उक्त दुर्घटना में 03 महिलाओं की मौके पर ही मृत्यु हो गई वहीं,07 लोगों को शासकीय अस्पताल औबेदुल्लागंज से भोपाल रिफर कर दिया गया।

उक्त सभी मृतक महिलाएं एवं घायल भोपाल, नर्मदापुरम एवं गुनगा के निवासी बताये जा रहे हैं।

घायलों की जानकारी इस प्रकार है–

प्रिंस/नरेंद्र 05 वर्ष, प्रीति/नरेंद्र 30 वर्ष, राजा 26 वर्ष, रतन बाई/भोजराज 60 वर्ष, माखन /रचित 07 वर्ष, चन्दा बाई/राघुवीर 45 वर्ष, अंजलिबाई/भैरोसिंह 50 वर्ष को भोपाल रिफर किया गया वहीं, अन्य घायलों में मलखान/लोकेश/मंजू 07 वर्ष, भोजराज/जगन्नाथ 60 वर्ष, मंजूश्री/डालचंद्र 45 वर्ष, तिरूपति/रामसिंह 15 वर्ष, पिंकी/धन सिंह 30 वर्ष, सुनीता/रामसिंह 35 वर्ष, लीलाबाई/सीताराम 60 वर्ष को शासकीय औबेदुल्लागंज अस्पताल में उपचार दिया गया है।

मामले की गंभीरता को समझते हुए स्थानीय विधायक सुरेंद्र पटवा औबेदुल्लागंज सभी घायलों से मिलने पहुंचे। बता दें कि भोजपुर विधायक सुरेंद्र पटवा को उक्त दुर्घटना की ख़बर लगी, तुरंत नगर परिषद की महत्वपूर्ण बैठक छोड़कर अस्पताल पहुंचे एवं घायलों के उचित उपचार के चिकित्सकों को निर्देश दिये। घटना स्थल से अस्पताल तक एसडीओपी मलकीत सिंह, एसडीएम प्रमोद कुमार गुर्जर एवं थाना प्रभारी संदीप चौरसिया मौजुद रहे। घटना स्थल औबेदुल्लागंज थाना क्षेत्र में आता है या फिर रेहटी थाना क्षेत्र में यह सीमांकन का मामला है परंन्तु दोनों थानों की मदद तीन महिलाओं को छोड़कर अन्य लोगों की जाने बचाई जा सकीं। प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो, रेहटी पुलिस, औबेदुल्लागंज पुलिस, प्रशासनिक अमले एवं आम राहगीरों की मदद से सभी घायलों को उपचार के लिए चिकित्सालय पहुंचाने में मदद की गई। मृतक महिलाओं को जब-तक प्राथमिक उपचार के लिए शासकीय अस्पताल औबेदुल्लागंज लाया जाता, तब-तक उनकी सांसें आना बंद हो गई थीं। दुर्घटनाग्रस्त सभी लोग एक परिवार के थे जो, भोपाल से होशंगाबाद जा रहे थे।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिसअधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह के मार्गदर्शन मे एवं अनुविभागीय अधिकारी सोहागपुर नेतृत्व में

पुलिस अधीक्षक निर्देशन में थाना माखन नगर पुलिस द्वारा 21 किलो 146 ग्राम गांजा जप्त, आदतन

नर्मदापुरम। पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरन सिंह के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिसअधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह के मार्गदर्शन मे एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) सोहागपुर चौधरी मदन मोहन समर के नेतृत्व में थाना माखन नगर पुलिस द्वारा आरोपी विष्णु उर्फ चतुर्वेदी भदौरिया पिता शिवसिंह भदौरिया उम्र 35 साल निवासी 12 बंगला गायत्री मंदिर के पीछे इटारसी को अवैध मादक पदार्थ 21 किलो 146 ग्राम गांजा (कुल कीमत 03 लाख 15 हजार रूपये) के साथ गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। घटना इस प्रकार हैं कि थाना माखन नगर में दिनांक 19/04/20 23 को विश्वनीय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि इटारसी का रहने वाला विष्णु भदौरिया जिसकी उम्र करीब 30-35 वर्ष करीब है। जो अपने हाथ में लिए ट्रोली बेग में अवैध मादक पदार्थ गाँजा लेकर बेचने के लिये तवापुल के पास बस से उतर कर ग्राम मोहासा तरफ जा रहा है। यदि तुरंत जाकर कार्यवाही की जावे तो सफलता मिलने की पूर्ण संभावना है। सूचना पर माखन नगर पुलिस द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुये मुखबिर द्वारा बताये हुये स्थान पर पहुचे जहां पर मुखबिर द्वारा बताये हुलिये के अनुसार एक व्यक्ति अपने हाथ में स्लेटी कलर की ट्रोली बेग लिये खड़ा था, जो पुलिस को अपनी तरफ आता देख भागने का प्रयास करने लगा, जिसे तुरंत ही घेरा बंदी कर पकड़ा। जिसका नाम पता पूछने पर अपना नाम विष्णु उर्फ चतुर्वेदी भदौरिया पिता शिवसिंह भदौरिया उम्र 35 साल निवासी 12 बंगला गायत्री मंदिर के पीछे इटारसी का होना बताया। जिसके कब्जे से अवैध मादक पदार्थ 21 किलो 146 ग्राम गांजा कीमती करीबन 03 लाख 15 हजार रूपये का जप्त कर मौके कीकार्यवाही उपरांत आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये अपराध क्रमांक 198/2023 धारा 8/20 एन डी पी एस एक्ट का कायम कर आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया जाता है। उक्त आरोपी के विरुद्ध कई आपराधिक प्रकरण दर्ज होकर जिला बदर भी हुआ है। आरोपी का आर्थिक अन्वेषण किया जा रहा है। अवैध मादक पदार्थ 21 किलो 146 ग्राम गांजा (कुल कीमत 13 लाख 15 हजार रूपये) एवं वारदात का तरीका, आरोपी द्वारा अवैध मादक पदार्थ 21 किलो 146 ग्राम गांजा (कुल कीमत 03 लाख 15 हजार रूपये) का माखन नगर क्षेत्र में लाकर बेचने की फिराक में था। उक्त कार्यवाही में

उल्लेखनीय भूमिका निरीक्षक प्रवीण कुमार कुमरे, उनि हरछठ ठाकुर, सउनि शिव दयाल साहू, प्र. आर. प्रीतम बावरिया, प्र. आर. दीपक जनीरिया, आर. आयुष चौबे, आर. कपिल जाट, आर. रवि कुशवाह, आर. जगजीत भाटिया, आर. महेंद्र सिंह धुर्वे, आर. मनीष सोनी की मुख्य भूमिका रही।

लाडली बहना के लिए अपर आयुक्त के द्वारा बैंक वालों के साथ फिर से की गई गांधीगिरी

ग्वालियर। लाडली बहना योजना में नगर निगम ग्वालियर के द्वारा 125000 लाडली बहनों का पंजीयन किया जा चुका है एवं यह पंजीयन कार्य सुबह 7ः00 से रात के 9ः00 तक नगर निगम के कर्मचारियों के द्वारा लगातार किया जा रहा है। नगर निगम ग्वालियर की स्थिति प्रदेश के 16 अन्य नगर निगम के तुलना में तीसरे स्थान पर है। परंतु लाडली बहना के पंजीयन के बाद बेंकों के द्वारा महिलाओं के साथ में सहयोग नहीं किया जा रहा है क्योंकि किसी भी लाड़ली बहना को योजना का तभी लाभ मिल पाएगा जब उसका बैंक या पोस्ट ऑफिस में व्यक्तिगत नाम से एकल खाता हो एवं उक्त खाते में आधार लिंक व डीबीटी इनेबल्ड हो। इस कारण से बैंकों में एवं पोस्ट ऑफिस में भारी संख्या में महिलाएं अपने नए खाते खुलवाने या आधार लिंक करवाने या डीबीटी इनेबल करवाने के लिए पहुंच रही है

19 अप्रैल को वार्ड 50 के पार्षद अनिल सांखला जी के द्वारा नगर निगम ग्वालियर अपर आयुक्त मुकुल गुप्ता को सूचना दी गई कि भारतीय स्टेट बैंक महाराज बड़ा ब्रांच में महिलाओं को परेशान किया जा रहा है एवं उनको सुबह 7ः00 बजे से खड़ा करके काम बहुत ही धीमी गति से किया जा रहा है इससे बहुत सारी महिलाएं अनावश्यक रूप से परेशान हो रही है। सूचना मिलने पर अपर आयुक्त मुकुल गुप्ता नगर निगम के स्वास्थ्य एवं सफाई के अमले के साथ भारतीय स्टेट बैंक की महाराज बड़ा ब्रांच में पहुंचे एवं इस संबंध में भारतीय स्टेट बैंक के सहायक महाप्रबंधक रमेश झ से चर्चा की गई और उनसे आग्रह किया गया कि इतनी बड़ी ब्रांच में केवल एक महिला क्लर्क के द्वारा लाडली बहनों का डीबीटी कार्य नहीं किया जा सकता अतः आपको इसके लिए अतिरिक्त स्टाफ बैठाना चाहिए। जिस संबंध में बैंक के सहायक महाप्रबंधक श्री रमेश झा द्वारा स्पष्ट रूप से मना कर दिया कि उनके पास कोई अतिरिक्त कर्मचारी नहीं एवं इस संबंध मे आप हमारे सीनियर ऑफिसर से या भोपाल में बात करें। इस पर अपर आयुक्त मुकुल गुप्ता के द्वारा उनसे कहा गया कि यह कार्य स्वयं सहायक महाप्रबंधक का है कि वह अपने सीनियर ऑफिसर से बात करें या किसी अन्य कार्य के स्टाफ को लाडली बहनों के कार्य में संलग्न करें। नगर निगम ग्वालियर का कार्य शहर की सफाई व्यवस्था का है वह उनके द्वारा कराया जा सकता है। इसके पश्चात नगर निगम ग्वालियर के स्वास्थ्य अधिकारी श्री भीष्म पमनानी, डिपो प्रभारी श्री विष्णु, डब्ल्यूएचओ विक्रम के नेतृत्व में सफाई स्टाफ के द्वारा ब्रांच में जेंटिग मशीन, फागिंग मशीन, सैनिटाइजर मशीन बुलवाकर सफाई का *विशेष अभियान चलाकर गांधीगिरी का मैसेज बैंक स्टाफ को दिया गया और उनसे आग्रह किया गया* कि जिस प्रकार से तत्परता से नगर निगम ग्वालियर स्वच्छता में काम करता है आप भी इन लाडली बहनों को विशेष सुविधाएं प्रदान करें।

पंचमनगर सिंचाई परियोजना पाइपलाइन मामला सौहार्दपूर्ण समाधान से नही सुलझा तो दर्जनो गांवों में होगी सिंचाई बाधित

दमोह। दमोह पंचमनगर परियोजना की पाइप लाइन और इसके रास्ते में मिलने वाली हैडलबर्ग सीमेंट फैक्ट्री और पाइप लाइन के रास्ते को लेकर खबरे सामने आती रहीं।

मामला पाइप लाइन बिछाने वाली कंपनी और सीमेंट कंपनी के बीच प्रतीत होता है।जिसके कारण परियोजना में देरी हो रही है। पथरिया क्षेत्र में कुछ लोगों का ऐसा भी कहना था कि एक सीमेंट कंपनी द्वारा पाइपलाइन बिछाने पर आपत्ति जताने के कारण परियोजना का काम रुक गया। मामला सीमेंट कंपनी द्वारा कुछ हेक्टेयर भूमि के माध्यम से पाइपलाइन बिछाने की आपत्ति करने के साथ का बताया गया।वैसे तो इस परियोजना से दर्जनों गांवों के लगभग हजारों किसानों को लाभान्वित करने और बुंदेलखंड के सागर-दमोह क्षेत्र के गांवों को पीने योग्य पानी की आपूर्ति करना रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समस्या का हल नहीं निकल पाया तो किसानों को पानी नहीं मिल पाएगा। पंचमनगर सिंचाई परियोजना की पाइपलाइन कार्य शीघ्र न होने या रास्ता बदलने के कारण पथरिया तहसील के 23 गांवों में सिंचाई बाधित होगी और परियोजना भी संकट में आ जाएगी।

इस संबंध में सीमेंट फैक्ट्री के ए जी एम दीपक ठाकुर का कहना था कि यह पंचमनगर पाइपलाइन सिंचाई परियोजना के संबंध में नियमित रूप से प्रकाशित होने वाली खबरों के संदर्भ में है, जो माइसेम सीमेंट कारखाने के खनन पट्टा क्षेत्र से गुजरने के लिए प्रस्तावित है। कुछ लेखों में माइसेम सीमेंट के खिलाफ आरोप लगाया गया है कि खनन पट्टा क्षेत्र के माध्यम से पाइप लाइन बिछाने में बाधा डालने के कारण 23 गांवों को नुकसान हुआ है। सबसे पहले यह स्पष्ट किया जा रहा है कि लगाए गए आरोप तथ्यात्मक रूप से सही नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अनुसार प्रारंभ नहीं की गयी है। भूमि अधिग्रहण के लिए प्रारंभिक रिपोर्ट में खनन पट्टे के अस्तित्व का उल्लेख नहीं है जिसमें प्रचलित मुद्दे का वास्तविक कारण है। यह कि, सिंचाई परियोजना के लिए भूमि के प्रस्तावित अधिग्रहण के लिए सर्वेक्षण करते समय अधिकारी एक बहुत ही प्रासंगिक तथ्य पर विचार करने में विफल रहे हैं कि, भूमि का एक बड़ा हिस्सा माइसेम सीमेंट के स्वामित्व में है, जो कि एक वैध खनन पट्टा क्षेत्र का हिस्सा है और है पहले से ही खनन किया जा रहा है और सीमेंट के निर्माण के लिए चूना पत्थर का उपयोग किया जा रहा है। माइसेम सीमेंट के संयंत्र के संचालन में लगभग 2000 लोग प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से कार्यरत हैं। खनन क्षेत्रों की भूमि का अधिग्रहण महत्वपूर्ण रूप से संयंत्र की व्यवहार्यता को कम करेगा क्योंकि चूना पत्थर सीमेंट के निर्माण के लिए मुख्य सामग्री है। माइसेम सीमेंट केवल सरकारी अधिकारियों से इस मुद्दे का सौहार्दपूर्ण समाधान चाहती है। यह मामला जबलपुर उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित है और सुनवाई की तिथि 27.1.2023 को उच्च न्यायालय ने सरकारी अधिकारियों सहित सभी पक्षों को सौहार्दपूर्ण समाधान खोजने का निर्देश दिया जो पहले से ही प्रक्रिया में है ढ्ढ

जाहिर सूचना

आज दिनांक 06/04/2023 को मेरे द्वारा उपपंजीयक कार्यालय भोपाल में 30 वर्ष (1993 से 2023) तक का सर्च रिकार्ड इण्डेक्स 2 एवं कम्प्यूटर पर अवलोकन करने के पश्चात यह सर्च रिपोर्ट जारी की जाती है कि कुमारी पारूल पाण्डेय पत्नी / पुत्री श्री पी. के. पाण्डेय रजिस्ट्री पर दर्जानुसार पता-बी / 16, कस्तूरबा नगर, भोपाल मध्यप्रदेश के है एवं उनकी सम्पत्ति (रजिस्ट्री पर दर्जानुसार) एक प्लाट क्रमांक- 81 डी जो कि खसरा क्रमांक-68/1/1/ 2-ख, 73/1/1, 73 / 1 / 2-डी का अंश भाग है जो ग्राम नयापुरा पटवारी हल्का नंबर 38 रा.नि.मं. 04 मिसरोद तहसील हुजूर जिला भोपाल जिसकी चौहद्दी इस प्रकार से है-पूरब में रोड 30 फिट चौडा, पश्चिम में खुली भूमि संस्था की, उत्तर में रोड 60 फिट,चौड़ा, दक्षिण में- प्लाट नंबर 80 जिसकी माप 40 गुणित 60 बराबर 2400 वर्गफिट है। जिसे उक्त सम्पत्ति मालिक ने रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के माध्यम राजवेद गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित भोपाल पंजीयन क्रमांक-डी.आर.बी- 451 दिनांक 19.06.1985 द्वारा उपाध्यक्ष रामसिंह आत्मज श्री हल्कुप्रसाद निवासी - 273 सेवा सदन पंचशील नगर भोपाल मध्यप्रदेश से क्रय किया था, जिसका इन्द्राज उपपंजीयक कार्यालय में पुस्तक नंबर अ-1, दस्तावेज क्रं. 334 ग्रन्थ नंबर - 6717, पृष्ठ 03 अर्थात 10 से 12 तक दिनांक- 20.04.1990 पर पंजीबद्ध होना पाया गया है।उक्त संबंध में किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अन्दर लिखित एवं साक्ष्य/दस्तावेजो के साथ के साथ इस कार्यालय को अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात कोई भी दावा/ आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी

प्रकाश अय्यर (एडवोकेट)
शॉप नंबर 01, श्री साई कृपा लॉ चेम्बर
पुरानी विधानसभा के सामने भोपाल

अलकापुरी गृह निर्माण सहकारी समिति (मर्या.), भोपाल

कार्यालय-पम्प हाऊस अलकापुरी, भोपाल 462024 म.प्र.

क्रमांक/अ. गृ.नि.स./34/2023 दिनांक 19.04.2023

सूचना

अलकापुरी गृहनिर्माण सहकारी समिति मर्यादित, भोपाल (पंजीयन क्रमांक डीआरबी 157) के सभी सम्मानीय सदस्यों को सूचित किया जाता है कि समिति की वार्षिक साधारण आम सभा का आयोजन दिनांक 05.05.2023 दिन शुक्रवार सायं 5.30 बजे समिति कार्यालय पम्प हाउस में किया जाना निर्धारित किया गया है। सभा का एजेण्डा आपको भेजे गये सूचना पत्र में एवं कार्यालय के सूचना पटल पर उपलब्ध है।

पुरुषोत्तम शर्मा
अध्यक्ष
अलकापुरी गृहनिर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, भोपाल

नया टीवी चैनल स्टार गोल्ड थ्रिल्स पेश करता है हॉलीवुड फिल्में हिंदी में डीडी फ्रीडिश पर

छिंदवाडा। डिज्नी स्टार नेटवर्क द्वारा हाल ही में लॉन्च किए गए चैनल स्टार गोल्ड थ्रिल्स पर हिंदी में रूपांतरित की गई अंग्रेजी फिल्मों का डीडी फ्री डिश के जरिए आनंद लिया जा सकता है। स्टार गोल्ड थ्रिल्स भारत का पहला हिंदी फिल्म चैनल है जो रूपांतरित की गई अंतरराष्ट्रीय फिल्मों को प्रसारित करने के लिए समर्पित है और हॉलीवुड और अन्य अंतरराष्ट्रीय फिल्मों को भारतीय फिल्म प्रेमियों के लिए घर बैठे उनकी पसंदीदा भाषा हिंदी में उपलब्ध कराता है! स्टार गोल्ड थ्रिल्स पर दर्शक अब अंग्रेजी फिल्मों की सबसे बड़ी लाइब्रेरी को हिंदी में देख सकते हैं। नए चैनल में एक्शन, एडवेंचर-फैंटेसी, एनिमेशन, दैत्याकार जंतुओं वाली, डरावनी, काल्पनिक वैज्ञानिकता-आधारित मूवीज और अब तक की सबसे बड़ी सुपरहीरो मूवीज जैसे आयरन मैन, कैप्टन अमेरिका, बैटमैन और सुपरमैन जैसी फिल्में हैं। स्टार गोल्ड थ्रिल के पास मार्वल और डीसी, मिशन इम्पॉसिबल, गॉडज़िला, एक्स-मेन, ट्रांसफॉर्मर्स, डाई हार्ड और पाइरेट्स ऑफ द कैरेबियन की सर्वश्रेष्ठ फिल्मों की सबसे बड़ी फ्रेंचाइजी भी उपलब्ध है। स्टार गोल्ड थ्रिल्स के पास हिंदी में रूपांतरित की गई अंतरराष्ट्रीय फिल्मों की सबसे बड़ी लाइब्रेरी है। क्योंकि गर्मी की छुट्टियां नजदीक हैं, इसलिए बच्चों को स्टार गोल्ड थ्रिल्स के साथ विशेष आनंद आने वाला है।

मिनरल्स संबंधी जरूरतों को पूरा करने के 5 जरूरी टिप्स

नई दिल्ली। हम एक ऐसी दुनिया में रहते हैं जहां समयबहुत कीमती है। जैसे-जैसे हम जिंदगी को मैनेज करने और कई जरूरी कामों को निपटाने पर फोकस करते हैं, अपने स्वास्थ्य की अनदेखी करने लगते हैं। सेहत की अनदेखी करते हुए हम अपने शरीर की देखभाल करना भूल जाते हैं। पर्याप्त देखभाल नहीं होने से हमारा शरीर परेशानियों का शिकार होने लगता है। वर्तमान समय में स्वास्थ्य एवं कल्याण को लेकर बढ़ती जागरूकता के दम पर हम यह जानते हैं कि हमारे शरीर में विटामिन एवं मैक्रोन्यूट्रिएंट्स को संतुलित करना कितना जरूरी है। खनिज एवं विभिन्न पोषक तत्वों का संतुलन भी हमारे शरीर के सही तरह से काम करते रहने के लिए इतना ही जरूरी है। बहुत सूक्ष्म मात्रा में होने के बावजूदखनिजों का शरीर के स्वास्थ्य पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। ये छोटे पावरहाउस की तरह होते हैं, जो शरीर की कई गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हड्डियों की मजबूती, नर्व फंक्शन, मसल कॉन्ट्रैक्शन, एंजाइम एक्टिविटी, त्वचा एवं बालों का स्वास्थ्य, ब्लड प्रेशर को नियमित रखने, इम्यून सिस्टम को बेहतर करने समेत कई गतिविधियों में इनकी भूमिका होती है।

अमेजन किंडल डायरेक्ट पब्लिशिंग ने की पेन टू पब्लिश कॉन्टेस्ट के पांचवें एडिशन के विजेताओं की घोषणा

मुंबई। अमेजन की सेल्फ-पब्लिशिंग सर्विस किंडल डायरेक्ट पब्लिशिंग (केडीपी) ने अपने प्रमुख कॉन्टेस्ट पेन टू पब्लिश के पांचवें वर्ष के परिणामों की घोषणा की है। इस कॉन्टेस्ट को महत्वाकांक्षी लेखकों से शानदार प्रतिक्रिया प्राप्त हुई है, जिन्होंने 5जूरी सदस्यों के एक सम्मानित पैनल के सामने अपनी ई-बुक्स को प्रस्तुत किया। केडीपी पेन टू पब्लिश कॉन्टेस्ट विभिन्न शैलियों में से ल्फ-पब्लिश्ड लेखकों को साहित्यिक रूप से पहचान दिलाती है। इस कॉन्टेस्ट के जरिय, केडीपी ने अंग्रेजी, हिन्दी और तमिल तीनों प्रतिभागी भाषाओं में से प्रत्येक में 11-11 सेल्फ-पब्लिश्डई-बुक्स का चयन किया। शीर्ष 3 विजेताओं में से प्रत्येक को एक लाख रुपए का नकद पुरस्कार दिया गया, और तीनों भाषाओं में प्रत्येक प्रथम उपविजेता को 50,000 रुपए का पुरस्कार दिया गया।

भोपाल चेम्बर आफ कामर्स के अध्यक्ष तेजकुलपाल सिंह पाली ने केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री डा. भागवत किशनराव किरार से मुलाकात की। इस अवसर पर चैम्बर के अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

मरेंगो सिम्स अस्पताल ने किडनी की बीमारी के रोगियों के लिए एक एडवान्स्ड हेमोडायलिसिस युनिट की शुरुआत की

अहमदाबाद। मरेंगो सिम्स अस्पताल ने किडनी की बीमारी के रोगियों में नई आशा जगाने के लिए एक एडवान्स्ड हेमोडायलिसिस युनिट की शुरुआत की है। एडवान्स्ड हेमोडायलिसिस युनिट डॉ. सिद्धार्थ मावाणी, डिरेक्टर, नेफ्रोलॉजी और किडनी प्रत्यारोपण, मरेंगो सिम्स अस्पताल, डॉ. मयूर पाटिल, कन्सल्टन्ट नेफ्रोलॉजिस्ट, मरेंगो सिम्स अस्पताल, नेफ्रोलॉजिस्ट और प्रत्यारोपण चिकित्सक डॉ. पंकज शाह और डॉ. रेचल शाह के विशेषज्ञ मार्गदर्शन में काम करेगी। किडनी की विफलता के रोगियों की देखभाल के लिए मौजूदा सुविधा को मजबूत करने के लिए, अस्पताल स्वास्थ्य सुविधा के परिसर में एक नए, बड़े और बेहतर हेमोडायलिसिस युनिट के साथ आया है। अस्पताल ने

अस्पताल में 45000 से अधिक डायलिसिस देखे हैं और अब तक 54 किडनी प्रत्यारोपण किए हैं। नया सेन्टर 12 डायलिसिस स्टेशनों के साथ एक अस्पताल-आधारित युनिट है और नवीनतम डायलिसिस मशीनों और आरओ प्लांट से सुसज्ज है।

सीबीयूडी एप्प से दूरसंचार कंपनियों को अब खुदाई की मिलेगी अनुमति

मध्यप्रदेश में 9 विभागों के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

भोपाल। दूर संचार सेवाओं के लिए सड़कों आदि की खुदाई के लिए एजेंसियाँ अब सीबीयूडी एप्प पर अनुमति प्राप्त कर कार्य कर सकेंगी। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने दूरसंचार सेवाओं के तेजी से विस्तारीकरण के लिए गत 22 मार्च को काल बिफोर यू डिग सीबीयूडी एप्प का शुभारंभ किया और एप्प से संबंधित कार्यवाही करने में मध्यप्रदेश के देश में प्रथम रहने पर सराहना की थी।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख सचिव निकुंज श्रीवास्तव ने बताया है कि दूरसंचार संरचना विकसित करने वाली सेवा प्रदाता कंपनियों को सामान्यत- नगरीय विकास एवं आवास, जल संसाधन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, राजस्व, खनिज साधन, वन, ऊर्जा, लोक निर्माण और पर्यावरण जैसे 9 विभाग से अनुमति लेनी होती है। राज्य शासन ने इन विभागों के लिए एक-एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। श्रीवास्तव ने बताया कि अब इस एप्प में कंपनियाँ अपना नामांकन करेंगी और स्वीकृति प्राप्त होने के बाद खुदाई कार्य कर सकेंगी।

प्रमुख सचिव श्री श्रीवास्तव ने बताया कि दूर संचार सुविधा नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं में शामिल है। केन्द्र सरकार द्वारा देश के नागरिकों को दूरसंचार सुविधायें उपलब्ध कराये जाने के कार्य प्राथमिकता से कराये जा रहे हैं। इसी के दृष्टिगत प्रदेश में दूरसंचार अवसंरचनाओं/ सुविधाओं का विस्तार प्राथमिकता से किया जा रहा है। इसके लिए दूरसंचार अवसंरचना / सुविधा सेवा प्रदाताओं द्वारा भूमिगत ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाने के लिए आवश्यकतानुसार खुदाई / उत्खनन का कार्य किया जाता है। खुदाई के दौरान पूर्व में स्थापित आधारभूत संरचना क्षतिग्रस्त होती है तथा इससे समय एवं धन का अपव्यय होता है। अब सीबीयूडी एप्प से सारी प्रक्रिया आसान हो जाएगी।

उल्लेखनीय है कि भूमिगत खुदाई से संसाधनों को क्षति होने से बचाव के लिए केन्द्र सरकार के संचार मंत्रालय, दूरसंचार विभाग ने काल बीफोर यू डिग(सीबीयूडी)एप बनाया है। इस एप पर विभिन्न एजेन्सियों द्वारा भूमिगत खुदाई करने से पूर्व संबंधित क्षेत्र/स्थान का विस्तृत विवरण देना होता है। इस एप पर दर्ज प्रविष्टियों के अवलोकन एवं निगरानी के लिए जिलों में कार्यरत दूरसंचार अवसंरचना सेवा प्रदाताओं एवं भारत सरकार तथा राज्य शासन के संबंधित कार्यालयों के अधिकारियों से सम्पर्क/समन्वय स्थापित कर सुसंगत अनुमति आनलाइन ले सकेंगी।

सैमसंग ने गैलेक्सी एम 14 5जी का अनावरण किया, जो 50 एमपी ट्रिपल कैमरा, 6000एमएएच बैटरी और 5 एनएम प्रोसेसर आदि खूबियों के साथ मात्र 13490 रुपयों से शुरू

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने गैलेक्सी एम 14 5जी को लॉन्च किया है, जिसमें 50एमपी ट्रिपल कैमरा, इस सेगमेंट की सबसे बेहतर 6000 एमएएच बैटरी, 5 एनएम प्रोसेसर के साथ और भी कई विशेषताएं हैं जो आपको सबसे बेहतरीन स्मार्टफोन का अनुभव देगा। गैलेक्सी एम 14 5जी को आपके सबसे अच्छे साथी के तौर पर डिजाइन किया गया है। राहुल पाहवा, डायरेक्टर, मोबाइल बिजनेस, सैमसंग इंडिया ने कहा - गैलेक्सी एम सीरीज़ हमारे सभी उपभोक्ताओं के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सैमसंग की अटूट प्रतिबद्धता का एक बड़ा प्रयास है। 2019 में लॉन्च होने के बाद से, गैलेक्सी एम सीरीज़ को भारत में लाखों उपभोक्ताओं का प्यार और सराहना मिली है।इस विरासत को आगे बढ़ाते हुए, हमें गैलेक्सी एम 14 5जी को पेश करने पर बेहद गर्व महसूस हो रहा है, जो 50एमपी ट्रिपल कैमरा, 5एनएम प्रोसेसर,

6000 एमएएच बैटरी और 13 5जी बैंड सपोर्ट जैसी इस सेगमेंट की बेहतरीन विशेषताओं के साथ आता है, जो इसे मॉन्स्टर 5जी डिवाइस बनाता है। गैलेक्सी एम 14 5जी13,490 रुपये से शुरू होने वाली प्रभावी कीमत पर उपलब्ध है जो एक सेगमेंट को हिला देने वाली कीमत है।

मॉन्स्टर विलक

गैलेक्सी एम 14 5जी में 50 एमपी का ट्रिपल कैमरा है। स्र1.8 लेंस लो-लाइट फोटोग्राफी को बहुत स्पष्टता के साथ सक्षम बनाता है। शानदार सेल्फी के लिए डिवाइस में 13 एमपी का फ्रंट कैमरा भी है। तो, चाहे आप शौकिया फ़ोटोग्राफर हो या पेशेवर फोटोग्राफर, गैलेक्सी एम 14 5जी का शानदार कैमरा आपको शानदार तस्वीरें देगा।

मॉन्स्टर पावर

अपनी विशाल 6000 एमएएच बैटरी के साथ, गैलेक्सी एम 14 5जी एक पावर मॉन्स्टर है जो बिना चार्ज किए लगातार 2 दिनों तक चल सकता है।आप अपनी बैटरी लाइफ की चिंता किए बिना घंटों तक नॉनस्टॉप ब्राउज और बिंज कर सकते हैं।स्मार्टफोन 25 डब्ल्यू फास्ट चार्जिंग को भी सपोर्ट करता है जो आपके फोन को कुछ ही देर में रिचार्ज कर सकता है।

मॉन्स्टर प्रदर्शन

गैलेक्सी एम 14 5जी एक परफॉर्मेंस मॉन्स्टर है, इस सेगमेंट में सबसे बेहतर 5एनएम एक्सीनॉस 1330 प्रोसेसर है। यह चिपसेट एक बेहतर प्रदर्शन प्रदान करता है जिससे उपयोगकर्ता बिना किसी रुकावट के एक साथ कई काम कर सकते हैं। इसमें एक प्रभाशाली पावर सीपीयू संरचना भी है और बेहतर गेमिंग अनुभव के लिए यह इतनी साफ,स्पष्ट और आधुनिक रूप से बढ़िया 3डी ग्राफिक्स प्रदान करता है, की आप उसमें कहीं खो जाएंगे।इतना ही नहीं, गैलेक्सी एम 14 5जी रैम प्लस फीचर के साथ 12 जीबी तक रैम के साथ आता है।

अक्षय तृतीया के मौके पर PhonePe पर सोना खरीदने पर पाएं निश्चित कैशबैक

नई दिल्ली। भारत के प्रमुख डिजिटल पेमेंट प्लैटफ़ॉर्म ष्ठह्ल ने अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर आज एक रोमांचक ऑफ़र की घोषणा की। PhonePe 22 अप्रैल, 2023 को उसके ऐप के ज़रिए डिजिटल गोल्ड खरीदने पर निश्चित कैशबैक ऑफ़र करेगा। ऐप पर ग्राहक, बिना किसी मेकिंग चार्ज के सबसे ज़्यादा शुद्धता वालाट्ट 24 कैरेट सोना मुफ़्त स्टोरेज के साथ खरीद सकते हैं। खरीदा गया सोना, ग्राहक की तरफ़ से पार्टनर, बीमा किए गए बैंक स्तर के लॉकर में सुरक्षित रखते हैं। PhonePe 22 अप्रैल को 1 ग्राम या उससे ज़्यादा की सोने की खरीदारी पर 50 रुपये से लेकर 500 रुपये तक निश्चित कैशबैक मिलेगा। सिर्फ़ PhonePe ही ऐसा डिजिटल पेमेंट ऐप है जो डिजिटल गोल्ड के क्षेत्र की प्रमुख और भरोसेमंद कंपनियों MMTC PAMP और SafeGold दोनों से, आपको ज़्यादा शुद्धता वाला सोना उपलब्ध कराता है।

PhonePe ऐप पर सोना खरीदने के ये फ़ायदे हैं-

1. निश्चित तौर पर ज़्यादा शुद्धता- ग्राहक PhonePe पर, पार्टनर की तरफ़ से ऑफर किया जाने वाला 99.99% प्रमाणित शुद्धता का 24 कैरेट सोना खरीद सकते हैं।
2. सुविधा-ग्राहक अपने घर में बैठे-बैठे किसी भी समय डिजिटल गोल्ड खरीद सकते हैं। स्टोर करके रखा गया सोना किसी भी समय बेचने पर मिलने वाला पैसा, 48 घंटों के अंदर उनके बैंक अकाउंट में जमा कर दिया जाता है।
3. बीमा से सुरक्षित बैंक ग्रेड के लॉकर में स्टोरेज- डिजिटल तरीके से खरीदे गए, प्रमाणित 24 कैरेट के सोने पर कोई मेकिंग चार्ज नहीं और इसे बैंक ग्रेड के गोल्ड लॉकर में बिना किसी शुल्क के सुरक्षित रखा जाता है।
4. किसी भी राशि के साथ निवेश करें- ग्राहकों को अपनी पसंद की किसी भी राशि के साथ डिजिटल गोल्ड में निवेश करने की सुविधा मिलती है।

एक बार की खरीदारी के अलावा, PhonePe हर भारतीय को स्ट्रक्क के ज़रिए डिजिटल रूप से सोने में निवेश करने की सुविधा देता है और ग्राहकों को व्यवस्थित रूप से लंबी अवधि के निवेश करने में मदद करता है।

दुनिया में Banking Crisis के बीच भारतीय बैंकों के दमदार प्रदर्शन का क्या है राज, FD पर भी मिल रहा तगड़ा ब्याज

नई दिल्ली। हाल के कुछ महीनों में अमेरिका के सिलिकॉन वैली बैंक और सिग्नेचर बैंक डूब गए। साथ ही यूरोप में क्रडिट सुइस बैंक भी डूबने के कगार पर था, जिसे स्विट्जरलैंड सरकार की ओर से बचा लिया गया और एक अन्य बैंक यूबीएस में विलय कर दिया गया है। इन बैंकों के डूबने के कारण दुनिया में वैश्विक अस्थिरता का खतरा एक बार फिर से बढ़ गया है और इसका असर दुनिया के अन्य बैंकों पर भी देखा जा रहा है।

लेकिन इस वैश्विक अस्थिरता का भारतीय बैंक पर बिल्कुल भी असर नहीं दिख रहा है, बल्कि भारतीय बैंक तेजी से ग्रोथ कर रहे हैं और लोन के साथ डिपॉटिज में भी इजाफा हो रहा है। आइए जानते हैं इसके पीछे के कारण क्या है।

भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार- मौजूदा समय में अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी के बाद भारत दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। आईएमएफ की ओर से अनुमान लगाया गया है कि 2023 में भारत की अर्थव्यवस्था 5.9 प्रतिशत, चीन की अर्थव्यवस्था 5.2 प्रतिशत, अमेरिका की अर्थव्यवस्था 1.6 प्रतिशत, जापान की अर्थव्यवस्था 1.3 प्रतिशत और जर्मनी की अर्थव्यवस्था -0.1 प्रतिशत की दर से विकास कर सकती है। यानी दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत सबसे तेजी से विकास कर रहा है। इस कारण कारोबार बढ़ रहा है।

महिन्द्रा युनिवर्सिटी फ्रंटियर्स इन फोटोनिक्स एंड मेटामैटेरियल्सष् विषय पर अंतरराष्ट्रीय भारत-फ्रांस सम्मेलन का आयोजन करेगी

हैदराबाद। नयी दिल्ली, फोटोनिक्स और मेटामैटेरियल्स के क्षेत्र में नवीनतम प्रगति पर चर्चा के लिए भारत और विश्व के बाकी हिस्सों से विशेषज्ञों को एक साथ लाने के लिए महिन्द्रा युनिवर्सिटी 20 अप्रैल से तीन दिवसीय भारत-फ्रांस सम्मेलन की मेज़बानी करेगा। यह सम्मेलन फ्रंटियर्स इन फोटोनिक्स एंड मेटामैटेरियल्स विषय पर आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन का आयोजन महिन्द्रा युनिवर्सिटी-इकोल सेंट्रल स्कूल ऑफइंजीनियरिंग (इंडिया) और इकोल सेंट्रल गरुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस (फ्रांस) द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। फ्रंटियर्स इन फोटोनिक्स एंड मेटामैटेरियल्स अनुसंधानकर्ताओं, अकादमिक क्षेत्र के विशेषज्ञों, युवा वैज्ञानिकों और उद्योग के पेशेवरों के लिए फोटोनिक्स एवं मेटामैटेरियल्स के क्षेत्र में नवीनतम प्रगति पर चर्चा एवं विचारों के आदान प्रदान के लिए एक अंतरराष्ट्रीय प्लेटफॉर्म है। यह सम्मेलन प्रतिभागियों को इस क्षेत्र में विशेषज्ञों के साथ बातचीत करने, अपने अनुसंधान प्रदर्शित करने और गठबंधन की संभावना तलाशने के लिए एक अनूठा अवसर प्रदान करेगा। विद्यार्थियों के लिए यह संभावित नियोक्ताओं या गठबंधन करने वालों के साथ नेटवर्किंग करने, अनुसंधान के नए मार्ग तलाशने और अत्याधुनिक अनुसंधान को समझने और करियर के अवसर तलाशने का एक साधन हो सकता है। यह सम्मेलन ऑप्टिक्स, टेराहर्ट्ज फोटोनिक्स, बायोफोटोनिक्स एवं अन्य ऑप्टिक्स से जुड़े क्षेत्रों में अत्याधुनिक एवं उभरती चुनौतियों को रेखांकित करने के लिए विदेश से और भारत से वैश्विक विशेषज्ञों और अनुसंधानकर्ताओं को एक साथ लाएगा। अगले तीन दिनों के दौरान ओआरसी साउथैंपटन युनिवर्सिटी के प्रोफेसर डेविड पायेन, युनिवर्सिटी डे लिले फ्रांस के प्रोफेसर वाटरलैंड मेनी, मरसेली युनिवर्सिटी, फ्रांस के प्रोफेसर मिगुएल अलोंसो, युनिवर्सिटी ऑफ वाटरलू, कनाडा के प्रोफेसर वेंगु लक्ष्मी नारायणन, एनपीएल नयी दिल्ली के निदेशक प्रोफेसर अचंता गोपाल, टीआईएफआर मुंबई के प्रोफेसर जी रवीन्द्र कुमार, साउथैंपटन युनिवर्सिटी के प्रोफेसर निकोले जेलुदेव और दुनियाभर से कई प्रख्यात वक्ता अपने व्याख्यान देंगे। अधिक सूचना के लिए कृपया ूणबिचिउण्बचउण् पर विजिट करें।

इंडियाज़ बेस्ट डांसर सीज़न 3 के मेगा ऑडिशन में शिवांशु सोनी की दिल छू लेने वाली परफॉर्मेंस देखकर जज सोनाली बेंद्रे की आंखों से छलक पड़े आंसू

मंबई। इंडियाज़ बेस्ट डांसर सीज़न 3 के मेगा ऑडिशन में ऑडिशन राउंड्स के बेस्ट कंटेस्टेंट्स मुकाबले में बने रहने के लिए जी-जान से डांस करते नजर आएंगे। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर इस वीकेंड, दर्शक कंटेस्टेंट्स को सोलो परफॉर्मेंस करते देखेंगे और फिर वे दूसरे कंटेस्टेंट्स के साथ डांस के मुकाबले में उतरेंगे, जहां जज गीता कपूर, सोनाली बेंद्रे और टेरेंस लुइस के लिए सीज़न के बेस्ट बारह को चुनना मुश्किल हो जाएगा। कथक और फ्रीस्टाइल डांस के मिक्स के साथ एक दमदार परफॉर्मेंस देते हुए मध्य प्रदेश के शिवांशु सोनी जुदाई (बदलापुर) गाने पर अपनी सुंदर प्रस्तुति से जज सोनाली बेंद्रे की आंखों में आंसू ला देंगे।जहां सभी जज शिवांशु को स्टैंडिंग ओवेशन देंगे, वहीं सोनाली बेंद्रे की आंखों से आंसू छलक पड़ेंगे और उनके को-जज उन्हें सांत्वना देते नजर आएंगे। बेहद

भावुक होकर सोनाली बेंद्रे कहेंगी, यह परफॉर्मेंस, मैं इसके आगे कुछ नहीं बोल सकती। इसको सिर्फ मैं नमन कर सकती हूं। थैंक यू, थैंक यू! अपनी को-जज सोनाली के कमेंट्स पर गीता कपूर कहेंगी, क्या बात है शिवांशु! थोड़ी-सी नज़ाकत यहां पर भी दे दो। ऐसे ख्यालात मैंने मुद्दत में देखे हैं। यह डांस है! आपने सबसे मुश्किल चीज को इतनी आसानी से पेश कर दिया। आपने स्टेज पर जो नयापन लाया है, इसमें आपका अंदाज़ और आपका व्यक्तित्व निखरकर सामने आया और इसने हमें ठीक अपनी जगह पर प्रभावित किया। बहुत सुंदर! गीता कपूर यह भी बताएंगी कि उन्होंने कभी किसी मेल डांसर को इतनी खूबसूरती से परफॉर्म करते नहीं देखा। टेरेंस लुइस याद करेंगे कि कैसे उन्होंने इस यंग डांसर को मैसेज किया था और अब वो उनकी परफॉर्मेंस को लाइव जज कर रहे हैं। वो यह भी कहेंगे कि पंडित बिरजू महाराज एक ऐसे कलाकार थे, जो बिना कुछ कहे बहुत कुछ कह सकते थे और फिर वे पंडित बिरजू महाराज जैसे इस गुण के लिए शिवांशु की तारीफ करेंगे। शिवांशु के पैरेंट्स भी उन्हें सोने का ब्रेसलेट गिफ्ट करने मंच पर आएंगे। इंडियाज़ बेस्ट डांसर 3 के मेगा ऑडिशन में शिवांशु सोनी की मंत्रमुग्ध कर देने वाली परफॉर्मेंस देखने के लिए बने रहें, इस वीकेंड रात 8 बजे, सिर्फ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर!

ऋण बाजार के विकास को उपभोग-आधारित ऋण ने दी सबसे ज्यादा मजबूती

मुंबई। 'ट्रांसयूनियन सिबिल क्रेडिट मार्केट इंडिकेटर (सीएमआई)' रिपोर्ट के नए संस्करण का कहना है कि उपभोग-आधारित ऋण के समर्थन से भारत के क्रेडिट मार्केट में विकास की गति तेज बनी हुई है। रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि दिसंबर 2022 को समाप्त होने वाली चौथी तिमाही में वर्ल्ड मैक्रोइकॉनॉमिक कारकों को चुनौती देने के बावजूद कर्ज की मांग मजबूत रही। सीएमआई रिपोर्ट का कहना है कि 18-30 आयु वर्ग के ऐसे उपभोक्ताओं में निरंतर तेजी आई है जो कर्ज लेने के लिए नए हैं और कर्ज को लेकर पूछताछ करने में सबसे आगे हैं। वहीं, जहां तक कर्ज की मांग में हिस्सेदारी की बात है, ग्रामीण क्षेत्रों से भी मामूली वृद्धि हुई है। भारत के कर्ज उद्योग को रिटेल क्रेडिट हेल्थ का एक विश्वसनीय और समकालीन बेंचमार्क देने वाली सीएमआई रिपोर्ट के अनुसार दिसंबर 2022 में सीएमआई बेंचमार्क 100 के स्तर पर पहुंच गया, जो 2021 में इसी अवधि में 93 से अधिक था। सीएमआई रिपोर्ट के नए संस्करण के निष्कर्षों पर बोलते हुए ट्रांसयूनियन सिबिल के एमडी और सीईओ श्री राजेश कुमार ने कहा, 'भारत का क्रेडिट बाजार निरंतर विकास पथ पर है और क्रेडिट प्रदर्शन लगातार मजबूत बना हुआ है।

24 अप्रैल को चल सकती छिन्दवाड़ा से नैनपुर ट्रेन

छिंदवाड़ा । जिलेवासियो की बहुप्रतिक्षित छिंदवाड़ा से नैनपुर ट्रेन का इंतजार शीघ्र समाप्त होने जा रहा है, जोनल रेलवे सदस्य सत्येन्द्र ठाकुर ने बताया कि आज छिन्दवाडा रेलवे स्टेशन में डी आर एम नमिता त्रिपाठी का आगमन हुआ जिसमे ट्रेन के शुभारंभ को लेकर स्टेशन का निरीक्षण किया गया इस ट्रेन के 24 अप्रैल से प्रारम्भ होने की सम्भावना है पिछले दिनो जिले के प्रभारी केन्द्रीय राज्य मंत्री एल मुरुगन का छिंदवाड़ा आगमन हुआ था भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय छिंदवाड़ा की बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष पूर्व विधायक पंडित रमेश दुबे, नत्थनशाह कवरेती, मारोतराव खवसे, नानाभाऊ मोहोड़, ताराचंद बावरिया, अजय चौरे, शेषराव यादव, विजय झांझरी, नरेन्द्र परमार, रमेश पोफली, संतोष जैन, ठाकुर दौलत सिंह, टीकाराम चन्द्रवंशी, परमजीत विज, श्रीमती कांता ठाकुर एवं वरिष्ठ नेताओं द्वारा केन्द्रीय मंत्री से छिंदवाड़ा में रेल सुविधाओ के विस्तार की मांग की गई थी जिसमें नैनपुर, रीवा आदि ट्रेनो को जल्द प्रारम्भ करने की मांग भी शामिल थी केन्द्रीय मंत्री ने आश्वस्त किया था की जल्द ही इन ट्रेनो का परिचालन किया जायेगा ।

नकुल-कमलनाथ के प्रयासों से मिला रोजगार

छिंदवाड़ा । प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं जिले के सांसद नकुलनाथ के प्रयासों से जिले के युवाओं को निःशुल्क शिक्षा एवं रोजगार के अवसर निरंतर उपलब्ध कराये जा रहे हैं। नेताद्वय की निःशुल्क शिक्षा व रोजगारोन्मुखी यात्रा सतत जारी है और इसी यात्रा की कड़ी में आज दीपिका मर्सकोले को भी रोजगार उपलब्ध कराया गया। पूर्व सीएम श्री कमलनाथ व सांसद नकुलनाथ के प्रयासों से दीपिका मर्सकोले का आईएफबी कॉल सेंटर में चयन हुआ है। चयन उपरांत आज जिला पंचायत अध्यक्ष संजय पुन्हार के हस्ते दीपिका मर्सकोले को स्थानीय राजीव कांग्रेस भवन से नियुक्ति पत्र भेंट किया गया। उन्होंने नियुक्ति पत्र प्राप्त करने के उपरांत श्री नकुलनाथ व श्री कमलनाथ का आभार व्यक्त किया।

होर्डिंग के माध्यम से दिया जा रहा स्वच्छता का सन्देश

छिंदवाड़ा । स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 के अंतर्गत छिन्दवाड़ा शहर को नं. 1 बनाने के लिए शहर के सभी रहवासी, सार्वजनिक एवं व्यावासिक क्षेत्रों में स्वच्छता की होर्डिंग लगाये जा रहे हैद्ध शहर में स्वच्छता की जागरूकता लाने के लिए लगातार प्रचार-प्रसार किया जा रहा है, सार्वजनिक दीवारों का सौन्दर्यीकरण की जा रहा है, चौराहों के टूट-फुट की मरम्मत करवाई जा रही है व् नगरवासियों को समझाईश दी जा रही है कि, अपने घर के आस पास ,गली मोहल्लों में साफ़-सफाई बनाए रखें,कचरा यहाँ-वहां न फेंककर कूड़ादान में डालें तथा गीले कचरे से घर पर ही खाद बनाएं7 इस हेतु शहर के सभी 48 वार्डों में होर्डिंग के माध्यम से निगम द्वारा लोगों को अपने आसपास के मैदानों, रास्तों, सड़कों और वार्ड के विभिन्न स्थानों को साफ-सुथरा रखने की अपील की जा रही है7 स्वच्छता के होर्डिंग में लिखे संदेश को देखकर शहरवासी स्वच्छता को अपनी ज़िम्मेदारी मानने लगे हैं और शहर को स्वच्छ बनाए रखने में अपना योगदान दे रहे हैं। निगम टीम लगातार प्रयासरत है कि, छिन्दवाड़ा शहर को स्वच्छता के क्षेत्र में प्रदेश में ही नहीं अपितु देश में भी अव्वल स्थान प्राप्त हो।

24 से 30 तक इस्कान द्वारा होगी भागवत कथा

छिंदवाड़ा । इस्कान के प्रवक्ता द्वारा 7 दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा लक्ष्मीनारायण मंदिर नगर पालिका परिसर में 24 से 30 अप्रैल तक प्रतिदिन 3 से 7 बजे तक होगा। प्रवचन कर्ता अध्यक्ष इस्कान इन्दौर के परमपूज्य महामन प्रभुजी करेंगे। 29 अप्रैल को हवन पूर्णाहुति व महाप्रसाद होगा।

13 जुआरियों पर मामला दर्ज जुआं फड़ पर रेड

छिंदवाड़ा । देहात थाना पुलिस ने मंगलवार देर रात्रि 1:30 बजे जुआँफड़ पर रेड कार्यवाही की जहां पुलिस ने जीत हार का खेल खेल रहे 3 जुआरियों को हिरासत में लिया वहीं 10 आरोपी मौका देखकर फरार हो गए। पुलिस द्वारा सभी जुआरियों पर 13 जुआं एक्ट के तहत मामला दर्ज कर बाकियों की तलाश शुरू कर दी गई है। जानकारी में देहात थाना प्रभारी गणपत उइके ने बताया की बीजागोरा के जंगल मे आंनद पाल द्वारा जुआं फड़ संचालित करने की सूचना प्राप्त हो रही थी जिसपर मुखबिरों द्वारा जानकारी मिलने पर एवं पुलिस अधीक्षक विनायक वर्मा के आदेशानुसार बीजागोरा के जंगल मे रेड कार्यवाही की गई जहां से किशोर पहाड़े, गोलू उर्फ आकाश झरबड़े एवं मुकेश राकेशिया को हिरासत में लिया गया जिनके पास से पुलिस ने 5 हजार 300 रूपये एवं ताश के 52 पत्ते बरामद किए। वहीं अन्य 10 जुआरी मौका देखकर भागने में सफल रहे।

नाट्यगंगा एक्टिंग वर्कशॉप 1 मई से

छिन्दवाड़ा । जिले की सबसे पुरानी सक्रिय नाट्य संस्था नाट्यगंगा छिन्दवाड़ा में रंगमंच के प्रदर्शन, प्रसार और प्रशिक्षण के लिए कटिबद्ध और निरंतर प्रयासरत है। इस ही क्रम में प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत नाट्यगंगा के द्वारा प्रति वर्ष एक्टिंग वर्कशॉप का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष भी आगामी 1 मई 2023 से चालीस दिवसीय एक्टिंग वर्कशॉप का आयोजन किया गया है। जिसमें देश के प्रतिष्ठित नाट्य विद्यालयों से प्रशिक्षित सुप्रसिद्ध रंगकर्मियों के साथ ही टीवी एवं फ़िल्मो के कलाकार वर्कशॉप में स्टेज और कैमरा एक्टिंग की बारीकियाँ सिखाएँगे। यह वर्कशॉप 1 मई से 10 जून तक प्रतिदिन सुबह 7 से 9:30 बजे तक कलेक्टर ऑफिस के सामने अमित किडज़ी स्कूल में आयोजित की जाएगी। जिसमें छह साल से लेकर साठ साल तक उम्र के प्रतिभागी हिस्सा ले सकते हैं। इस वर्कशॉप में प्रतिभागियों को स्टेज एक्टिंग, कैमरा एक्टिंग, संगीत, नृत्य, योग, मार्शल आर्ट्स, संवाद अदायगी, बॉडी लैंग्वेज, मुखौटा निर्माण, पब्लिक स्पीकिंग आदि का विस्तृत ज्ञान दिया जाएगा।

2 वर्ष से अधिक हो गए धरमटेकड़ी फिल्टर प्लांट से नहीं मिल रहा पानी

लक्ष्मी कन्स्ट्रक्शन कंपनी की लापरवाही पर लगाम नहीं लगा पा रहा निगम प्रशासन

छिंदवाड़ा । माचागोरा डेम बनने के बाद प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान ने निगम से लगे ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो इसको लेकर करोड़ों की लागत से धरमटेकड़ी में फिल्टर प्लांट बनाया गया है लेकिन इस फिल्टर प्लांट के बने दो वर्ष से भी अधिक हो गए कई क्षेत्रों में अभी तक लोगों को शुद्व पेयजल नहीं मिल पा रहा है। लक्ष्मी कन्स्ट्रक्शन और निगम के अधिकारियों की लापरवाही का परिणाम है कि आज भी लोग बोर और अन्य स्त्रोतों से पानी पीने को मजबूर हैं। क्षेत्र की पार्षद श्रीमति संगीता सुरेश उईके ने बताया कि वार्ड के हाउसिंग बोर्ड कालोनी, डीडीपुरम और अन्य क्षेत्रों में धरमटेकड़ी फिल्टर प्लांट से शुद्व पेयजल उपलब्ध कराने के लिए निगम के अधिकारियों को कई बार अवगत कराया गया लेकिन अभी तक कोई प्रगति नहीं हुई है। लक्ष्मी कन्स्ट्रक्शन कंपनी द्वारा अधूरा काम कर छोड़ दिया गया है। फूटी पाईप लाइन सुधारी नहीं जा रही है और न ही कोई टेस्टिंग की गई है जिससे पता चल सके कि कब तक क्षेत्र के लोगों को फिल्टर प्लांट से पानी मिल सकेगा। उन्होने बताया कि निगम कमिश्नर राहुल सिंह से भी कई बार शिकायत की गई लेकिन अभी तक कोई हल नहीं निकला है। उन्होने कहा कि यदि निगम ने शीघ्र ही फिल्टर प्लांट से पानी उपलब्ध नहीं कराया तो क्षेत्र के नागरिकों के साथ मिलकर धरना प्रदर्शन करेंगे। शहर के अन्य वार्डो में भी लक्ष्मी कन्स्ट्रक्शन के कार्य को लेकर लोगों में गुस्सा है और हर दिन किसी न किसी मोहल्ले से लोग निगम को शिकायत करते हैं लेकिन निगम प्रशासन शिकंजा कसने को तैयार नहीं है। बताया जाता है कि इस कंपनी को कार्य पूर्ण किए जाने का पत्र दिए जाने की तैयारी की जा रही है।

बोर से भी नहीं मिल रहा पर्याप्त पानी

वार्ड क्रमांक 10 के डीडीपुरम सहित कई क्षेत्र में बोर के माध्यम से पानी सप्लाई होता है लेकिन पिछले एक सप्ताह से बोर में पानी कम हो जाने से समस्या बनी हुई है। पार्षद ने बताया कि यदि निगम ने शीघ्र ही अभी से व्यवस्था नहीं बनाई तो आने वाले दिनों में पानी के लिए हाहाकार मचेगा।

जिले के सभी स्कूलों और आवासीय संस्थाओं में गाइडलाइन के अनुसार लगाएं पॉक्सो पेटी: कलेक्टर

जिला बाल कल्याण संरक्षण समिति की बैठक

छिन्दवाड़ा कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 एवं नियम 2016 और बेटी बचाओ बेटी पढाओ योजना के अंतर्गत जिला बाल कल्याण संरक्षण समिति एवं जिला कार्यबल की बैठक संपन्न हुई द्ध बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री पार्थ जैसवाल, सहायक कलेक्टर सुश्री वैशाली जैन, एसडीएम छिंदवाड़ा श्री अतुल सिंह, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती ज्योति ठाकुर व सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास डॉ.मोनिका बिसेन सहित सम्बंधित विभागों के जिला अधिकारी, प्रोजेक्ट एंजेल से जुड़े सामाजिक संगठन के प्रतिनिधि, वंचित बच्चे एवं विडिओ कांफ्रेंस के माध्यम से समस्त एसडीएम, सीएमओ और सीईओ जनपद पंचायत उपस्थित हुए। बैठक में सामाजिक संगठनों और बच्चों ने बाल अधिकार के सन्दर्भ में अपनी बात रखी द्ध बैठक में पिछली बैठक में लिये गये निर्णयों की प्रगति की समीक्षा की गई एवं आगामी गतिविधियों के लिए संबंधित विभागों को विभिन्न दिशा-निर्देश दिए गये कलेक्टर श्रीमती पटले ने बैठक में निर्देश दिए कि महिला एवं बाल विकास विभाग के सभी परियोजना अधिकारी जिले के सभी 340 चिन्हित वंचित बच्चों की सूची संबंधित एसडीएम को उपलब्ध कराएं और उनकी व्यक्तिगत कार्य योजना तैयार कर प्रस्तुत करेंद्ध सभी संबंधित एसडीएम प्रोजेक्ट एंजेल के अंतर्गत संबंधित सामाजिक संगठनों को शामिल कर उनके सहयोग से जिले के सभी 340 चिन्हित बच्चों के प्रत्येक अनुभागवार नोडल अधिकारी नामित करें और चेक लिस्ट तैयार कर माह में एक बार इन बच्चों के साथ गृह भेंट सुनिश्चित करें जिससे इन बच्चों की व्यक्तिगत कार्य योजना(आई.सी.पी.) के अनुसार आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित की जा सके द्ध इनके गार्जियन परिवारों को हैण्ड होल्डिंग सपोर्ट प्रदान करें। साथ ही आपातकालीन स्थिति या आवश्यकता पढ़ने पर तुरंत आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें।

छिंदवाड़ा-नैनपुर ट्रेन चलाने की तैयारी देखने आई डीआरएम

अधिकृत तारीख घोषित नहीं हुई

छिंदवाड़ा । छिंदवाड़ा-नैनपुर को हरी झण्डी दिखाई जावेगी, इसकी तैयारी देखने डी.आर.एम श्रीमती नमिता त्रिपाठी व्यवस्था देखने आई थी, कार्यक्रम की तारीख अभी तय नहीं है। बताया जाता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द मोदी 24 अप्रैल को रीवा में रेल्वे के कार्यक्रम में भागम लेंगे। हरी झण्डी दिखाने का कार्यक्रम छिंदवाड़ा-सिवनी एवं जबलपुर में होगा रेल्वे ने अभी तक कोई अधिकृत कार्यक्रम जारी नहीं किया।

विश्व धरोहर दिवस पर लिया संरक्षण का संकल्प

छिंदवाड़ा । जिले की धरोहर को सहेजने का कार्य हम सभी का है छिंदवाड़ा जिला हरियाली नुमा जिला है चारो और जंगल है ।ओर एक और देवगढ़ का किला है तो दूसरी ओर पातालकोट जैसे पर्यटन स्थल है अनेकों वाटर फॉल है तो जैव विविधता प्रचुर मात्रा में है। गुदरदेव की प्राचीन मूर्तियां हिंगलाज मंदिर,तुलतुला पहाड़ अनहोनी का गर्म पानी का कुंड सहित अनेकों धरोहर हमारे जिले में है उसे संरक्षित करने समस्त शासकीय अशासकीय प्रयास करने होगे ।उक्त बातें जिला पुरातत्व पर्यटन एवम संस्कृति परिषद के सदस्य विनोद तिवारी ने मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के द्वारा मुख्यमंत्री नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के बीएसडब्ल्यू एमएसडब्ल्यू के विद्यार्थियों को विश्व धरोहर दिवस पर कही ।कार्यक्रम का आयोजन जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक पवन सहगल के मार्गदर्शन में ब्लाक समन्वयक अखिलेश जैन,परामर्श दाता श्रीमती लता नागले, श्रीमति तृप्ति सिंह,जय प्रकाश सूर्यवंशी, आशीष साहू की उपस्थिति में जागरूकता कार्यक्रम पी जी कॉलेज में किया गया।इस अवसर पर ब्लाक समन्वयक अखिलेश जैन ने जिले के पर्यटन स्थल की जानकारी प्रदान की एवम इनके संरक्षण हेतु सभी को प्रयास करने की बात कही सभी ने संकल्प लिया की हम अपनी ऐतिहासिक धरोहर को बचाने में पूरा योगदान देगे।

देश प्रेम की भावना सर्वोपरि मानकर हम अपने कर्तव्यों का करे पालन: श्रीमती पटले

(शहीद मेजर अमित ठेंगे के 41वें जन्मदिन पर हुआ आयोजन)

छिंदवाड़ा । छिंदवाड़ा के माटी में जन्मे अमर शहीद मेजर अमित ठेंगे जी का 19 अप्रैल 2023 को 41वे जन्मदिन पर उनके निवास पर मेजर अमित ठेंगे स्मृति समिति द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला कलेक्टर श्रीमति शीतला पटले, विशिष्ट अतिथि जिला सैनिक कल्याण अधिकारी श्रीमती जया जेवियर, डिप्टी कलेक्टर सुधीर जैन उपस्थित हुए। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले जी ने कहा की देश प्रेम की भावना को सर्वोपरि मानकर हम अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करें यही शहीद को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने सर्व प्रथम शहीद मेजर अमित ठेंगे जी की फोटो पर मल्यापन एवम द्वीप प्रज्वलित कर श्रद्धा सुमन अर्पित की एवम अपनी भावनांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में विशेष रूप से मेजर अमित के पिता श्री मधुकर राव ठेंगे, एस एस सालोडकर, रणजीत सिंह परिहार, मुरली धर राव, विनोद तिवारी ,रोहित रूसिया, गगन चौधरी, रमेश चंचलेश, सुधीर शर्मा, अभिलाष जैन, अशोक दूबे, अजय सक्सेना ,जयशंकर शुक्ला,पदम सोनी, शहीद के छोटे भाई आशीष ठेंगे,श्रीमती शेफाली ठेंगे,सहित परिजन सहित बड़ी संख्या में गणमान्य जन उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन साजिदा खान ने किया अंत में राष्ट्रपति पुरुस्कार प्राप्त शिक्षक, समाजसेवी विनोद तिवारी द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया ।तत्पश्चात समस्त उपस्थित जनों ने भी शहीद मेजर अमित ठेंगे जी की फोटो पर पुष्प अर्पित कर अपनी पुष्पांजलि अर्पित की ।

नगर पालिक निगम महापौर को समस्याओं से कराया अवगत

छिन्दवाड़ा । नगर पालिक निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 2 में व्याप्त समस्याओं की ओर निगम महापौर का ध्यानाकर्षण कराया गया। स्थानीय कांग्रेस के जनप्रतिनिधियों व वार्डवासियों के द्वारा मूलभूत सुविधाओं में आवश्यक सुधार की मांग भी रखी गई ताकि सुविधायें और बहाल हो सके। निगम महापौर को 10 सूत्रीय मांगों का एक ज्ञापन प्रस्तुत कर उन्हें वस्तु स्थिति से अवगत कराते हुये अविलम्ब व्यवस्थायें बनाने हेतु आग्रह किया ।वार्ड क्रमांक दो गायत्री वार्ड में वीआईपी सड़क किनारे लगे चेकर पत्थर जो जगह-जगह उखड़ चुके हैं, जिसके कारण पैदल चलने में आ रही समस्याओं, स्थानीय एसएफ 96 क्वार्ट्स फॉरेस्ट कॉलोनी सहित आस-पास की अन्य कॉलोनियों में सड़कों का निर्माण, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पानी टंकी के पास ग्राउंड में पर्याप्त रोशनी के लिये हाई मास्ट लगाने की मांग रखी ताकि ग्राउंड में असामाजिक गतिविधियों पर विराम लग सके। वार्ड में साफ-सफाई हेतु कर्मचारियों की संख्या बढ़ाये जाने की मांग की गई। हाउसिंग बोर्ड कॉलोनियों के मैदान में मंच निर्माण की मांग ताकि सार्वजनिक आयोजन आसानी से हो सके। इसके अलावा अन्य मांगों से भी नगर पालिक निगम महापौर विक्रम अहके को अवगत कराया गया। वार्ड क्रमांक दो में ही निगम महापौर को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों से अवगत कराया गया ।ज्ञापन प्रस्तुत करते समय मुकेश उपाध्याय, मनोज सक्सेना, श्रीमती सरला साहू, सुनील इंगले, आई.बी चौरसिया , शेख युसुफ, दुर्गा साहू, गनेश प्रसाद शर्मा, राधा रौनी, हेमंत सिंह राजपूत, मनीष दुबे, आकाश सिंह भारद्वाज, बिंजू मामन विशाल सोनी, राजेन्द्र व आकाश आहाके सहित वार्डवासीगण उपस्थित रहे।

देश भर से बड़ी संख्या में सिंगोड़ी पहुंचे जिनवाणी तत्वरसिक जिन शासन सेवक

पार्श्वनाथ जिनालय के वार्षिक महोत्सव का हुआ शुभारंभ

छिन्दवाड़ा । वैशाख कृष्ण चतुर्दशी बुधवार के शुभ दिन जैन मोहल्ला सिंगोड़ी में स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जिनालय का त्रिदिवसीय 7 वां वार्षिक महोत्सव का भव्य एवं मंगलमय शुभारंभ मंगल कलश शौभायात्रा से हुआ जिसमें छिन्दवाड़ा, भोपाल, बनखेड़ी, सिरोंज, सुजालपुर, इंदौर, जबलपुर, कोडरमा झारखंड, नागपुर, जलगांव महाराष्ट्र आदि स्थानों से बड़ी संख्या में जिनवाणी तत्वरसिक जिनशासन सेवक सम्मिलित हुए।

इस अवसर पर प्रात:काल की मंगल बेला पर पार्श्वनाथ जिनालय में श्रावकगणों ने श्रीजी का प्रक्षालन कर भक्तांम्बर विधान आयोजनकर्ता परिवार के निवास स्थान से मंगल कलश शौभायात्रा निकाली गई जो मंगलगान करते हुए पार्श्वनाथ जिनालय पहुंची जहां महोत्सव के निर्देशक बाल बह्मचारी श्रेणीकजी जैन जबलपुर एवं पं. ऋषभ शास्त्री छिन्दवाड़ा ने विधि विधान पूर्वक कलशों सहित अष्ट प्रातिहार्य एवं माँ जिनवाणी की स्थापना कराकर विधान का शुभारंभ किया।

मंगल प्रवचनों का मिला लाभ

प्रथम दिन सकल समाज को बाल ब्रह्मचारी श्रेणीकजी जैन, पण्डित चितरंजनजी जैन, बा. ब्र. अंतिमा बहनजी के मंगल प्रवचनों में निज शुद्धात्मा की महिमा सुनने का सौभाग्य मिला एवं सभी ने माँ जिनवाणी की भक्ति, सुंदर सुंदर सांस्कृतिक कार्यकर्मो सहित साधर्मी वात्सल्य का लाभ लिया। महोत्सव को लेकर पूरे नगर में खुशियों सहित साधर्मी वात्सल्य का वातावरण बना हुआ है। महोत्सव 21 अप्रैल उपकार दिवस तक चलेगा।

ये रहें सौभाग्यशाली परिवार

महोत्सव के मीडिया प्रभारी दीपकराज जैन ने बताया कि मंगल महोत्सव में भक्ताम्बर विधान कराने का सौभाग्य श्रीमती मालतीबाई धर्मपत्नी स्मृति शेष पण्डितश्री देवेंद्रकुमारजी जैन परिवार को मिला वहीं मुख्य कलश की स्थापना श्रीमती प्रगति राजेश जैन, मोक्षा धृति जैन परिवार द्वारा की गई। ध्वजारोहण श्रीमती सविता, प्रमिला, सौरभ जैन परिवार ने किया तो प्रतिष्ठा मण्डप का उदघाटन श्रीमती लक्ष्मीबाई, जिनेन्द्रकुमार, शैलेंद्रकुमार जैन पायल वाला परिवार ने एवं प्रतिष्ठा मंच का उदघाटन श्रीमती पदमा सुरेन्द्रकुमार, सौरभ, सनिल जैन परिवार ने किया ।कलश यात्रा में धर्मध्वज लेकर चलने का सौभाग्य मास्टर दृगांश दृष्टि गौरव जैन सीए सुजालपुर को प्राप्त हुआ एवं चार मंगल कलशों को विराजमान करने का सौभाग्य विनीता वीरेंद्रकुमार जैन, वर्षा दीपकराज जैन, वीणा विजयकुमार जैन जलगांव एवं शानू अंशुल जैन वनखेड़ी को प्राप्त हुआ ।इसी के साथ अष्टप्रातिहार्य विराजमान करने का सौभाग्य बा. ब्र. प्रियंका दीदी भोपाल, सुशीला जैन शहपुरा, मालती जैन माताजी सुधीरकुमार जैन, शैली सारांश जैन डिप्टी कलेक्टर, मोहनी मन्नूलाल जैन, साधना राकेशकुमार जैन, रविराज रोहितराज जैन परिवार एवं मनोरमा रतिचन्द जैन परिवार को मिला।

नरवाई जलाने से होने वाले नुकसान को रोका जा सकता

कस्टम हायरिंग सिस्टम का शुभारंभ

छिंदवाड़ा । जिले में जल संसाधन प्रबंधन और मृदा जल संरक्षण तथा प्राकृतिक खेती, महिला सशक्तिकरण के माध्यम से आजीविका संवर्धन पर निरंतर कार्य करने वाली सृजन संस्था ने छिंदवाड़ा जिले के छिंदवाड़ा विकासखंड के अंतर्गत ग्राम मारई में एक और नवाचार कस्टम हायरिंग सिस्टम का शुभारंभ नाबार्ड की डी डी एम श्वेता सिंह के मुख्य आतिथ्य में किया गया सृजन संस्था के प्रोजेक्ट लीडर संदीप भुजेल ने बताया कि इस सिस्टम के माध्यम से किसानों के खेतों में गहरी जुताई हेतु डीप प्लाऊ एवं मिनी प्लाऊ मशीन, रोटावेटर मशीन, लेवलर मशीन भूमि समतलीकरण एवं नरवाई जलाने से होने वाले नुकसान को रोकने हेतु उपरोक्त मशीन रंगीनखापा मारई जलग्रहण विकास समिति को सौंपा गया है इसके साथ साथ एजोला टांका, केंचुआ खाद टांका बायो इनपुट भी किसानों के यहाँ बनवाए गए हैं गौरतलब है कि सृजन संस्था के माध्यम से फार्म पॉन्ड, मेड बंधान के साथ साथ पशुधन लाईवस्टॉक बकरी पालन, मुर्गी पालन के माध्यम से गरीब परिवारों एवं महिलाओं की आजीविका बढ़ा रही है तथा रंगीनखापा, मारई गांव के उत्कृष्ट कार्य करने वाले 19 महिला स्व सहायता समूहों को उत्कृष्ट कार्य हेतु समूह किट प्रदान की गई जिसमै पेटी, कैलकुलेटर, वाईट बोर्ड, ताला चाबी, मार्कर पेन, स्टेपलर पिन, कार्बन पेपर तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया जिससे समूह अपना लेखा-जोखा एवं हिसाब ठीक से रख सकें यह समूह संगम महिला मंडल छिंदवाड़ा जो कि सृजन संस्था द्वारा गठित किए गए हैं इस प्रकार सृजन संस्था द्वारा पाँच जल, जंगल, जमीन, जन एवं जानवर के संरक्षण एवं संवर्धन पर कार्य किया जा रहा है इस दौरान मारई एवं रंगीनखापा ग्राम पंचायत के सरपंच तथा रंगीनखापा मारई जल ग्रहण विकास समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यगण तथा संगम महिला मंडल के समूह सदस्य तथा ग्राम के किसान भाई एवं सृजन संस्था की टीम उपस्थित रहे।

छिंदवाड़ा डे-नाइट क्रिकेट प्रीमियर लीग शुभारंभ आज

5 मई तक शुक्ला ग्राउंड में मैच खेला जाएगा

छिंदवाड़ा । पहला मैच 4:30 बजे एसीसी क्लब वर्सेस समर्थ इलेवन एवं दूसरा मैच रात 8:00 बजे शौर्य क्लब इटावा वर्सेस एलबी शास्त्री दिल्ली का होगासभी मैचों का सीधा प्रसारण फेनकोड, दफाबेट और क्रिक्सहीरो, ड्रीम इलेवन चैनल एवं यू-टयूब में ऑनलाइन टीवी में चलेगा ।छिंदवाड़ा – छिंदवाड़ा डे-नाइट क्रिकेट प्रीमियर लीग 2023 का शुभारंभ आज दिनांक 20 अप्रैल होगा । यह कि यह मैच 20 अप्रैल को प्रारंभ होकर 5 मई तक शुक्ला ग्राउंड में होंगा । आज सायं 7:00 बजे छिंदवाड़ा प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का डे नाइट टूर्नामेंट विधिवत उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि जिला भाजपा अध्यक्ष, कार्यक्रम अध्यक्ष शेषराव यादव, विजय झांझरी, विशेष अतिथि दारा जुनेजा, खेल मित्र नितिन खंडेलवाल, पंकज पाटनी अलकेश लाम्बा, कार्यक्रम के आयोजक संदीप मालवीय, नीरज भारद्वाज, संदीप सिंह चौहान रहेंगे । आज दो मैच खेले जाएंगे जिसमें पहला मैच 4:30 बजे एसीसी क्लब वर्सेस समर्थ इलेवन एवं दूसरा मैच रात 8:00 बजे शौर्य क्लब इटावा वर्सेस एलबी शास्त्री दिल्ली का होगा । ज्ञात हो कि डे-नाईट 20-20 क्रिकेट प्रतियोगिता महाकुंभ में छिंदवाड़ा जिले की 12 टीमें और देशभर से नागपुर, दिल्ली, गुड़गांव, जबलपुर, लखनउ, चेन्नई, इन्दौर, भोपाल, ग्वालियर, हरियाणा, पंजाब, मुम्बई की टीमें भी शामिल रहेगी। इन टीमों में रणजी ट्रीफी एवं आईपीएल और अंतर्राष्टीय खिलाड़ी शामिल होंगे । इन सभी मैचों का लाईव सीधा प्रसारण फेनकोड, दफाबेट और क्रिक्सहीरो ऑनलाईन टीवी में चलेगा साथ में ड्रीम इलेवन चैनल एवं यू-ट्यूब में भी लाइव चलेगा । यह मध्यप्रदेश की सबसे बड़ी प्रतियोगिता है । दिनांक 20 अप्रैल से प्रतिदिन दो मैच होंगे पहला मैच सायं 4.30 बजे से तथा दूसरा मैच रात्रि 8.30 बजे से होगा । छिंदवाड़ा डे-नाइट क्रिकेट प्रीमियर लीग 2023 संरक्षक जिलाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी, मार्गदर्शक शेषराव यादव, संयोजक संदीप मालवीय, सहसंयोजक मीनू सिंघई, सचिव दारा जुनेजा, खेल मित्र नितिन खंडेलवाल, आयोजन समिति सदस्य अलकेश लाम्बा, पंकज पाटनी, जगेन्द्र अल्डक, नीरज भारद्वाज सहित समिति के सदस्यों ने खेल को लेकर तैयारीयां पूर्ण कर ली है ।

विक्रम अहाके एवं अन्तु धुर्वे निगम में मिले

छिंदवाड़ा । महापार का चुनाव लड़े भाजपाके अनन्त धुर्वे (अन्तु)अब नगरीय निकाय भोपाल में सहायक संचालक के पद पर है, वे कमिश्नर राहुलसिंह से मिलने आये थे, उनसे कांग्रेस के महापौर विक्रम अहाके मिले, विक्रम अहाके ने अनन्त धुर्वे को सहायक संचालक बनने पर बधाई दी और गले मिले।

रविन्द्र भवन अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा

छिंदवाड़ा। रविन्द्र भवन नगर के एक सार्वजनिक कार्यक्रम करने का आडोटोरियम था, किन्तु कांग्रेस की सरकार ने इसे अच्छा बनाने के लिए प्रयास किया था, किन्तु सरकार चली गईभाजपा सरकार ने इस पर ध्यान नहीं दिया, रविन्द्रभवन का जीर्णोधार नगर निगम को करना है।

महंत कनकबिहारी महाराज की स्मृति में विशाल मोतियाबिंद नेत्र व स्वास्थ्य शिविर

बिछुआ । आदिवासी विकास खंड बिछुआ के नवीन अस्पताल में पूज्य संत स्वर्गीय कनकबीहारिदास जी महाराज कनकधाम को श्रद्धांजलि देकर उनकी स्मृति मे आयोजित स्वास्थ्य शिविर मे आज 19अप्रैल को बिछुआ (चौरई विधानसभा) मे बाबाजी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम के मुख्य अतिथी नगरपालिका अध्यक्ष रामचंद्र बोबडे , सी एम ओ महेश साहू, चंद्रकांत दुबे प्राचार्य एक्सीलेंस स्कूल बी आर सी नारायण पाल, समाजसेवी जीवन सिंह रघुवंशी, कमलकान्त वर्मा ने शिविर का शुभारम्भ किया, नि:शुल्क स्वास्थ व नेत्र जांच शिविर(मोतियाबिंद ऑपरेशन)मे इलाज़ के साथ साथ लाड़ली बहना योजना के पंजीयन हुए शिविर शुभारम्भ अवसर पर भाजपा नेता रघुराज पटेल,महिला मोर्चा मण्डल महामंत्री जूनिता केथवासजी,आयुष डॉ हेमंत दुबे जी,डॉ डी एस उमरेठे,विद्युत विभाग के जे ई,सौरभ नागरे, पार्षद गण बिबानता हॉस्पिटल के डॉ पराग मनपे जी , डॉ अभिषेक चंदेलजी,दीप प्रज्वलित कर किया, इस अवसर पर जनाधिकार सेवा समिति के अध्यक्ष व शिविर संयोजक संदीप रघुवंशी ने समिति की ओर से कैंप की सफलता हेतु बिछुआवासियो का धन्यवाद व आभार व्यक्त किया द्यलायन्स हॉस्पिटल परासिया, विवान्ता हॉस्पिटल व स्वास्थ्य विभाग, आयुष विभाग, जनपद पंचायत, नगरपालिका के कर्मचारियों व नेत्ररोगियों का स्वागत तिलक लगाकर किया व मोतियाबिंद मुक्त चौरई विधानसभा का संकल्प लिया और कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा हैँ इस शिविर के द्वारा निरंतर प्रत्येक ग्राम मे स्वास्थ सेवाए प्रदान की जा रही है, आगे भी हर संभव प्रयास जारी रहेगा। इस अवसर पर समस्त जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओ व ग्रामवासियो से समिति ने अपील की है क़ि अधिक से अधिक जरुरतमंदो को इस पुण्य कार्य मे भेजनें हेतु निवेदन सभी से किया, नेत्र दान महादान इस अवसर पर शिविर आयोजक संदीप रघुवंशी द्वारा एम्बुलेंस से रवाना किया लिएद्य कल दिनांक 20अप्रैल गुरुवार का शिविर प्रात: 10बजे से 05बजे तक खमारपानी के शासकीय चिकित्सालय मे आयोजित किया गया।

चिटफंड कम्पनियों पर कार्यवाही के लिए गठित होगा विशेष सेल

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि चिटफंड कम्पनियों के विरूद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा। इन कम्पनियों पर प्रभावी कार्यवाही और प्रभावित लोगों का पैसा लौटाने के काम की निगरानी के लिए पुलिस मुख्यालय में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्तर के अधिकारी की अध्यक्षता में विशेष सेल गठित किया जाएगा। राज्य सरकार सुनिश्चित करेगी कि इन कम्पनियों के खिलाफ कार्यवाही हो और प्रभावित लोगों को उनका पैसा वापस मिले। मुख्यमंत्री श्री चौहान श्यामला हिल्स उद्यान में पौध-रोपण के बाद मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा कर रहे थे।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि ऑन लाइन गैम्बलिंग बड़ी समस्या है। वर्तमान में प्रदेश में जुआ अधिनियम 1876 लागू है। इसमें ऑन लाइन गैम्बलिंग के विरूद्ध कोई प्रावधान नहीं है। राज्य शासन ने वर्तमान जुआ अधिनियम के स्थान पर मध्यप्रदेश जुआ अधिनियम 2023 बनाने का निर्णय लिया है। नए अधिनियम में ऑन लाइन गैम्बलिंग के विरूद्ध पर्याप्त प्रावधान शामिल किए जाएंगे, जिससे इन गतिविधियों में लिप्त अपराधियों को दंडित किया जा सके।

मुंबई की प्रतिष्ठित जहांगीर आर्ट गैलेरी में इंदौर के 3 कलाकारों की सामूहिक प्रदर्शनी

इंदौर। मुंबई की प्रतिष्ठित जहांगीर आर्ट गैलेरी में इंदौर के 3 कलाकार अपनी कला की सामुहिक प्रदर्शनी लगा रहे है। इंदौर के तीन वरिष्ठ कलाकार डॉ विम्मी मनोज, धीरेंद्र मांडगे और सुनील सर्राफ अपनी पेंटिंग्स आयाम इस शीर्षक से 25 अप्रैल से 1मई तक जहांगीर कला दीर्घा में जहा अपनी त्रिआयामी दृष्टिकोण प्रदर्शित करेंगे वही इनके साथ मुंबई के कलाकार विवेक प्रभुकेलुसकर चौथा आयाम प्रस्तुत करेंगे।

बताया गया है कि विम्मी मनोज अंतरमन के द्वंद और जीवन उल्हास की स्मृतियां सोलस्कैप सिरीज एब्सट्रैक्ट शैली में बया करेंगी। धीरेंद्र मांडगे अपने चिरपरिचित रियलस्टिक शैली में हैरीटेज की सुंदर छवि प्रस्तुत करेंगे और सुनील सर्राफ मध्यप्रदेश के ग्रामीण अंचल की सरल और सहज रिश्तों में ढले परिवेश को रियलस्टिक शैली में नुमाया करेंगे।

हर कलाकार की केनवास पर एक्रीलिक से लगभग 12 पेंटिंग प्रदर्शित होंगी। इस प्रदर्शनी का उदघाटन 25 अप्रैल को औरा आर्ट के संस्थापक ऋषिराज सेठी, अंतरराष्ट्रीय आर्ट कंसल्टेंट आकिफ हबीब, समाजसेवी उत्तम जैन, कवि अशोक बिंदल और कला गुरु पाटिल राजेंद्र करेंगे। 27 अप्रैल को कला और कविता कार्यक्रम के अंतर्गत प्रकाश बाल जोशी, आशुतोष आप्टे और विम्मी मनोज कविता पाठ करेंगे।

मनोज गोविल अवकाश पर, 1990 बैच के आईएएस अधिकारी को मिला प्रभार

नई दिल्ली। भारतीय प्रशासनिक सेवा के मध्य प्रदेश कैडर के 1991 बैच के आईएएस अधिकारी केंद्र में कॉरपोरेट अफेयर्स मंत्रालय के सचिव मनोज गोविल 21 अप्रैल से 7 मई तक अवकाश पर रहेंगे। गोविल की अवकाश अवधि में उनके मंत्रालय का प्रभार अतिरिक्त रूप से राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा अपने वर्तमान दायित्व के साथ-साथ संभालेंगे। मल्होत्रा राजस्थान कैडर के 1990 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। इस संबंध में डीओपीटी ने आदेश जारी कर दिए हैं।

भोपाल। कलेक्टर आशीष सिंह ने आज ग्रामीण क्षेत्र का दौरा किया इस दौरान ईट खेड़ी में गेंहू खरीदी केंद्र और लाडली बहना योजना के अपडेशन केंद्रों का निरीक्षण किया। श्री सिंह आज बैरसिया की अनेक ग्राम पंचायत और लाडली बहना योजना के फॉर्म जमा होने वाले केंद्रों का भी निरीक्षण करेंगे।

लहार में नाटकीय घटनाक्रम के बाद सीएमओ और एसडीएम का तबादला

भिंड। जिले के लहार में आज दिनभर चले नाटकीय घटनाक्रम के बाद शाम होते-होते राज्य शासन ने लहार के एसडीएम ज्वाइंट कलेक्टर राम अख्यतार प्रजापति को मंत्रालय भोपाल में अटैच कर दिया है। इसी प्रकार सीएमओ को ग्वालियर अटैच किया गया है।

भिंड जिले के लहार में बुधवार को दिनभर नाटकीय घटनाक्रम चलता रहा जिसमें एक व्यक्ति विशेष का घर नगरपालिका अमले द्वारा तोड़े जाने की कार्रवाई की गई। जिसके बचाव में भाजपा नेता रहे अमरीश शर्मा उर्फ गुड्डू आ गए। जिसके बाद लहार नगरपालिका सीएमओ से लोगों की झड़प हो गई। भाजपा नेता रहे अमरीश शर्मा का आरोप है कि व्यापारी का घर तोड़ने की कार्रवाई लहार विधायक मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉक्टर गोविंद सिंह के इशारों पर की जा रही है। वहीं लोगों ने भी कहा कि सीएमओ द्वारा कहा गया है कि डॉक्टर साहब से मिल लो तो घर नहीं टूटेगा। लेकिन एकाएक सुबह सुबह मकान तोड़े जाने की कार्यवाही से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। लोगों की भीड़ भी मौके पर जमा हो गई। जिसके बाद हुई आपसे बहस में एकपक्षीय कार्यवाही किये जाने की बात सामने आ रही है। जिसको लेकर भाजपा नेता सक्रिय हुए और फिर सीधे भोपाल से आदेश जारी हुए हैं।

घटनाक्रम के बाद ताबड़तोड़ आदेश भोपाल से जारी हुए पहले आदेश में नगर पालिका सीएमओ को ग्वालियर अटैच कर दिया गया, जबकि दूसरे आदेश में लहार एसडीएम आरके प्रजापति को भोपाल अटैच कर दिया गया है। इस मामले में लहार विधायक नेता प्रतिपक्ष डॉक्टर गोविंद सिंह द्वारा भी मुख्यमंत्री को पत्र लिखा गया है। पत्र के जरिए उन्होंने कहा है कि भाजपा नेता रहे अमरीश शर्मा नगरपालिका की कार्रवाई के दौरान अपने साथियों के साथ बंदूकों से लैस होकर पहुंचे और उन्होंने तहसीलदार की गाड़ी को तोड़ दिया एवं सीएमओ को पीटा। जिसका वीडियो भी वायरल हुआ है। ऐसे में आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाए।

मुख्यमंत्री चौहान ने जन-सेवा मित्रों से संवाद किया

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हरदा जिले के रहटगाँव में जन-सेवा मित्र एवं जन अभियान परिषद के अमले से संवाद कर शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन का फीडबैक लिया। उन्होंने मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के प्रति महिलाओं में जागरूकता लाने एवं अन्य योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुँचाने की अपेक्षा की। इस दौरान जिले के प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट, कृषि मंत्री कमल पटेल, क्षेत्रीय सांसद दुर्गादास उईके, क्षेत्रीय विधायक संजय शाह, जिला पंचायत अध्यक्ष गजेंद्र शाह सहित स्थानीय जन-प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

अगर आप भीषण गर्मी से परेशान हैं तो लगाएं ये 5 पौधे, रूम टेम्परेचर तो कम रखेंगे ही, एयर क्वालिटी भी अच्छी रहेगी

भोपाल। गर्मी का मौसम बस शुरू ही हुआ है और लोगों का हाल-बेहाल हो गया है। हर व्यक्ति पसीने से तर और गर्मी से परेशान है। सूरज की किरणें कहर बरपा रही हैं। क्या घर और क्या बाहर, गर्म हवाएं हर जगह परेशान कर रही हैं। अगर आप भी घर में भीषण गर्मी से परेशान हैं तो हम आपको ऐसा तरीका बता रहे हैं जिससे आपको थोड़ी राहत मिल सकती है। बस आपको अपने घर में ये 5 पौधे लगाने हैं और आपका घर नेचुरली कूल रहेगा।

ऐलोवेरा प्लांट- ऐलोवेरा न सिर्फ गर्मी में स्किन को कूल रखने और किसी भी तरह के सनबर्न या टैनिंग से बचाने में मदद करता है बल्कि ऐलोवेरा का पौधा अगर आप घर के अंदर लगाते हैं तो इससे घर के अंदर की हवा का तापमान भी कुछ कम रहेगा। इसके साथ ही एलोवेरा का प्लांट हवा में मौजूद जहरीले तत्वों को भी दूर करेगा।

अरेका पाम ट्री- अरेका पाम ट्री सबसे फेमस लिविंग रूम प्लांट्स में से एक है। ये एक डेकोरेटिव इंडोर प्लांट है। ये प्लांट प्राकृतिक रूप से घर के अंदर की हवा में नमी बनाए रखने का काम करता है। ये घर को ठंडा रखने के साथ-साथ हवा में मौजूद टॉक्सिन्स को भी दूर करता है। हवा को साफ कर देता है।

स्नेक प्लांट- स्नेक प्लांट रात के वक्त ऑक्सीजन देने का काम करता है। ये आपके घर या कमरे को कूल रखता है। इस प्लांट को घर के अंदर रखने से हवा में नमी बनी रहती है। स्नेक प्लांट हवा को प्यूरिफाई करके टॉक्सिंस को दूर करने में भी काफी मददगार होता है।

फर्न प्लांट- फर्न प्लांट भी आपके घर को नैचुरली कूल रखने में मदद करता है। ये घर को ठंडा रखता है और हवा में नमी बनाए रखता है। इसके साथ ही ये एयर प्यूरिफाई करने का काम भी करता है। एयर प्यूरिफाई करने वाले इंडोर प्लांट में ये सबसे बेस्ट है।

फाइकस ट्री- फाइकस ट्री को विपिंग फिग भी कहते हैं। इसे घर के अंदर रखा जाता है। विपिंग फिग घर या रूम के अंदर के तापमान को कम करने में मददगार होता है। इसके साथ ही ये हवा की क्वालिटी को भी बेहतर बना देता है।

खाली हाथ जनसुनवाई में आए दम्पति मकान मालिक बन गए!

इंदौर। मंगलवार की जनसुनवाई में नेत्रहीन दो दिव्यांग दंपत्तियों को जीने का नया सहारा मिला। जनसुनवाई में वे आए तो खाली हाथ थे, गए तो मकान मालिक बनकर। कलेक्टर ने उन्हें हाथों-हाथ मकान का आवंटन पत्र सौंपा और निर्देश दिए कि नए मकान में किराना, बर्तन, कुर्सी आदि जरूरत के सामान भी तुरंत रखे जाए। इसी तरह एक अन्य दिव्यांग महिला को भरण-पोषण के लिए तीन पहिया मोटराइज्ड वाहन स्वीकृत किया गया।

इस बार भी कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई हुई। जनसुनवाई में नेत्रहीन दिव्यांग दंपत्ति रोहित लोधी और पूजा आए। उन्होंने कलेक्टर डॉ इलैया राजा टी को अपनी समस्या बताई। उन्होंने कहा कि वे अगरबत्ती बेचकर अपना गुजर बसर कर रहे हैं। आमदनी भी बहुत कम है। किराया भी तीन हजार रूपए प्रति माह भरना पड़ रहा है। रहने की बहुत समस्या है। कलेक्टर ने उनकी समस्या को गंभीरता से सुनकर निर्देश दिए कि इन्हें तुरंत वन-बीएचके का फ्लैट आवंटित किया जाए। जनसुनवाई में मौजूद नगर निगम के अधिकारियों ने औपचारिकताएं पूर्ण कर तुरंत ही आवंटन पत्र तैयार कर दिया। इन्हें नीलगिरि कॉम्प्लेक्स सनावदिया में फ्लैट दिया गया है।

इसी तरह एक और नेत्रहीन दंपत्ति रमेश सेन और उनकी नेत्रहीन पत्नी को भी सतपुड़ा परिसर बुढ़ानिया में फ्लेट आवंटित किया गया। इन्हें पूर्व में अन्य जगह पर फ्लेट आवंटित किया गया था, लेकिन उन्हें आने जाने में दिक्कत के कारण उक्त स्थान पर फ्लेट दिया गया। नए स्थान पर फ्लैट मिलने से दंपत्ति बेहद खुश है। रमेश सेन का कहना है कि मैं मालिश कर अपना परिवार का भरण-पोषण करता हूं। घर-घर जाकर मालिश का कार्य करता हूं। अब उचित जगह पर फ्लैट मिलने से मुझे आने जाने में आसानी होगी। कलेक्टर ने उक्त दोनों दंपत्तियों को मकान के आवंटन पत्र सौंपे तथा अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन दोनों दंपत्तियों के लिए किराना, बर्तन, कुर्सी आदि जरूरत के सामान तुरंत नए फ्लेट में रखवाए, जिससे कि उन्हें गृहस्थी जमाने में दिक्कत का सामना नहीं करना पड़े। इसी तरह एक अन्य दिव्यांग महिला पूजा जैन भी जनसुनवाई में आयी। उसने बताया कि मैं एक पैर से दिव्यांग हूं। मुझे चलने-फिरने में दिक्कत का सामना करना पड़ता है। कोरोना काल में मेरे पति का निधन भी हो चुका है। छोटी-छोटी मेरी तीन बालिकाएं हैं, बुजुर्ग सास-ससुर भी मेरे साथ रहते हैं। परिवार के भरण-पोषण के लिए मैं घरों में जाकर खाना बनाने का कार्य करती हूं। घरो में जाने के लिए मुझे बहुत परेशानी होती है। कलेक्टर ने गंभीरता से इस समस्या का निराकरण करते हुए तुरंत ही तीन पहिया मोटराइज्ड वाहन स्वीकृत किया। औपचारिकताएं पूर्ण कर शीघ्र ही वाहन दे दिया जाएगा।

रिटायर्ड जजों को सुविधाएं न देने पर CS और U ACS के विरुद्ध वारंट!

नई दिल्ली। सुप्रिमकोर्ट और हाई कोर्ट के रिटायर्ड जजों को सुविधाएं देने संबंधी आदेश की अवहेलना होने पर उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव और अपर मुख्य सचिव वित्त के खिलाफ इलाहाबाद हाई कोर्ट ने बुधवार को वारंट जारी किया। कोर्ट ने बुधवार को सचिव (वित्त) एसएमए रिजवी व विशेष सचिव (वित्त) सरयू प्रसाद मिश्र को न्यायिक अभिरक्षा में लेने का आदेश दे दिया। दोनों को अवमानना के आरोप में गुरुवार को 11 बजे कोर्ट में पेश होने को कहा है। जस्टिस सुनीत कुमार व जस्टिस राजेंद्र प्रसाद की पीठ ने मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्रा व अपर मुख्य सचिव वित्त प्रशांत त्रिवेदी को सीजेएम लखनऊ के जरिए जमानती वारंट जारी कर गुरुवार को कोर्ट में हाजिर होने का निर्देश दिया है।

जमानत पर रिहा करने का अनुरोध- इलाहाबाद हाईकोर्ट की डबल बेंच ने पूछा कि क्यों न उनके खिलाफ अवमानना आरोप निर्मित किया जाए। आदेश के बाद अपर महाधिवक्ता ने अधिकारियों को जमानत पर रिहा करने का अनुरोध किया। कोर्ट ने इस मामले में गुरुवार को सुनवाई के समय विचार करने की बात कही है।

रिटायर्ड जजेज एसोसिएशन की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि दोनों अफसरों ने झूठा हलफनामा दाखिल कर गुमराह किया है। आदेश का पालन न करने पर अधिकारी बिना किसी वैध वजह के अड़े हैं, जो प्रथमदृष्ट्या अवमानना है। अफसरों ने कोर्ट से अपना पिछला आदेश वापस लेने की अर्जी दी है। आदेश का कौन सा हिस्सा वापस लेना है यह स्पष्ट नहीं है। पूरा आदेश ही वापस लेने की मांग की है। कोर्ट के अनुसार अफसरों ने कहा कि 2018 के शासनादेश को संशोधित करने पर कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने अनुच्छेद 229 का मुद्दा उठाया। जो याचिका में नहीं है। यह भी कहा कि मुख्य सचिव ने 13 अप्रैल को बैठक की थी। महाधिवक्ता ने भी आदेश का पालन करने की राय दी है।

शौर्य अलंकरण एवं युद्ध सेवा मेडल में भूमि के बदले मिलने वाली राशि मेंकी गई वृध्दि

भोपाल। राज्य सरकार ने भारतीय सेना के सैनिकों को शौर्य अलंकरण एवं युध्द सेवा मेडल मिलने पर उन्हें भूमि के बदले दी जाने वाली राशि में वृध्दि कर दी है और मासिक अनुदान देने का प्रावधान खत्म कर दिया है। ज्ञातव्य है कि बारह साल पहले 28 फरवरी 2011 को प्रावधान किया गया था कि शौर्य अलंकरण श्रृंखला के अंतर्गत भूमि के एवज में परमवीर चक्र हेतु 20 लाख रुपये एवं मासिक अनुदान 5 हजार रुपये, अशोक चक्र हेतु 20 लाख रुपये एवं मासिक अनुदान 4 हजार रुपये, महावीर चक्र हेतु 12 लाख रुपये एवं मासिक अनुदान 4 हजार रुपये, कीर्ति चक्र हेतु 12 लाख रुपये एवं मासिक अनुदान ढाई हजार रुपये, वीर चक्र हेतु 8 लाख रुपये एवं मासिक अनुदान ढाई हजार रुपये एवं शौर्य चक्र हेतु 8 लाख रुपये एवं मासिक अनुदान डेढ़ हजार रुपये दिये जायेंगे। इसी प्रकार, युध्द सेवा मेडल श्रृंखला के अंतर्गत भूमि के एवज में सर्वोत्तम युध्द सेवा हेतु 1 लाख 45 हजार रुपये, उत्तम युध्द सेवा मेडल हेतु 1 लाख 40 हजार रुपये, सेना-नौ सेना-वायु सेना मेडल हेतु 50 हजार रुपये एवं मेंशन इन डिस्पेचेज हेतु 12 हजार रुपये का प्रावधान किया गया था तथा इसमें कोई मासिक अनुदान नहीं दिया जाता था। परन्तु अब शौर्य अलंकरण श्रृंखला में भी मासिक अनुदान का प्रावधान खत्म कर दिया गया है। अब शौर्य अलंकरण श्रृंखला के अंतर्गत भूमि के एवज में परमवीर चक्र हेतु 1 करोड़ रुपये, अशोक चक्र हेतु 1 करोड़ रुपये, महावीर चक्र हेतु 75 लाख रुपये, कीर्ति चक्र हेतु 75 लाख रुपये, वीर चक्र हेतु 50 लाख रुपये, एवं शौर्य चक्र हेतु 50 लाख रुपये दिये जायेंगे। इसी प्रकार, युध्द सेवा मेडल श्रृंखला के अंतर्गत सर्वोत्तम युध्द सेवा मेडल, उत्तम युध्द सेवा मेडल तथा युध्द सेवा मेडल में राशि दिये जाने का प्रावधान खत्म कर दिया गया है और अब सिर्फ सेना-नौ सेना-वायु सेना मेडल एवं मेंशन इन डिस्पेचेज हेतु 25-25 लाख रुपये देने का प्रावधान किया गया है।

एक हजार रुपए पेंशन की मांग को लेकर गैस पीड़ित महिलाओं का प्रदर्शन

भोपाल। निराश्रित पेंशन भोगी महिलाओं ने पेंशन राशि 1000 रुपया प्रतिमाह करने व पेंशन राशि बैंक खातों में प्रतिमाह की 5 तारीख के पूर्व जमा कराने को लेकर प्रदर्शन किया।

गैस पीड़ित निराश्रित पेंशन भोगी संघर्ष मोर्चा ने आज लिली टॉकीज के सामने नीलम पार्क में सामाजिक सुरक्षा पेंशन 600 रुपया प्रतिमाह से बढ़ाकर समान दर से सभी गरीब वृद्धजनों, विधवा, परित्यक्ता महिलाओं व विकलांगों की पेंशन केंद्र व राज्य सरकार द्वारा 1000 रुपया प्रतिमाह कराने, पेंशन राशि बैंक खातों में प्रत्येक माह की 5 तारीख के पूर्व जमा कराने, पेंशन निर्धारण में गरीबी रेखा की अनिवार्यता समाप्त कराने, मंहगाई वृद्धि के अनुपात में प्रतिवर्ष पेंशन राशि में वृद्धि कराने, पेंशन भोगियों, गैस पीड़ित विधवाओं को अन्त्योंदय की श्रेणी में शामिल कराने, गैस पीड़ित विधवाओं की पेंशन राशि 1000 रुपया से बढ़ाकर 3000 रुपया प्रतिमाह कराने, आवासहीन गैस पीड़ित विधवाओं को आवास उपलब्ध कराने, भोपाल कलेक्टेड गैस राहत शाखा में लंबित लगभग 550 गैस पीड़ित विधवा महिलाओं के आवेदनों पर शीघ्र करवाई कर 1000 रुपया प्रतिमाह पेंशन दिलाने ,लाडली बहना योजना का लाभ अविवाहित महिलाओं को दिलाने तथा पात्रता के लिए 23 वर्ष की उम्र को घटाकर 21 वर्ष कराने व परिवार की वार्षिक आय पात्रता के लिए ढाई लाख से बढ़ाकर पांच लाख निर्धारित कराने आदि प्रमुख मांगों को लेकर प्रदर्शन कर एक दिवसीय धरना दिया। धरना आंदोलन में बड़ी संख्या में गैस पीड़ित व निराश्रित पेंशन भोगी महिलाएं शामिल हुई। धरना आंदोलन का नेतृत्व मोर्चा के अध्यक्ष बालकृष्ण नामदेव, चिरोंजी बाई करोद, राजवती यादव, राजकुमारी मिश्रा, भागवती बाई यादव, आदि ने किया।

CBuD एप्प से दूरसंचार कंपनियों को अब खुदाई की मिलेगी अनुमति

मध्यप्रदेश में 9 विभागों के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

भोपाल। दूर संचार सेवाओं के लिए सड़कों आदि की खुदाई के लिए एजेंसियाँ अब ष्टक्चह्वष्ठ एप्प पर अनुमति प्राप्त कर कार्य कर सकेंगी। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने दूरसंचार सेवाओं के तेजी से विस्तारीकरण के लिए गत 22 मार्च को काल बिफोर यू डिग ष्टक्चह्वष्ठ एप्प का शुभारंभ किया और एप्प से संबंधित कार्यवाही करने में मध्यप्रदेश के देश में प्रथम रहने पर सराहना की थी। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख सचिव निकुंज श्रीवास्तव ने बताया है कि दूरसंचार संरचना विकसित करने वाली सेवा प्रदाता कंपनियों को सामान्यत- नगरीय विकास एवं आवास, जल संसाधन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, राजस्व, खनिज साधन, वन, ऊर्जा, लोक निर्माण और पर्यावरण जैसे 9 विभाग से अनुमति लेनी होती है। राज्य शासन ने इन विभागों के लिए एक-एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। श्रीवास्तव ने बताया कि अब इस एप्प में कंपनियाँ अपना नामांकन करेंगी और स्वीकृति प्राप्त होने के बाद खुदाई कार्य कर सकेंगी । प्रमुख सचिव श्री श्रीवास्तव ने बताया कि दूर संचार सुविधा नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं में शामिल है। केन्द्र सरकार द्वारा देश के नागरिकों को दूरसंचार सुविधायें उपलब्ध कराये जाने के कार्य प्राथमिकता से कराये जा रहे हैं। इसी के दृष्टिगत प्रदेश में दूरसंचार अवसंरचनाओं/ सुविधाओं का विस्तार प्राथमिकता से किया जा रहा है। इसके लिए दूरसंचार अवसंरचना / सुविधा सेवा प्रदाताओं द्वारा भूमिगत ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाने के लिए आवश्यकतानुसार खुदाई / उत्खनन का कार्य किया जाता है। खुदाई के दौरान पूर्व में स्थापित आधारभूत संरचना क्षतिग्रस्त होती है तथा इससे समय एवं धन का अपव्यय होता है। अब ष्टक्चह्वष्ठ एप्प से सारी प्रक्रिया आसान हो जाएगी।

उल्लेखनीय है कि भूमिगत खुदाई से संसाधनों को क्षति होने से बचाव के लिए केन्द्र सरकार के संचार मंत्रालय, दूरसंचार विभाग ने ष्टड्डद्यद्य क्चद्गद्घशह्म्द्ग 4शह्व ष्ठद्बद्द (ष्टक्चह्वष्ठ)-श्चश्च बनाया है। इस श्चश्च पर विभिन्न एजेन्सियों द्वारा भूमिगत खुदाई करने से पूर्व संबंधित क्षेत्र/स्थान का विस्तृत विवरण देना होता है। इस श्चश्च पर दर्ज प्रविष्टियों के अवलोकन एवं निगरानी के लिए जिलों में कार्यरत दूरसंचार अवसंरचना सेवा प्रदाताओं एवं भारत सरकार तथा राज्य शासन के संबंधित कार्यालयों के अधिकारियों से सम्पर्क/समन्वय स्थापित कर सुसंगत अनुमति आनलाइन ले सकेंगी।